नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 176 | नई दिल्ली, शुक्रवार 23 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

सामंथ को फिर हुआ प्यार.... पेज-12

एक नजर

नोएडा में अब मंदिर की घंटी से भी हो रहा है ध्वनि प्रदूषण, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भेज दिया नोटिस

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा की एक सोसायटी में मंदिर में घंटी बजाने से हुए ध्वनि प्रदूषण पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) की तरफ से एक नोटिस भेजा गया है। इस नोटिस की कॉपी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। लोगों ने जमकर कमेंट किया है और लिखा है कि अगर योगीराज में यह होगा तो फिर क्या किया जाए।

जानकारी के मुताबिक, मामला गौर सौंदर्यम सोसायटी का है। वहां रहने वाले एक निवासी ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को शिकायत दी थी कि सोसायटी के मंदिर में बजने वाली घंटियों से काफी ज्यादा ध्वनि प्रदूषण होता है। इस पर यूपीपीसीबी ने सोसायटी को नोटिस भेजा है।

सोसायटी में रहने वाले मुदित बंसल ने 30 जुलाई को ई-मेल से यूपीपीसीबी को शिकायत भेजी थी। इसके बाद 5 अगस्त को यूपीपीसीबी ने मंदिर की घंटी से होने वाले ध्वनि प्रदूषण का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान मंदिर की घंटी से 70 डेसिबल का शोर मिला।

सोसायटी को जारी नोटिस में कहा गया कि ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 के प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे लोगों को घंटी के शोर से समस्या न हो। सोसायटी से नोटिस पर जवाब भी मांगा गया है। यह नोटिस सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है।

बंगलादेश में बाढ़ पर मीडिया की रिपोर्ट तथ्यात्मक रूप से गलत: भारत

नई दिल्ली। भारत ने बंगलादेश के मीडिया की उन रिपोर्टों को तथ्यात्मक रुप से गलत बताया है जिसमें बाढ़ की स्थिति के लिए उसे दोषी ठहराया गया है। भारत ने गुरुवार को कहा कि बंगलादेश में बाढ़ की स्थिति त्रिपुरा में गोमती नदी के ऊपर डंबूर बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नहीं है जबकि बंगलादेश के मीडिया में ऐसी रिपोर्टें आई हैं जिनमें आरोप लगाया गया है कि कोमिला जिले में भारी बाढ़ भारत द्वारा बांध के गेट खोलने के कारण आई है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने बंगलादेश में इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि वहां पूर्वी सीमा पर स्थित जिलों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति त्रिपुरा में गोमती नदी के ऊपर डंबूर बांध के खुलने के कारण हुई है। भारत सरकार ने कहा, 'यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। हम यह बताना चाहेंगे कि भारत और बंगलादेश से होकर बहने वाली गोमती नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों में इस साल की सबसे भारी बारिश हुई है। बयान में कहा गया है कि बंगलादेश में बाढ़ मुख्य रूप से बांध के नीचे की ओर इन बड़े जलग्रहण क्षेत्रों से आने वाले पानी के कारण है। डंबूर बांध सीमा से बंगलादेश से 120 किलोमीटर ऊपर की ओर दूर स्थित है। यह कम ऊंचाई का लगभग 30 मीटर का बांध है जो बिजली पैदा करता है, जो ग्रिड में जाती है और जिससे बंगलादेश त्रिपुरा से 40 मेगावाट बिजली भी प्राप्त करता है। लगभग 120 किलोमीटर नदी मार्ग पर हमारे पास अमरपुर, सोनामुरा और सोनामुरा 2 में तीन जल स्तर अवलोकन स्थल हैं। केन्द्र सरकार ने कहा पूरे त्रिपुरा और बंगलादेश के आस-पास के जिलों में 21 अगस्त से भारी बारिश जारी है। भारी जलप्रवाह की स्थिति में स्वचालित रूप से पानी छोड़ा जाता है। अमरपुर स्टेशन एक द्विपक्षीय प्रोटोकॉल का हिस्सा है, जिसके तहत हम बंगलादेश को वास्तविक समय बाढ़ डेटा प्रेषित कर रहे हैं।

दिल्ली में काम आई सुप्रीम कोर्ट की अपील

एम्स की हड़ताल खत्म, कोलकाता में डॉक्टर अडिग

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। 'फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन' (फेमा) ने कोलकाता में एक चिकित्सक की कथित रूप से बलात्कार के बाद की गयी हत्या के विरोध में 11 दिनों से जारी अपनी हड़ताल उच्चतम न्यायालय के 'सकारात्मक निदेर्शों' के बाद बृहस्पतिवार को समाप्त कर दी है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले दिन में प्रदर्शनकारी चिकित्सकों से काम शुरू करने को कहा था और उन्हें आश्वासन दिया था कि काम पर लौटने के बाद उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी।

चिकित्सकों के शीर्ष संगठन फेमा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'फेमा ने प्रधान न्यायाधीश के सकारात्मक निदेर्शों के बाद हड़ताल खत्म करने का फैसला किया है। हम अंतरिम सुरक्षा और अस्पतालों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की हमारी प्रार्थनाओं को स्वीकार किये जाने का स्वागत करते हैं। एकजुट होकर, हम कानूनी रूप से लड़ाई जारी रखेंगे।

उच्चतम न्यायालय की अपील पर कई 'रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए)' द्वारा कोलकाता घटना पर अपनी हड़ताल समाप्त करने के बाद फेमा ने यह कदम उठाया। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज तथा दिल्ली सरकार के इंदिरा गांधी अस्पताल के आरडीए ने भी हड़ताल खत्म करने की घोषणा की है।

'रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन' (एम्स, दिल्ली) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हम उच्चतम न्यायालय की अपील एवं आश्वासन तथा आरजी कर (अस्पताल) की घटना एवं चिकित्सकों की सुरक्षा के सिलसिले में उसके हस्तक्षेप के बाद काम पर लौट रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की अपील के बाद भी बंगाल के जूनियर डॉक्टरों ने की हड़ताल जारी रखने की घोषणा

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हड़ताल वापस लेने की अपील के बावजूद बंगाल के जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट अपना आंदोलन वापस नहीं लेंगे। पिछले 14 दिनों से हड़ताल पर डटे राज्य के जूनियर डाक्टरों ने आरजी कर अस्पताल में अपनी सहकर्मी महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म व हत्या के विरोध में न्याय मिलने तक अपनी हड़ताल जारी रखने की घोषणा की है।

दूसरी ओर हड़ताल के कारण बंगाल के सरकारी अस्पतालों में गुरुवार को लगातार 14वें दिन स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। घटना के विरोध में जूनियर चिकित्सकों ने कार्य का बहिष्कार किया। राज्य सरकार द्वारा केएमसीएच के तीन अधिकारियों का तबादला करने और आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष की कलकत्ता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (सीएनएमसी) में नियुक्ति रद कर दिए जाने के बावजूद आंदोलनकारी चिकित्सकों ने अपना आंदोलन जारी रखा।

नेशनल टास्क फोर्स का गठन

कोलकाता कांड का स्वतः संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई की. चीफ जस्टिस डीवाई. चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने सुनवाई की. कोर्ट ने मंगलवार को नेशनल टास्क फोर्स का गठन किया था. इसका मकसद डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा व सुविधाओं को सुनिश्चित करना है. इसके लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाना है.

एफआईआर में देरी परसरकार की आलोचना

कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की घटना से देशभर में आक्रोश है. देश के हर राज्य में प्रदर्शन हुए. इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों की सुरक्षा को राष्ट्रीय हित का मामला बताया था.इस घटना को भयावह करार देते हुए कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने में देरी करने और हजारों उपद्रवियों को सरकारी सुविधा में तोड़फोड़ करने देने के लिए राज्य सरकार की आलोचना भी की थी.

मरीजों की देखभाल हमारी प्राथमिकता

सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से सामान्य कामकाज बहाल का निर्देश दिया. साथ ही कहा कि न्याय और चिकित्सा को रोका नहीं जा सकता. हड़ताल खत्म करते हुए रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने कहा किसुप्रीम कोर्ट की अपील और आश्वासन के बाद हम काम पर लौट रहे हैं. हम कोर्ट की सराहना करते हैं. उसके निदेर्शों का पालन करने करते हैं. मरीजों की देखभाल हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य मंत्रालय को एक पोर्टल खोलने का निर्देश दिया है. मंत्रालय के सचिव को दिए गए इस निर्देश में कहा गया है कि ताकि वो इसके जरिए डॉक्टरों की सुरक्षा के संबंध में नेशनल टास्क फोर्स को सुझाव दे सकें.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार प्रदान किये

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को प्रसिद्ध जीव रसायन वैज्ञानिक और बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान के पूर्व निदेशक गोविंदराजन पद्मनाभन को पहले 'विज्ञान रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया।

सरकार ने विज्ञान के क्षेत्र में दिए जाने वाले इस सर्वोच्च पुरस्कार की इस साल शुरूआत की है।

राष्ट्रपति भवन के 'गणतंत्र मंडपम' में आयोजित पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति ने 13 विज्ञान श्री पुरस्कार, 18 विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार और एक विज्ञान टीम पुरस्कार भी प्रदान किये।

चंद्रयान-3 मिशन पर काम करने वाले वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की टीम को 'विज्ञान टीम' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार मिशन के परियोजना निदेशक पी वीरमुथुवेल ने प्राप्त किया।

सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए एक पदक और प्रशस्ति पत्र दिया गया।

'विज्ञान श्री' पुरस्कार से सम्मानित किये गये वैज्ञानिकों में बेंगलुरू स्थित भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान की निदेशक अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम; तिरुवनंतपुरम स्थित राष्ट्रीय अंतर्विषयी विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक आनंदरामकृष्णन सी;

भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान में रसायन विज्ञान समूह के निदेशक आवेश कुमार त्यागी; लखनऊ स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के प्रोफेसर सैयद वजीह अहमद नकवी शामिल हैं।

बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान के जीवविज्ञानी उमेश वार्ष्णेय, पुणे स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के प्रोफेसर जयंत भालचंद्र उदगांवकर, आईआईटी दिल्ली के एमेरिटस प्रोफेसर भीम सिंह, श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक संजय बिहारी, आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर आदिमूर्ति आदि, आईआईएम कोलकाता के राहुल मुखर्जी को भी विज्ञान श्री पुरस्कार प्रदान किया गया।

आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली में फार्मा इकाई में विस्फोट

10 की मौत, 30 से अधिक घायल

अनकापल्ली (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश में बुधवार को अचुतपुरम विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में एक फार्मास्युटिकल कंपनी में रिएक्टर विस्फोट में कम से कम 10 श्रमिकों की मौत हो गई और 30 से अधिक अन्य घायल हो गए।

राज्य की गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने बड़ी दुर्घटना की जांच के आदेश दिए और अनकापल्ली जिला कलेक्टर विजया कृष्णन को पीड़ितों के लिए बेहतर चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पुलिस ने कहा कि विस्फोट के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि विस्फोट के प्रभाव के कारण फार्मा इकाई की पहली मंजिल का स्लैब ढह गया है। कुछ मजदूर मलबे में फंसे हो सकते हैं। घटना के समय फार्मा कंपनी में 200 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे थे।

अनकापल्ली और आसपास के इलाकों से लगभग दर्जन भर दमकल गाड़ियां आग बुझाने के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं, जबकि एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं और बचाव और राहत अभियान जारी है। जिला प्रशासन और पुलिस के शीर्ष अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। अनकापल्ली के जिला कलेक्टर ने कहा कि घायल श्रमिकों को अनकापल्ली शहर के एनटीआर अस्पतालों, विजाग शहर के केजी अस्पताल और कुछ अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

राज्य के श्रम मंत्री वासमसेट्टी सुभाष ने कहा कि मृतकों की संख्या स्पष्ट नहीं है क्योंकि बचाव अभियान अब भी चल रहा है। मंत्री ने कहा कि कारखानों पर थर्ड पार्टी एजेंसियों की निगरानी उद्योगों में लगातार दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। गौरतलब है कि पिछले महीने इसी तरह की एक घटना में अच्युतपुरम में एक रसायन कारखाने में रिएक्टर विस्फोट के बाद आग लगने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया था, जबकि कुछ अन्य को मामूली चोटें आई थीं।

आंध्र प्रदेश में फैक्ट्री दुर्घटना पर मोदी का शोक, अनुग्रह राशि देने की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली की एक फैक्ट्री में बुधवार को दुर्घटना में लोगों के हताहत होने पर शोक व्यक्त किया है।

श्री मोदी ने गुरुवार को एक संदेश में हादसे में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और पीड़ितों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुसार प्रत्येक मृतक के निकट संबंधी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये तथा घायलों को पचास-पचास हजार रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट में कहा,

अनकापल्ली में एक फैक्ट्री में हुए हादसे में लोगों की मृत्यु से आहत हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

भारत पोलैंड के बीच रणनीतिक साझीदारी स्थापित करने का फैसला

वारसा/नई दिल्ली, एजेंसी। भारत एवं पोलैण्ड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझीदारी का स्वरूप देने तथा आर्थिक सहयोग को व्यापक बनाने पर सहमति जताने के साथ संयुक्त राष्ट्र एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को आतंकवाद सहित वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम बनाने के लिए उनमें व्यापक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

पोलैंड की यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मेजबान प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के बीच यहां प्रतिनिधि मंडल स्तर की द्विपक्षीय शिखर बैठक में ये निर्णय लिये गये। दोनों देशों ने शहरी विकास, तकनीकी उन्नयन एवं सांस्कृतिक जुड़ाव के लिए अनेक फैसलों की घोषणा की।

बैठक के बाद श्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में वारसा में उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री श्री टस्क का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री टस्क लंबे समय से भारत के मित्र रहे हैं और भारत और पोलैंड के बीच संबंधों को बढ़ाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। आज के बाद 45 साल बाद, एक भारतीय प्रधानमंत्री ने पोलैंड का दौरा किया। उन्हें

अपने तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में यह अवसर मिला। उन्होंने कहा, मैं पोलैंड की सरकार और लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने 2022 में यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारतीय छात्रों को बचाने में जो मदद की है, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता।

प्रधानमंत्री ने कहा, इस साल हम अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस मौके पर हमने रिश्ते को रणनीतिक साझीदारी में बदलने का फैसला किया है। भारत और पोलैंड के बीच संबंध लोकतंत्र और कानून के शासन जैसे साझा मूल्यों पर आधारित हैं। आज, हमने संबंधों को एक नई दिशा देने के लिए कई पहलों की पहचान की है। दो लोकतांत्रिक देशों के रूप में, हमारी संसदों के बीच विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। आर्थिक सहयोग को व्यापक बनाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में पोलैंड विश्व में अग्रणी है, हम चाहते हैं कि पोलिश कंपनियां भारत में बन रहे मेगा फूड पार्क से जुड़ें। भारत में तेजी से हो रहे शहरीकरण से जल उपचार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हमारे सहयोग के नए अवसर खुल रहे हैं। शहरी बुनियादी ढांचा, स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी, हरित, हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी हमारी सामान्य प्राथमिकताएं हैं। हम पोलिश कंपनियों को मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं। भारत ने फिनटेक, फार्मा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। हमें इन क्षेत्रों में पोलैंड के साथ अपना अनुभव साझा करने में खुशी होगी।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर हम दोनों देश वैश्विक चुनौतियों से निपटने में संयुक्त राष्ट्र संघ और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल देते हैं। हम मानते हैं कि मानवता में विश्वास करने वाले लोगों के लिए आतंकवाद एक बड़ी चुनौती है। जलवायु परिवर्तन साझा चिंता है।

श्री मोदी ने कहा, जनवरी 2025 में, पोलैंड यूरोपीय संघ की अध्यक्षता संभालेगा। मुझे विश्वास है कि आपका समर्थन भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंधों को भी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। भारत का दृढ़ विश्वास है कि किसी भी संकट का समाधान रणभूमि में नहीं निकल सकता है। मासूम लोगों की जनहानि पूरी मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। हम जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली के लिए बातचीत और कूटनीति का समर्थन करते हैं। इसके लिए भारत अपने मित्र देशों के साथ मिलकर हर संभव सहयोग करने को तैयार है।

प्रधानमंत्री ने कहा, पोलैंड में इंडोलॉजी और संस्कृत की बहुत पुरानी और समृद्ध परंपरा है। हमारे संबंधों की मजबूत नींव भारतीय सभ्यता और भाषाओं में गहरी रुचि से रखी गई है। कल हमारे लोगों के बीच गहरे संबंधों का प्रत्यक्ष और जीवंत उदाहरण देखा। मुझे कोल्हापुर के महाराजा के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य मिला। मुझे खुशी है कि पोलैंड के लोग आज भी उनकी परोपकारिता और उदारता का सम्मान करते हैं। उनकी स्मृति को अमर बनाने के लिए हम भारत और पोलैंड के बीच जाम साहेब नवानगर यूथ एक्शन प्रोग्राम शुरू करने जा रहे हैं। हर साल पोलैंड से 20 युवाओं को भारत भ्रमण पर ले जाया जाएगा।

इंडिया समूह ने तोड़ा मोदी का आत्मविश्वास : राहुल-खड़गे

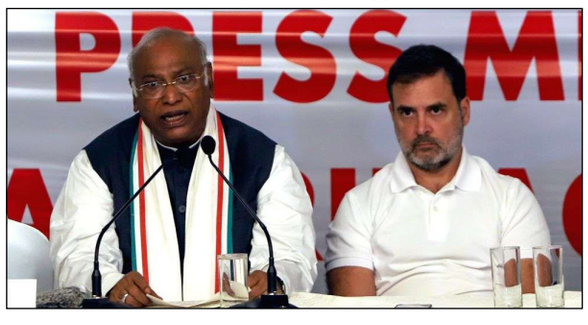

श्रीनगर, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि इंडिया समूह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आत्मविश्वास तोड़ दिया है और अब जम्मू-कश्मीर के लोगों को उन्हें एक और झटका देना है।

श्री खडगे तथा श्री गांधी ने गुरुवार को यहां आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू- कश्मीर देश का एकमात्र राज्य है जिसे मनमानी कर केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है और अब यहां के लोगों को विधानसभा चुनाव में इसका करारा जवाब देना है।

श्री गांधी ने कहा, ह्लजम्मू-कश्मीर के युवाओं से मैं कहना चाहता हूं-हमें 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' खोलनी है। हम सभी मिलकर नफरत को मोहब्बत से हराएंगे। भारत की जनता ने संविधान और लोकतंत्र को बचा लिया है। देश की वंचित और गरीब आबादी अपने अधिकारों की रक्षा के लिए इंडिया समूह के साथ खड़ी हो गयी।

दिल्ली-एनसीआर में ऑटो और टैक्सी चालकों की दो दिवसीय हड़ताल शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में टैक्सी और ऑटोरिक्शा चालकों ने कैब एग्रीगेटर सेवाओं से बेहतर भुगतान की मांग को लेकर बृहस्पतिवार से दो दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल के बीच दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। टैक्सी और ऑटो यूनियनों ने कहा कि अपर्याप्त भुगतान के साथ-साथ एग्रीगेटर्स द्वारा मोटरसाइकिल टैक्सी सेवाएं शुरू किए जाने से उनकी आजीविका प्रभावित हुई है। दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन (डीएटीटीसीयू) के अध्यक्ष किशन वर्मा ने दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी में 80 प्रतिशत ऑटोरिक्शा और टैक्सियां सड़कों से नदारद हैं। उन्होंने घोषणा की कि जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया

जाएगा। कैब चालक अनिल प्रधान ने गैर-वाणिज्यिक नंबर प्लेट का उपयोग करके सेवाएं देने वाली मोटरसाइकिल टैक्सियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने कहा, सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और गैर-वाणिज्यिक नंबर प्लेट वाले वाहनों के व्यावसायिक संचालन पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। इससे जीवनयापन करना मुश्किल हो रहा है। वहीं, एक अन्य कैब चालक आदर्श तिवारी ने कहा, कंपनियां हमें हमारी सेवाओं के लिए बहुत कम रुपये प्रदान करती हैं। इसके कारण हम अपने वाहनों की किस्त भरने और अन्य खर्चों को पूरा करने में असमर्थ हैं। हम अपने बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा और अपने परिवारों के लिए पर्याप्त भोजन सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं। लोगों ने सोशल मीडिया पर कैब मिलने में देरी और बुकिंग रद्द होने के बारे में शिकायत की। सोशल मीडिया मंच एक्स पर उपयोगकर्ता प्रशुष ने पोस्ट किया, पिछले 35 मिनट नोएडा में दिल्ली के लिए कैब लेने की कोशिश में गुजार दिए। ओला कैब, उबर इंडिया, रैपिडो बाइक ऐप में क्या समस्या है। डीएटीटीसीयू के अध्यक्ष वर्मा ने कहा, हम कैब एग्रीगेटर कंपनियों द्वारा निजी वाहनों के परिचालन पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर भी विरोध प्रदर्शन करेंगे। जब निजी वाहनों को चलने की अनुमति है तो हमें परमिट लेने और करों का भुगतान करने के लिए क्यों मजबूर किया जाता है? हम मांग करते हैं कि सरकार उन पर प्रतिबंध लगाए।

'रेडी टू मूव' मकान बेचे जा रहे हैं डीडीए

आज से रजिस्ट्रेशन शुरू, जानिए कहां मिलेगा सबसे सस्ता फ्लैट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अगर आप भी अपना मकान खरीदने की ख्वहिश रखते हैं तो अब यह साकार हो सकती है। दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से 'रेडी टू मूव' मकान बेचे जा रहे हैं। गुरुवार से इसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अगर आपका बजट कम है तो भी घबराने की जरूरत नहीं है। डीडीए ने तीन योजनाओं में से एक योजना 'सस्ता घर' भी लॉन्च किया है, जिसमें 34,177 फ्लैट्स बेचे जा रहे हैं। डीडीए लोगों के अपने घर का सपना पूरा करने के लिए इन फ्लैट्स पर 10 से लेकर 15 पर्सेंट तक की छूट दे रहा है।

'डीडीए सस्ता घर हाउसिंग स्कीम-2024' में 34177 फ्लैट्स शामिल हैं। इन सभी फ्लैट्स को दिल्ली के सिरसपुर, लोकनायक पुरम, रामगढ़, नरेला और रोहिणी आदि में बनाया गया है। रोहिणी के जिन सेक्टलर्स में फ्लैट्स बेचने के लिए तैयार किये गए हैं, वो 34

और 35 सेक्टीर में हैं। इस स्कौम के सभी फ्लैट्स लोगों के लिए 'रेडी टू मूव' कंडीशन में है। इच्छु क आवेदक इन फ्लैट्स को खरीद कर तुरंत यहां शिफ्ट हो सकते हैं। डीडीए की ओर से सबसे ज्यादा फ्लैट्स नरेला इलाके के अलग-अलग सेक्टरों और उनकी पॉकेट्स में बनाए गए हैं। यह सभी फ्लैट एलआईजी और ईडब्ल्यूएस कैटेगरी वाले फ्लैट्स हैं। सिरसपुर इलाके में 700 फ्लैट्स एलआईजी हैं। इनकी कीमत 17.41 लाख रुपए से 17.71 लाख रुपए निर्धारित की गई है। डीडीए इस पर 15 फीसदी डिस्काउंट दे रहा है। इसके बाद फ्लैट की कीमत 14.8 लाख रुपए से 15.1 लाख रुपए रह जाएगी। इसी तरह से लोकनायक पुरम में 130 एलआईजी फ्लैट्स हैं, जिनकी कीमत 26.98 लाख से 28.47 लाख रुपए के बीच निर्धारित की गई है। इन पर 10 फीसदी की छूट दी जा रही है। इसके बाद इनकी कीमत 24.3 लाख रुपए से 25.6 लाख रुपए के बीच रह जाएगी। इसके अलावा रामगढ़ में भी 184 फ्लैट बेचे जा रहे हैं जिसकी कीमत 15.3 लाख रुपए से 16.9 लाख रुपए रखी गई है। इस पर भी 15 फीसदी छूट दी जा रही है। इसके बाद फ्लैट की कीमत 13.1 लाख रुपए से 14.5 लाख रुपए रह रोहिणी के इन सेक्ट र्स के फ्लैट्स पर दी जा रही छूटः डीडीए की ओर से रोहिणी सेक्टर 34 और 35 में भी थर्ड और फोर्थ फ्लोर के 603 एलआईजी फ्लैट्स बेचे जा रहे हैं, जिनकी कीमत 14.1 लाख रुपए से 14.4 लाख रुपए निर्धारित की गई है। इन फ्लैट्स पर 10 पर्सेंट की छूट थर्ड फ्लोर और 15 फीसदी की छूट 4t फ्लोर के लिए दी जा रही है।

नौकरी से निकाले जाने पर खफा नाबालिग ने गार्ड की ले ली जान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुरक्षा गार्ड की शिकायत पर नौकरी से निकाले जाने से गुस्साए नाबालिग अपने साथियों के साथ मिलकर सुरक्षा गार्ड पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। वारदात अंजाम देकर आरोपित मौके से फरार हो गए। बाद में छानबीन के दौरान पुलिस ने इस मामले में चार नाबालिगों को पकड़ा है। इनकी उम्र के बारे में पुलिस अभी जानकारी नहीं दे रही है। मामले की छानबीन जारी है। रघुबीर नगर बी ब्लॉक में एक व्यक्ति के खून से लथपथ होकर सड़क पर पड़े होने की जानकारी बुधवार रात पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने इन्हें मृत घोषित कर दिया। छानबीन में पता चला कि जिस व्यक्ति की हत्या हुई है, उनका नाम विनोद है। चिकित्सकों से पुलिस को पता चला कि शव पर चाकू के अनेक घाव मिले।

मानवता के प्रति समर्पित संस्था मना रहा 37वां स्थापना दिवस

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। आम धारणा के विपरीत कि इस्लाम में अंगदान निषिद्ध है, वर्ल्ड आगेर्नाइजेशन ऑफ रिलीजन्स एंड नॉलेज (वर्क) इस भ्रांति को तोड़ने के लिए एक अभूतपूर्व पहल कर रहा है। वर्क ने 400 से अधिक लोगों को अंगदान के संकल्प के लिए एक मंच पर लाया है, जिनमें बड़ी संख्या में मुसलमान शामिल हैं। वर्क के अध्यक्ष अल्लामा सय्यद अब्दुल्लाह तारिक ने नई दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अंगदान समाज में इस जीवन-रक्षक कार्य की व्यापक समझ और स्वीकृति को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर, वर्क 36 उत्कृष्ट एनजीओ और व्यक्तियों को समाज और मानवता के प्रति उनके अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित करेगा, जो समाज और मानवता के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। वर्क के अनुसार, ये संगठन सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अग्रणी रहे हैं, और उनके प्रयासों की सराहना करते हुए वर्क को गर्व महसूस होता है। वर्क की केंद्रीय सचिव और वर्क महिला विंग की अध्यक्ष, सुश्री सुमू तारिक ने बताया कि वर्क देश के 200 से ज्यादा जिलों और कई अन्य देशों में समाज की भलाई के लिए निरंतर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्क बिना किसी सरकारी या बाहरी वित्तीय सहायता के पूरी तरह से स्व-निधि से काम करता है।

संगठन के सभी कार्यों के लिए वर्क के समर्पित स्वयंसेवक, जिन्हें 'वर्कर' कहा जाता है, मिलकर अपने संसाधन जुटाते हैं। यह आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रयास का अनोखा मॉडल वर्क के उस मिशन को दशार्ता है, जिसमें समाज की सेवा को ईमानदारी और स्वतंत्रता के साथ निभाया जाता है। वर्क के दिल्ली चैप्टर के स्टेट हेड मुबश्शिर हुसैन ने कहा कि बीते 36 वर्षों से वर्क मानवता के प्रति समर्पित होकर सेवा मूलक कार्य कर रहा है और करुणा को बढ़ावा दे रहा है। 37वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, वर्क समाज में अंगदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास कर रहा है।

कांग्रेस ने सेबी प्रमुख के इस्तीफे और जेपीसी के गठन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकताओं ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच के इस्तीफे और अदाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को यहां प्रदर्शन किया। जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव, वरिष्ठ नेता सचिन पायलट, कन्हैया कुमार और उदित राज सहित अन्य लोग शामिल हुए। देवेंद्र यादव ने कहा कि जिस तरह से घोटाले का खुलासा हुआ है, उसे देखते हुए सेबी प्रमुख को इस्तीफा देना चाहिए या फिर उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अदाणी समूह से जुड़े घोटालों की जेपीसी से जांच जरूरी है। अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने हाल में अपनी एक रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि सेबी की प्रमुख बुच और उनके पति की अदाणी समूह से जुड़ी कथित अनियमितताओं में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट विदेशी फंड में हिस्सेदारी थी।

सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया था।

एक नजर

आप ने सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर लॉन्च किया नया कैंपेन

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर नया कैंपेन लॉन्च किया है। पार्टी ने कहा कि तानाशाह की जेल की दीवारें तोड़कर केजरीवाल आएंगे। पार्टी ने एक नया नारा भी दिया है- मनीष सिसोदिया आ गए, केजरीवाल आएंगे। बता दें, मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत पर रिहा कर दिया है। वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल फिलहाल जेल में ही हैं। कोर्ट ने उन्हें ईडी मामले में जमानत दी है, लेकिन सीबीआई मामले में सुनवाई होनी है। बता दें कि आम आदमी पार्टी ने दिल्लीभर में 'केजरीवाल आएंगे' का बैनर लगा चुकी है। दरअसल, 23 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई मामले में केजरीवाल की जमानत पर सुनवाई होगी। इससे पहले पार्टी केजरीवाल को जमानत मिलने को लेकर आशान्वित है। इसी को लेकर पार्टी पूरी दिल्ली में केजरीवाल आएंगे को लेकर बैनर लगा दी है।

बारह वर्षों बाद अगस्त में बीस दिन बारिश हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में इस बार मानसून खासा मेहरबान रहा है। बारह वर्षों बाद अगस्त माह में 20 दिन बारिश हुई। इससे पहले 2012 में 22 दिन कम या ज्यादा बारिश दर्ज की गई थी। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में सिर्फ तीन अगस्त और 22 अगस्त का दिन ही अभी तक ऐसा रहा है जब किसी भी तरह की बूंदाबांदी या बारिश रिकॉर्ड नहीं की गई। इस दौरान एक अगस्त को सबसे ज्यादा 107 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इस महीने अब तक 269.9 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो सामान्य से 54 फीसदी ज्यादा है। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि इससे पहले 2012 में 22 दिन बारिश वाले रहे थे। हालांकि, अभी अगस्त के नौ दिन बाकी है, इसलिए माना जा रहा है कि 2012 का रिकॉर्ड भी इस बार टूट सकता है। 18 दिनों तक रही बादलों की मेहरबानी इस बार चार से 21 अगस्त तक लगातार बादलों की मेहरबानी रही

दिल्ली में सुबह रही उमस, न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार सुबह उमस भरी रही और इस दौरान न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के लिए सामान्य है। मौसम विभाग ने दिन में बादल छाए रहने और गरज के साथ हल्की बारिश का पूवार्नुमान व्यक्त किया है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 81 प्रतिशत रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में सुबह नौ बजे समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 79 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

दिल्ली के एक फेमस पार्क में लड़की साथ दिनदहाड़े गैंगरेप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चाणक्य पुरी स्थित बुद्धा जयंती पार्क में एक लड़की से गैंगरेप का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। लड़की के एक दोस्त ने ही अपने साथी के साथ मिलकर दिनदहाड़े उसके साथ इस दुष्कर्म को अंजाम दिया। पीड़िता की शिकायत पर चाणक्य पुरी थाने मे एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया है। दिल्ली का यह पार्क काफी विशाल और मशहूर है। जानकारी के मुताबिक, पीड़िता बाहरी दिल्ली इलाके में परिवार के साथ रहती है। मंगलवार को युवती अपने एक दोस्त के साथ घूमने के लिए बुद्धा गार्डन आई थी।

यहां वह अपने दोस्तों के साथ बैठी हुई थी। युवती का आरोप है कि यहां दोनों युवकों ने धमकी देकर उसके साथ गैंगरेप किया। इसके बाद उसे वहां छोड़कर दोनों फरार हो गए। पीड़िता ने करोल बाग थाने में जाकर दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज की। पुलिस मंगलवार शाम युवती को लेकर बुद्धा गार्डन पहुंची, जहां उसने घटनास्थल दिखाया। बुधवार दोपहर बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। गौरतलब है कि इससे पहले 2003 में भी एक छात्रा के साथ बुद्धा गार्डन में चार लोगों ने गैंगरेप किया था।

दिल्ली हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ के जवान ने सीपीआर देकर बचाई यात्री की जान

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक जवान ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर एक यात्री के गिरने के बाद उसे तुरंत कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) देकर उसकी बचाई। सीआईएसएफ के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। सीपीआर एक ऐसी जीवन रक्षक प्रक्रिया है जो हृदय गति के रुकने पर की जाती है। यह घटना 20 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 पर हुई। प्रवक्ता ने बताया कि यात्री इंडिगो की उड़ान से श्रीनगर जाने वाला था लेकिन वह हैंड ट्रॉली स्टैंड के पास ही गिर पड़ा। उन्होंने बताया कि सीआईएसएफ की दो सदस्यीय त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) ने यात्री को गिरते देखा और उनमें से एक ने तुरंत उसे सीपीआर दिया। इसके बाद यात्री को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने कहा, सीआईएसएफ जवानों की सतर्कता ने एक व्यक्ति की जान बचा ली।

34 मोबाइल फोन समेत पांच डकैत गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने गत तीन दिनों में डकैती में शामिल पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने चोरी के 34 मोबाइल फोन, 1908 रुपये के सिक्के, चाकू, वारदात में इस्तेमाल औजार और रस्सी बरामद हुआ है। पुलिस इनसे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान यूपी के श्रावस्ती निवासी राजू मौर्या, निसार अहमद, महसल अली उर्फ महेश, बहराइच निवासी ताज हुसैन और मोटे के रूप में हुई है। राजू मौर्या के खिलाफ हत्या के प्रयास और एक्साइज एक्ट के मामले दर्ज हैं। जांच में पता चला है कि इन्होंने पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में 18 अगस्त को घर में डकैती की एक वारदात को अंजाम दिया था। मामले में शिकायतकर्ता विनय ने पीसीआर कॉल कर पुलिस को बताया कि वह सुरक्षा गार्ड है। उसने चार लोगों को कंपनी में पीछे के प्रवेश द्वार तोड़कर घुसते देखा। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे जबरन दबोच कर रखा और कंपनी परिसर के बेसमेंट और भूतल पर मौजूद कार्यालयों में चोरी करके फरार हो गए। कंपनी के मालिक दीपक गर्ग ने पुलिस को बताया कि 35 मोबाइल फोन, करीब 60-70 हजार नकद, सिक्के और एक हार्ड डिस्क चोरी हुआ है। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस को कंपनी के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में पांच बदमाश चोरी करते दिखाई दिए। इसके बाद सभी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

चिकित्सक बलात्कार-हत्या मामला : दिल्ली के चिकित्सकों का प्रदर्शन 11वें दिन भी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता के एक अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से कथित बलात्कार और उसकी हत्या की घटना के विरोध में रेजिडेंट चिकित्सकों का अनिश्चितकालीन प्रदर्शन बृहस्पतिवार को 11वें दिन भी जारी है। उच्चतम न्यायालय ने प्रदर्शनकारी चिकित्सकों से काम पर लौटने का अनुरोध किया है। इसके बावजूद यह प्रदर्शन जारी है।

विरोध प्रदर्शन के कारण दिल्ली भर के अस्पतालों में सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। उच्चतम न्यायालय ने चिकित्सकों और स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा तथा सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय प्रोटोकॉल विकसित करने के वास्ते मंगलवार को 10 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्य बल (एनटीएफ) गठित किया। वाइस एडमिरल आरती सरीन की अध्यक्षता वाले 10 सदस्यीय कार्यबल को तीन सप्ताह के भीतर अपनी अंतरिम रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है। चिकित्सकों के कई प्रमुख संगठनों ने कार्यबल की संरचना पर असंतोष व्यक्त किया है। चिकित्सकों के एक संगठन के एक अधिकारी ने कहा, हम कार्यबल के सदस्यों के चयन के आधार को नहीं समझ पा रहे। इसमें रेजिडेंट चिकित्सकों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए था, जिसकी हम वकालत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर का भी प्रतिनिधित्व होना चाहिए, क्योंकि हिंसा की घटनाएं मुख्य रूप से सरकारी अस्पतालों में होती हैं, निजी अस्पतालों में नहीं। इस बीच, ह्यफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) ने एनटीएफ की सिफारिशों के लागू होने तक चिकित्सकों के लिए अंतरिम सुरक्षा की मांग को लेकर शीर्ष अदालत का रुख किया है।

एफएआईएमए की ओर से दायर याचिका में शीर्ष अदालत के समक्ष जारी कार्यवाही में हस्तक्षेप की अनुमति दिए जाने का अनुरोध किया गया है।

दिल्ली के अस्पताल में मरीज के पति पर चिकित्सकों को पीटने का आरोप, गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में चिकित्सकों पर हमला करने और नर्सिंग स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में 56 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कल-पुर्जों की दुकान चलाने वाला इसरार बुधवार रात अपनी पत्नी को उपचार के लिए अस्पताल ले गया था, जहां उसने चिकित्सकों के साथ कथित तौर पर मारपीट की। आरोपी के चिकित्सकों को धमकाने और उनसे दुर्व्यवहार करते समय अस्पताल के कर्मचारियों ने घटना को अपने मोबाइल फोन में 'रिकॉर्ड' कर लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्राथमिकी के अनुसार, ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने आरोपी की पत्नी को उसकी स्वास्थ्य संबंधित शिकायत के आधार पर दवा दी थी, लेकिन उसके पति ने दवा लेने से इनकार कर दिया और इसके बजाय अपने तरीके से इलाज बताने लगा। अस्पताल के जूनियर रेजीडेंट डॉ. रजनीश ने ह्यपीटीआई वीडियोज' को बताया कि जब अस्पताल के कर्मचारियों ने उस व्यक्ति की बातों को नजरअंदाज किया तो वह हिंसक हो गया और चिकित्सकों के साथ दुर्व्यवहार करने लगा। चिकित्सक ने कहा, ह्यह्यहमने उसे शांत कराने की कोशिश की लेकिन उसने हमारे साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और हममें से कुछ के साथ मारपीट की। उसने हमारे नर्सिंग स्टाफ के साथ भी दुर्व्यवहार किया।" प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि आरोपी अस्पताल परिसर में चिल्लाया, अन्य मरीजों के इलाज में बाधा डाली और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। उसने चिकित्सकों के ड्यूटी रूम में जबरदस्ती घुसकर अन्य लोगों को चिकित्सकों की पिटाई करने के लिए उकसाया। प्राथमिकी में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने ड्यूटी रूम में चिकित्सकों पर हमला किया और कोलकाता में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना का जिक्र करते हुए पूछा कि दिल्ली में चिकित्सकों को इसकी चिंता क्यों है।

जेएनयूएसयू की भूख हड़ताल जारी, कल शिक्षा मंत्रालय तक निकालेंगे मार्च

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएनयू कैंपस में छात्र बीते 11 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। जेएनयूएसयू के अध्यक्ष धनंजय के साथ-साथ कई छात्र अपनी मांगों को लेकर प्रशासन के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका कहना है कि पिछले 12 साल से एमसीएम (जो गरीब छात्रों को दी जाती है) 2000 रुपये से नहीं बढ़ाया गया है। जबकि महंगाई काफी बढ़ गई है। बावजूद इसके एमसीएम को नहीं बढ़ाया गया है। हमारी मांग है कि इसे बढ़ाकर 5000 रुपये किया जाए। इसके अलावा बराक हॉस्टल को जल्द से जल्द शुरू किया जाए। क्योंकि कैंपस में पढ़ने वाले छात्रों को हॉस्टल की कमी के कारण कैंपस के बाहर पैसे देकर किराए में रहना पड़ रहा है। कैंपस में महिला छात्रों की सुरक्षा के लिए जीएसकैश की मांग कर रहे हैं। बीते कई दिनों में महिला छात्रों के साथ कई घटनाएं हो चुकी है। उनकी सुरक्षा के लिए जो कमेटी बनाई है वह पर्याप्त नहीं है। इसलिए जीएसकैश की गठन की जाए।

धरना पर बैठे छात्रों का कहना है कि बीते दिनों में यहां के छात्रों ने कई बार छात्रों ने प्रदर्शन किया है, जिनके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई कर उनके ऊपर 5000 या 8000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया गया है, उसे खत्म कर दे। बता दें, जेएनयूएसयू ने हड़ताल को शुक्रवार तक जारी रखने का आह्वान किया है। इसके बाद दोपहर 12 बजे के करीब शिक्षा मंत्रालय तक एक लंबा मार्च निकालने की योजना बना रहे हैं। जेएनयूएसयू ने शिक्षा मंत्रालय से मामले में हस्तक्षेप करने और उनकी चिंताओं का समाधान करने का आग्रह किया है।

दिल्ली पुलिस ने अलकायदा मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, तीन राज्यों से 14 लोग हिरासत में लिए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से 14 लोगों को हिरासत में लेकर अलकायदा के एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का बृहस्पतिवार को दावा किया। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी मिलने के बाद राज्यों के पुलिस बलों के साथ मिलकर एक अभियान चलाया गया। दिल्ली पुलिस के एक बयान में कहा गया, मॉड्यूल का नेतृत्व रांची (झारखंड) का डॉ. इश्तियाक नामक व्यक्ति कर रहा था तथा उसकी देश के भीतर खिलाफत की घोषणा करने और गंभीर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की मंशा थी। बयान के अनुसार, आतंकवादी मॉड्यूल के सदस्यों को हथियार चलाने सहित विभिन्न स्थानों पर कई तरह का प्रशिक्षण दिया गया था। इसमें बताया गया कि राजस्थान के भिवाड़ी से छह लोगों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण लेते समय हिरासत में लिया गया।

सीएम की फोटो के बिना स्वतंत्रता दिवस पर प्रकाशित विज्ञापन पर बवाल, मंत्री ने अधिकारियों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की तरफ से स्वतंत्रता दिवस पर जारी विज्ञापन में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की फोटो नहीं होने पर सूचना और प्रचार मंत्री आतिशी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विभाग के तीन अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए उनसे तीन दिन के भीतर यह बताने को कहा गया है कि विज्ञापन जारी करने के मद में खर्च राशि क्यों ना उनके वेतन से वसूली जाए? मंत्री आतिशी ने कारण बताओ नोटिस में कहा है कि विभाग ने यह विज्ञापन बिना उनकी मंजूरी के प्रकाशित किया है। दिल्ली की सूचना और

प्रचार मंत्री आतिशी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 14 अगस्त को विभाग को पिछले साल की तरह ही अखबारों में पूरे पेज का विज्ञापन देने का निर्देश दिया था। उसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तस्वीर लगाने को भी मंजूरी दी थी। आतिशी ने निर्देश दिया था कि उनके द्वारा स्वीकृत विज्ञापन के अलावा कोई अन्य विज्ञापन विभाग द्वारा जारी नहीं की जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। स्वतंत्रता दिवस के लिए फुल पेज की बजाय हाफ पेज का विज्ञापन विभाग ने जारी किया और उसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की फोटो नहीं लगाई गई जिस पर मंत्री ने नोटिस जारी किया है।

मंत्री द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि विज्ञापन में मुख्यमंत्री की फोटो को लेकर सख्त निर्देश के बावजूद सूचना एवं प्रचार निदेशालय ने 15 अगस्त को बिना तस्वीर के विज्ञापन जारी किया, वह भी आधे पेज का। यह मंत्री के निदेशों का उल्लंघन है और जो जानबूझकर की गई आदेश की अवहेलना है।

दिल्ली में 24वां हस्तशिल्प निर्यात पुरस्कार समारोह आयोजित

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने आज नई दिल्ली में द अशोक होटल के कन्वेंशन हॉल में अपना 24वां हस्तशिल्प निर्यात पुरस्कार समारोह आयोजित किया। उत्सव की शाम की शोभा देश भर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले निर्यातकों ने बढाई, जो इस भव्य अवसर के साक्षी बने। इस अवसर पर ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद; मुख्य संरक्षक की भूमिका निभा रहे ईपीसीएच के महानिदेशक और इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार; ईपीसीएच के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना और श्री सागर मेहता; ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा; ईपीसीएच की प्रशासन समिति के सदस्यों और बड़ी संख्या में प्रेस मीडिया की भी उपस्थिति रही। भारतीय हस्तशिल्प निर्यातकों को वर्ष 2019-20 और 2020-21 के दौरान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभिन्न श्रेणियों में 123 ट्रॉफियां और योग्यता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भारत सरकार में माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह शामिल हुए। साथ ही समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में श्रीमती रचना शाह, आईएएस, सचिव, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार, श्री रोहित कंसल, अतिरिक्त सचिव, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार और श्रीमती अमृत राज, आईपीओएस, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार ने शिरकत की।

माननीय मंत्री द्वारा दिए गए पुरस्कारों में 2019-20 और 2020-21 के लिए शीर्ष निर्यात पुरस्कार शामिल थे, दोनों पुरस्कार मेसर्स सी.एल. गुप्ता एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, अमरोहा (उत्तर प्रदेश) को मिले; इसके बाद वरिष्ठ और अनुभवी निर्यातक श्री मुजफ्फर हुसैन को भारतीय हस्तशिल्प क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, संरक्षण और मार्गदर्शन के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके बाद विभिन्न हस्तशिल्प उत्पाद श्रेणियों में और पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए। भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने सभी पुरस्कार विजेताओं को भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने में उनके अथक समर्पण और महत्वपूर्ण भूमिका के लिए बधाई दी। उन्हें 'चैंपियन' कहते हुए उन्होंने उनसे असाधारण विरासत की मौजूदा ताकत, 35,000 उत्पादों का उत्पादन करने वाले 800 क्लस्टर और यूके, यूएसए, कनाडा, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और इटली जैसे प्रमुख बाजारों के लिए कारखाने बनने की क्षमता का लाभ उठाकर दुनिया के सामने भारत की योग्यता साबित करने का आग्रह किया। उन्होंने निर्यातकों से नए बाजारों की तलाश करने का भी आग्रह किया और उम्मीद जताई कि स्थिरता और हरित उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने और उत्पाद विविधीकरण को प्राथमिकता देने के साथ इस क्षेत्र में नए प्रवेशकों द्वारा विश्व बाजारों में भारत की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। माननीय मंत्री ने भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी और लाभदायक बनाने में परिषद के साथ-साथ निर्यातकों के सक्षम नेतृत्व और सराहनीय प्रयासों को स्वीकार किया। उन्होंने महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया जो इस क्षेत्र के कार्यबल का एक बड़ा प्रतिशत है और निकट भविष्य में पुरस्कार विजेताओं में उन्हें और अधिक देखने की उम्मीद है। उन्होंने निष्कर्ष देते हुए कहा, "हमें अपनी स्थिति को बेहतर ढंग से समझने के लिए वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी का मूल्यांकन करना चाहिए। निर्यात चैंपियनों को अपने लक्ष्य हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और नए बाजार क्षेत्रों की खोज के लिए पुरस्कार दिए जाने चाहिए।""उत्पाद समूहों, क्षेत्रों और महिला उद्यमियों में निर्यात प्रदर्शन का प्रतिनिधित्व करने वाले ये पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में मजबूत उपस्थिति हासिल करने के असाधारण प्रयासों का सम्मान करते हैं," भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय की सचिव, आईएएस श्रीमती रचना शाह ने कहा, उन्होंने पुरस्कार प्राप्तकताओं और उनके कार्यबल में शामिल कारीगरों को उनके असाधारण निर्यात प्रदर्शन के लिए बधाई दी, और भारत की सांस्कृतिक विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में हस्तशिल्प के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के अद्वितीय कला रूपों की विविधता का जश्न मनाने की आवश्यकता पर बल दिया और छोटे शहरों और गांवों को वैश्विक व्यापार से जोड़ने, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने और आजीविका प्रदान करने में हस्तशिल्प की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। श्रीमती शाह ने ब्रांडिंग और गुणवत्ता प्रमाणन मानकीकरण की बढ़ती आवश्यकता, प्रत्येक शिल्प को उसकी अनूठी कहानियों और परंपराओं से जोड़ने के महत्व और नए अवसरों की खोज करते हुए पारंपरिक निर्यात बाजारों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बाजार पहुंच के विस्तार में ई-कॉमर्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी और निर्यात अवसरों का विस्तार करके इस क्षेत्र के विकास का समर्थन करने के लिए 50 ई-कॉमर्स हब स्थापित करने की सरकार की योजना का उल्लेख किया। भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय में हस्तशिल्प विकास आयुक्त श्रीमती अमृत राज ने इस मौके पर उपस्थिति समूह को संबोधित करते हुए कहा, हमारे निमार्ता और निर्यातक बाजार की जानकारी का लाभ उठाकर, उपभोक्ता व्यवहार को समझकर,अनुपालन सुनिश्चित करके और तकनीकी प्रगति को अपनाकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं।

एक नजर

भूखंडों की योजना में आवेदन का आज अंतिम मौका

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना विकास प्राधिकरण के सेक्टर-16, 18, 20 और 22डी में 361 आवासीय भूखंडों के लिए आवेदन करने का शुक्रवार को अंतिम दिन है। 10 अक्तूबर को ड्रॉ के माध्यम से भूखंडों आवंटन की प्रक्रिया होगी। मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि प्राधिकरण ने चार जुलाई को आवासीय प्लॉटों की योजना निकाली थी। इस योजना के तहत अब तक 2.18 लाख आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। 1.50 लाख से अधिक लोगों ने प्लॉटों के लिए 10 प्रतिशत फीस भी जमा करा दी है। 23 अगस्त को आवेदन प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

महिला ने पड़ोसी पर लगाया फ्लैट में घुसने का आरोप

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेनो वेस्ट की एक सोसाइटी में रहने वाली महिला ने पड़ोसी पर फ्लैट में घुसने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि आरोपी पड़ोसी किचन की बालकनी के रास्ते फ्लैट तक पहुंचा था। महिला के विरोध करने पर वहां से भाग गया। ईकोटेक तीन कोतवाली पुलिस के मुताबिक, एक सोसाइटी में रहने वाली महिला ने पड़ोसी पर मुकदमा दर्ज करवाया है। आरोप है कि पड़ोसी किचन की बालकनी से उसके फ्लैट में आ घुसा। महिला के शोर मचाने पर वह भाग गया। महिला ने बताया कि पड़ोस के फ्लैट में पिछले एक महीने से संदिग्ध गतिविधियां चल रही थी। महिला को इसमें रहने वाले लोगों पर शक था। महिला ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। ईकोटेक तीन कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

टक्कर मारने के विरोध पर युवती से अभद्रता

ट्रांस हिंडन, एजेंसी। भोपुरा रोड पर स्कूटी सवार युवती की स्कूटी में वहां से जा रहे स्कूटी सवार दो युवकों ने टक्कर मार दी। विरोध करने पर आरोपी युवकों ने युवती के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौच कर दी। युवती ने दोनों आरोपियों की वीडियो बना ली और पुलिस को सौंपते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। नंदग्राम निवासी तान्या कौशिक का कहना है कि वह बीती 19 अगस्त को स्कूटी पर सवार होकर अपने मामा के यहां से लौट रही थी। जैसे ही वह भोपुरा रोड पर पहुंची तो दो युवकों ने लापरवाही से स्कूटी चलाते हुए उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में उसकी स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई और उसे भी चोट लगी। युवती का कहना है कि टक्कर मारने का विरोध करने पर दोनों युवकों ने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग और गाली गलौच की। इतना ही नहीं पुलिस को शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान तानिया ने मोबाइल से दोनों की वीडियो बना लिया। आरोपी युवक धमकी देते हुए फरार हो गए। बाद में तानिया टीला मोड़ थाने पहुंची और पुलिस को वीडियो दिखाते हुए हुए तहरीर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर वीडियो के आधार पर आरोपी युवकों की तलाश शुरू कर दी।

सोशल मीडिया पर अधिवक्ता के परिवार को माफिया बताया, केस दर्ज

गाजियाबाद, एजेंसी। सिविल कोर्ट में प्रेक्टिस करने वाले अधिवक्ता ने दो नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ कविनगर थाने में केस दर्ज कराया है। अधिवक्ता के मुताबिक मुख्य आरोपी ने सोशल मीडिया पर उनके परिवार को भूमाफिया बताते हुए पोस्ट डाली और विरोध करने पर कोर्ट परिसर में आकर उन्हें हत्या की धमकी दी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी। सिविल कोर्ट में प्रेक्टिस करने वाले अधिवक्ता दानिश चौधरी ने कविनगर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 11 अगस्त को मुरादनगर के जलालाबाद गांव निवासी सन्नी ने सोशल मीडियो पर एक पोस्ट डाली और उनके परिवार को भूमाफिया बताया। इतना ही नहीं, सन्नी ने खुद को अधिवक्ता बताकर पोस्ट डाली। जबकि वह गाजियाबाद बार का पंजीकृत सदस्य नहीं है।

अधिवक्ता दानिश चौधरी के मुताबिक 20 अगस्त की दोपहर करीब तीन बजे सन्नी अपने चचेरे भाई अनस तथा दो अज्ञात व्यक्तियों के साथ कोर्ट परिसर में आया। आरोपियों ने उन्हें और उनके दोस्त शुभम पंडित के साथ अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। घटना के संबंध में अधिवक्ता ने कविनगर थाने में शिकायत दी। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

कृषि भूमि दिलाने के नाम पर 48 लाख रुपये ठगे

मुरादनगर, एजेंसी। थानाक्षेत्र के गांव कन्नौजा में कृषि भूमि दिलाने के नाम पर गाजियाबाद के सदरपुर निवासी एक व्यक्ति से 48 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। बैनामा की बात कहने पर पीड़ित के साथ मारपीट भी की गई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजियाबाद के सदरपुर निवासी सचिन कुमार ने बताया कि काफी समय पहले गांव कन्नौजा निवासी रामकिशन से कृषि भूमि का सौंदा 49 लाख रुपए में किया था। गत 19 जनवरी को गाजियाबाद तहसील सदर में एग्रीमेंट किया और 48 लाख रुपए नकद दे दिए और छह माह में बैनामा करने पर बाकी रकम देने की बात तय हुई। सचिन ने बताया कि इसी बीच पता चला कि जमीन का एग्रीमेंट किसी अन्य को कर रखा है। आरोप है कि दस जुलाई को गांव कन्नौजा में मुझे बुलाया गया और वहां पर उनका पूरा परिवार मौजूद था। सभी ने मिलकर मेरे साथ जमकर मारपीट की और लोहे की राड से वार कर सिर फोड़ दिया। मेरी साथी ने मुझे गाजियाबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। मुरादनगर थाने व

फेलिक्स हॉस्पिटल द्वारा मेगा हेल्थ चेकअप कैम्प का सीईओ ने किया उद्घाटन

ऋषि तिवारी

नोएडा। इंदिरा गांधी कला केंद्र, सेक्टर-6 नोएडा में फ्री हेल्थ कैंप और डॉक्टर टॉक (कैंसर जागरुकता) का फेलिक्स हॉस्पिटल और नोएडा एंग्लाइज एसोसिएशन के संयुक्त प्रयास से गुरुवार को आयोजन किया गया और इस शिविर का उद्घाटन नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, आईएएस ने किया है। शिविर में नोएडा प्राधिकरण के लगभग 380 कर्मचारीयों की जांच की गई। शिविर में डॉ. डीके गुप्ता (चेयरमैन, फेलिक्स हॉस्पिटल) के साथ डॉ. रश्मि गुप्ता (मैनेजिंग डायरेक्टर, फेलिक्स हॉस्पिटल) और विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मुफ्त परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं जिनमें हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन, कार्डियोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट, ऑन्कोलॉजिस्ट, फिजिओथेरपिस्ट, ऑथ्लमोलॉजिस्ट और गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट शामिल थे। इसके अलावा, शिविर में मुफ्त बीपी, शुगर, ईसीजी, पीएफटी, वेट-हाइट और बी.एम.आई. जाँच के अलावा विजन टेस्टिंग (मोतियाबिंद एवं काला मोतियाबिंद सहित), बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) टेस्ट की सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने कैंप की सराहना की और कहा हम सभी को स्वस्थ रहने के लिए समय-2 स्वास्थ्य जाँच करानी चाहिए ताकि भविष्य में होने वाली बीमारियों से बच सकें। फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डीके ने बताया है कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय पर सही परामर्श देना है। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में ऐसे और भी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण सलाह दी। शिविर में अउएड आईएएस संजय कुमार खत्री, ओएसडी आईएएस महेंद्र प्रताप सिंह, अउएड आईएएस वंदना त्रिपाठी, अउएड आईएएस सतीश पाल जी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे` इसके अलावा राजकुमार सिंह(अध्यक्ष), जितेंद्र कुमार (महा सचिव), नीरज राना, अमित कुमार (सचिव) एवं सुभाष कुमार कोषाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों ने शिविर की शोभा बड़ाई। इस मौके पर विनोद जोशी जी के साथ डॉ. चिन्मयी अग्रवाल (ऑन्कोलॉजिस्ट), डॉ. जगतजोत सिंह गिल (गेस्ट्रोएन्टेरोलॉजिस्ट), डॉ. अदिति (एंडोडॉंटिस्ट), डॉ. विनय कुमार साहू (ओर्थपेडीक सर्जन), डॉ. सोनाक्षी सक्सेना (जनरल फिजिशियन), डॉ. निदा (डायटीशियन), डॉ. सोनिया(गायनेकोलॉजिस्ट), डॉ. संदीप (फिजियोथेरेपिस्ट), डॉ. शुभम, डॉ. अबुजार एवं अन्य डॉक्टर्स मौजूद रहे।

शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय पर जांच की सुविधा प्रदान करना था, ताकि वे गंभीर बीमारियों से बच सकें। शिविर में आए लोगों ने कहा कि इस तरह के शिविरों से उन्हें आसानी से स्वास्थ्य जाँच एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त होता है, जो कि नियमित स्वास्थ्य सेवाओं की तुलना में अधिक सुलभ और प्रभावी है।

'डीएवी स्कूल सामाजिक कार्यों में हमेशा प्रथम'

ऋषि तिवारी

नोएडा। डीएवी नोएडा सेक्टर 56 स्कूल सामाजिक कार्यों में हमेशा प्रथम रहता है इस बार हमारे स्कूल ने इस सप्ताह बहुत उत्साह के साथ आभार दिवस मनाया है और इस सप्ताह में छात्रों ने दुकानदारों, विक्रेताओं, पुलिस, जवानों, रेहड़ी वालो सोसायटी के गॉर्ड जैसे सहायक लोगों के लिए हस्तनिर्मित बैंड बनाए इंटरैक्ट क्लब और अपने सदस्यों की मदद से आभार दिवस मनाया। स्कूल में यह आखिरी दिन उन लोगों के साथ मनाया जो हमारे स्कूल में ईमानदारी से सेवा कर रहे हैं और हमारे स्कूल को उचित तरीके से चलाने के लिए अलग-अलग काम कर रहे हैं जैसे लेडी गार्ड, चपरासी, बस ड्राइवर, स्वीपर, गार्डनर, छात्रों ने उन्हें अपने द्वारा बनाए गए हैंडबैंड दिए और उनकी सराहना की। इस दिन स्कूल के लिए स्कूल की प्रधानाचार्या चित्रा कांत और इंटरेक्ट क्लब हेड कुमारी गीतू सबरवाल जी ने छात्रों के उत्साह और कड़ी मेहनत की सराहना की, प्रधानाचार्या चित्रा कांत जी ने बड़ी खुशी जताते हुए कहा की बड़ा अच्छा लगता है जान कर कि हमारे छात्र छात्रा मानवता का पाठ ना केवलस्वयं जान रहे है अपितु दूसरों के समक्ष भी एक उदाहरण रख रहे है।

पोस्टमार्टम हाउस पर अश्लील वीडियों प्रसारित होने पर 3 गिरफ्तार, लखनऊ पहुंचा मामला

ऋषि तिवारी

नोएडा। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के अंतर्गत पोस्टमार्टम हाउस पर अश्लील वीडियों प्रसारित होने के प्रकरण पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सीएमओ कार्यालय और इस मामले के बाद अब पुलिस एक्शन में आ गई, इस मामले में एक के बाद एक लगातार 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया और तीनों को कोर्ट के सामने पेश किया जा रहा है। यह मामला काफी शर्मिंदगी भरा है। मामला हाइलाइट होने की वजह से लखनऊ तक आवाज पहुंच गई है। गौतमबुद्ध नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से भी जवाब मांगा गया है। इस मामले में गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने तत्काल मुकदमा दर्ज करवाया था। पुलिस काफी गंभीरता के साथ मामले की जांच कर रही है। नोएडा के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अभी तक भानु

प्रताप, शेर सिंह और परवेन्द्र को गिरफ्तार किया गया है। भानु प्रताप की उम्र 29 साल है और वह मूल रूप से एटा का रहने वाला है। वह नोएडा के सेक्टर-94 में पोस्टमार्टम हाउस के पास रहता है। शेर सिंह की उम्र 39 साल है। वह भी पोस्टमार्टम हाउस के पास रहता है और मूल रूप से जिला अमरोहा का रहने वाला है।

तीसरे आरोपी की उम्र 30 साल है। वह जेवर का रहने वाला है, लेकिन फिलहाल सेक्टर-126 रायपुर में रहता है। तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा-296 बीएनएस, 67 और 67अ क्ळ अउळ के तहत मुकदमा दर्ज हुआ है। करीब 6 मिनट 17 सेकंड की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। यह वीडियो गुरुवार (22 अगस्त) की सुबह करीब 9:00 बजे से वायरल होना शुरू हुई। इस वीडियो को अभी तक 100 से ज्यादा लोगों ने ट्वीट किया है। वीडियो में दिख रहा है कि पोस्टमार्टम हाउस में एक महिला के साथ अज्ञात व्यक्ति शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास कर रहा है। इसी दौरान एक अन्य व्यक्ति इसकी वीडियो बना लेता है। शारीरिक संबंध बनाने वाला व्यक्ति महिला के साथ आपत्तिजनक हालत में दिखाई देता है। वीडियो को वायरल करते वक्त लिखा जा रहा है कि आरोपी व्यक्ति पोस्टमार्टम हाउस में सफाई का काम करता है, जबकि महिला बाहर से बुलाई गई थी। वीडियो में यह भी देखा जा सकता है कि आसपास लाशें बिछी हुई हैं। उसके बावजूद भी इस तरीके की हरकतें वहां पर हो रही है।

भाजपा ने महानगर द्वारा सदस्यता अभियान की जिला कार्यशाला का किया आयोजन

ऋषि तिवारी

नोएडा। भाजपा नोएडा के जिला कार्यालय सेक्टर 116 में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा सदस्यता अभियान की जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला को क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर ने लिया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने की है। क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर ने कहा कि इस सदस्यता अभियान को लेकर हमारी तैयारी व्यापक और प्रभावी रहे, इसके लिए सभी जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारियों को इस अभियान में नए सदस्य बनाने है। इस अभियान को लेकर मंडल एवं मोर्चा स्तर पर भी कार्यशाला होगी। इस अभियान में सांसद को 20 हजार एवं विधायक को 10 हजार व्यक्तिगत नए सदस्य बनाने है। हर बूथ पर 200 सदस्य निगम आयोग बोर्ड के अध्यक्ष को 1000 एवं पदाधिकारियों को भी 500 का लक्ष्य दिया गया सभी मोर्चों एवं विभाग प्रकोष्ठ को भी नए सदस्य बनाने हे। यह अभियान 1 सितम्बर से 25 सितंबर तक सदस्यता अभियान का पहला चरण चलेगा। 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर सदस्यता अभियान द्वितीय चरण चलेगा। 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलेगा। जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि हमें इस अभियान को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचना है ताकि नोएडा का नाम पूरे प्रदेश में सबसे ऊपर आये। 1 नवंबर से 10 नवंबर तक प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता का रजिस्ट्रेशन प्लान भी तैयार किया जायेगा। इस अभियान में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहयोग करेंगे और नोएडा महानगर से नए सदस्य बनाने का रिकॉर्ड बनायेगे सदस्यता अभियान के लिए जिला एवं मंडल बूथ स्तर पर टीम गठित की जायेगी, 5 सितंबर को जिला स्तर पर सदस्यता अभियान के कार्यक्रम का आयोजन होगा उस दिन जिले में सदस्यता अभियान का शुभारंभ हो जावेगा और 17 सितंबर तक सदस्यता का विशेष अभियान चलाया जाएगा।

सेमीकंडक्टर इकाई लगाने के लिए तीन कंपनियों को मंजूरी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर पार्क को विकसित करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। सेक्टर-10 में 100 एकड़ और सेक्टर-28 में 125 एकड़ में सेमीकंडक्टर बनाने के लिए तीन कंपनियों को उत्तर प्रदेश सरकार ने मंजूरी दे दी है। कंपनियों का अनुमोदन अब केंद्र सरकार को भेजा गया है। साथ ही, कंपनियों को भूमि आवंटित करने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि सेमीकंडक्टर यूनिट लगाने के लिए सेक्टर-10 में कीन्स सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड और वामा सुंदरी इंवेस्टमेंट (एचसीएल) ने 50-50 एकड़ और सेक्टर-28 में टार्क कंपनी ने 125 एकड़ भूमि की मांग की थी, जिसे शासन से मंजूरी मिल चुकी है।

कंपनी का निर्माण शुरू करने के लिए केंद्र सरकार के अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है। बताया गया कि 50 एकड़ में वामा कंपनी 13780 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएगी। यह कंपनी प्रति माह 2.40 लाख चिप बनाएगी।

नोएडा की तीनों सीटें जीतने के लिए तैयार रहें कार्यकर्ता : धर्मेंद्र यादव

- सांसद धर्मेंद्र यादव और महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने नोएडा महानगर में की "संविधान मानस्तंभ" की स्थापना, सपा सांसद ने 'भारत बंद' का भी किया समर्थन

सपा सांसद ने उप चुनाव में किया सभी सीटें जीतने का दावा

द न्यूज 15 ब्यूरो

नोएडा। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव धर्मेंद्र यादव ने 2027 विधानसभा चुनाव में नोएडा की तीनों सीटें जीतने के लिए कार्यकताओं से कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस बार पार्टी की नजर नोएडा की तीनों विधानसभा सीटों पर है। धर्मेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश में होने वाले उप चुनाव में सभी सीटें जीतने का भी दावा किया। सपा सांसद ने सभी बातें सेक्टर 33 अग्रसेन भवन में संविधान मानस्तंभ की स्थापना एवं गोष्ठी के कार्यक्रम में कही। इस कार्यक्रम का नेतृत्व महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता और अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष व लोकसभा प्रभारी वीर सिंह यादव की। इस गोष्ठी में धर्मेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने संविधान के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता और राष्ट्रीय महिला सभा की अध्यक्ष जूही सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

नोएडा में आयोजित इस कार्यक्रम में धर्मेंद्र यादव पूरी लय में दिखाई दिए। उन्होंने लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए भाजपा पर भी निशाना साधा और कहा कि पार्टी जनता के समर्थन से आगामी चुनावों में बड़ा उलटफेर करेगी। सांसद ने 'भारत बंद' के समर्थन पर भी खुलकर अपनी राय रखी और कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी तरह से इस बंद का समर्थन करती है। उन्होंने समाज के दबे-कुचले लोगों और दलितों के साथ हो रहे अन्याय पर चिंता जताई और कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा उनके साथ खड़ी रहेगी और उनके हक के लिए संघर्ष करेगी। विशिष्ट अतिथि जूही सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार में महिलाएं अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही है। महिलाओं पर अत्याचार लगातार बढ़ता जा रहा है।

वर्तमान सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। युवा, किसान ,नौजवान सभी परेशान है ।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया और सांसद धर्मेंद्र यादव के विचारों का समर्थन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सचिव जय करण चौधरी व महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में नोएडा महानगर के सभी वरिष्ठ नेता के साथ-साथ सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्ष ,पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

आरक्षण पर आक्रोश: भारत बंद के नाम पर अराजकतत्वों की गुंडागर्दी, जबरन बंद कराए प्रतिष्ठान... लूटपाट का भी आरोप

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में आगरा व्यापार मंडल ने भारत बंद के नाम पर अराजक तत्वों पर गुंडागर्दी और दुकानों में लूटपाट का आरोप लगाया। दुकानें जबरन बंद कराई और व्यापारियों से भी अभद्रता की। पुलिस-प्रशासन पर भी कार्रवाई न करने का आरोप लगाया गया।

अध्यक्ष टीएन अग्रवाल का कहना है कि फुलट्टी, किनारी बाजार, छीपीटोला बाजार समेत कई जगह दुकानों को जबरन बंद कराया। अराजक तत्वों ने दुकानों के शटर पर डंडे और सरिया चलाए। कई जगह लूटपाट भी की। इससे व्यापारी आक्रोशित है, बंदी से पहले व्यापारियों से वार्ता की जाती तो शांतिपूर्वक प्रदर्शन का समर्थन भी किया जाता।

महामंत्री अशोक मंगवानी और कोषाध्यक्ष नीतेश अग्रवाल ने कहा कि बंदी के नाम पर दहशत का माहौल रहा। व्यापारी संगठनों से पूर्व में बैठक कर बंदी के लिए वार्ता करनी चाहिए थी। जय पुरसनानी ने बताया कि अराजक तत्वों ने दुकानें जबरन बंद कराई और व्यापारियों से भी अभद्रता की। पुलिस-प्रशासन से भी मदद नहीं मिली।

कन्हैया लाल राठौड़, राकेश बंसल, रमनलाल गोयल, जयप्रकाश अग्रवाल, भगवान दास बंसल, देवेंद्र दौनेरिया, ब्रजमोहन रैपुरिया, संदीप गुप्ता, राजेश अग्रवाल, राकेश सिंघल आदि ने भी व्यापारियों से अभद्रता की निंदा की।

संभल में दिनदहाड़े हत्या: पत्नी के साथ ससुराल से आ रहे युवक को मारी गोली, बाइक सवारों ने दिया घटना को अंजाम

धनारी(संभल) धनारी थाना क्षेत्र में पत्नी के साथ ससुराल से लौट रहे भगवान सिंह (22) को दिनदहाड़े बाइक सवार तीन युवकों ने गोली मार दी। मुंह पर गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एसपी कुलदीप सिंह गुनावत ने घटना स्थल पर पहुंच लोगों से जानकारी ली।

फॉरेंसिक टीम ने घटना को लेकर साक्ष्य जुटाए हैं। परिजन किसी रंजिश से इनकार कर रहे हैं। शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है। धनारी थाना क्षेत्र के गांव गौरीपुरा गांव के भगवान सिंह दिल्ली में काम करते थे। परिजनों के अनुसार 22 जून को उसकी शादी थाना क्षेत्र के गांव मझोला फतेहपुर से हुई थी।

बृहस्पतिवार को भगवानदास अपनी पत्नी मीरा को ससुराल से दूसरी बार विदा कराकर लौट रहा था। इसी बीच गौरीपुरा गांव के नजदीक पीछे से आए बाइक सवार तीन लोगों ने उसकी बाइक को ओवरटेक कर रोक लिया। इसके बाद तमंचे से मुंह पर गोली मार दी और फरार हो गए।

युवक लहूलुहान होकर सड़क पर गिर गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मीरा की चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास खेत में काम कर रहे लोग दौड़कर पहुंचे। पुलिस को घटना की सूचना दी गई। फॉरेंसिक और पुलिस टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

सूचना पर एसपी मौके पहुंचे और घटना की जानकारी ली। फिलहाल पुलिस ने पंचनामा भर शव पोस्टमार्टम को भेजा है। एसपी गुनावत ने बताया कि युवक की बाइक सवारों ने गोली मारकर हत्या की है। घटना के अनावरण के लिए टीम गठित कर दी गई है।

अलीगढ़ के 20 केंद्रों पर होगी परीक्षा, ऐसे कर सकेंगे अभ्यर्थी बस में निशुल्क यात्रा

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी के लिए सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त को होगी। इसे लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अलीगढ़ में 20 केंद्रों पर परीक्षा होगी।

प्रशासन की ओर से रेलवे और रोडवेज विभाग को अतिरिक्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा के नोडल अधिकारी एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट ने बताया कि जिले के कुल 20 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा होगी। परीक्षा को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस भर्ती परीक्षा का आयोजन प्रतिदिन दो पालियों में होगा। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे व दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक होगी। एक पाली में 8904 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। दस पालियों में 89 हजार परीक्षार्थी भाग लेंगे।

इन केंद्रों पर संपन्न होगी परीक्षा

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज सराय मानसिंह खिरनीगेट, रघुवीर सहाय इंटर कॉलेज खिरनीगेट पुलिस चौकी, बाबूलाल जैन इंटर कॉलेज जैनपुरी खिरनीगेट, हीरालाल बारहसैनी इंटर कॉलेज अचलताल, श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय पुल के नीचे अचलताल, चंपा अग्रवाल कन्या इंटर कॉलेज अचलताल, गोपीराम पालीवाल इंटर कॉलेज द्वारिकापुरी अचलताल, चिरंजीलाल बालिका इंटर कॉलेज आगरा रोड सासनीगेट, श्री माहेश्वर इंटर कॉलेज मथुरा रोड सासनीगेट, नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज घंटाघर, धर्म समाज महाविद्यालय जीटी रोड निकट अचलताल, श्री माहेश्वर गर्ल्स इंटर कॉलेज आगरा रोड मदारगेट, रतन प्रेम डीएवी बालिका इंटर कॉलेज नौरंगाबाद, डीएवी इंटर कॉलेज नौरंगाबाद, उदय सिंह जैन कन्या इंटर कॉलेज, एसएमबी इंटर कॉलेज रामघाट रोड, श्री टीकाराम कन्या इंटर कॉलेज सुपर मार्केट रामघाट रोड, श्री टीकाराम महाविद्यालय रामघाट रोड, जनता इंटर कॉलेज, अनूपशहर रोड छेरत, श्री अग्रसेन इंटर कॉलेज थाना रोड हरदुआगंज।

प्रवेश पत्र दिखाकर कर सकेंगे बस में निशुल्क यात्रा

रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र वर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा व्यवस्था की गई है कि अभ्यर्थियों से बस में सफर के दौरान शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके बदले संबंधित अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश पत्र की छाया प्रति परिचालक को दिखानी होगी।

रुपये लेने के बाद भी शादी में नहीं भेजा बैंड, मामला पहुंचा कोर्ट; केस दर्ज करने के आदेश

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में रुपये लेने के बाद भी शादी में बैंड नहीं भेजने पर युवक ने अमानत में खयानत, धोखाधड़ी व अन्य आरोपों में केस दर्ज कराने के लिए अदालत में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया। एसीजेएम-2 बटेश्वर कुमार ने मलपुरा थानाध्यक्ष को आरोपी प्रिंस बैंड के प्रोपराइटर व अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना के आदेश दिए। न्यू आगरा के नगला बूढ़ी निवासी प्रदीप कुमार ने अदालत में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया। आरोप लगाया कि 28 नवंबर 2023 को उनकी शादी थी। 11 जून 2023 को पिता कैलाश और मामा ने शाहगंज में प्रिंस बैंड 25 हजार रुपये में बुक किया था। एडवांस में 5000 रुपये दिए थे। रसीद उनके पास है। 28 को घुड़चढ़ी के दौरान बैंड नहीं आया। 10 हजार रुपये देकर दूसरा बैंड बुलाना पड़ा। शिकायत करने पर संचालक ने शादी में समय से आने का भरोसा दिलाया। वहां भी नहीं पहुंचा। फोन करने पर प्रोपराइटर और ब्रजेश चौधरी मौके पर पहुंचे।

हड़ताल के 9वें दिन 170 की बजाय 27 सर्जरी, 900 की जगह हुई सिर्फ 139 जांचें, 39 मरीज ही हुए भर्ती

वाराणसी। बीएचयू अस्पताल में रेजिडेंट की हड़ताल से अब मरीजों की मुश्किल बढ़ती जा रही है। ओपीडी से लेकर वार्ड और जांच केंद्र तक जगह-जगह मरीज कहीं स्ट्रेचर पर पड़े हैं तो कहीं व्हील चेयर पर। परिजन चाह कर भी डॉक्टर को नहीं दिखा पा रहे हैं। अस्पताल में चलने वाली करीब 20 ओपीडी में कहीं 100 से 150 तो कहीं इससे भी कम मरीज देखे जा रहे हैं। सर्जरी और जांच का ग्राफ भी नीचे आ गया है। सामान्य दिनों में जहां इमरजेंसी सहित अन्य विभागों के ऑपरेशन थियेटर में कुल मिलाकर करीब 170 सर्जरी होती है, वह बुधवार को छह गुना कम होकर 30 से भी नीचे आ गई है। एक दिन तो 8 और एक दिन 15 सर्जरी ही हो सकी।

उधर, रेडियोलॉजी विभाग में एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एमआरआई आदि को मिलाकर करीब 900 मरीजों की जांच होती हैं, वह भी कम होकर 137 तक आ गई है। इसमें नौ दिन में एक दिन तो केवल 50 जांच ही हो सकी। अगर हड़ताल खत्म नहीं हुई तो मरीजों की मुश्किल कम नहीं हो पाएगी।

कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में महिला डॉक्टर संग दरिंदगी के विरोध में बीएचयू अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर में रेजिडेंट 13 अगस्त से हड़ताल पर हैं। ओपीडी, वार्ड से लेकर जांच केंद्र तक अपनी सेवा नहीं दे रहे हैं। इस कारण हर दिन बड़ी संख्या में मरीजों को बिना इलाज लौटना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी सर्जरी और जांच करवाने वालों को हो रही हैं।

दोपहर 2 बजे ही ओपीडी में पसरा सन्नाटा...बीएचयू में हड़ताल के नौवें दिन ओपीडी में कंसल्टेंट तो बैठे, मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ा। कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, सर्जरी सहित अन्य विभागों में एक ही कंसल्टेंट के भरोसे ओपीडी चली। दोपहर में यहां एक-एक डॉक्टर ही बैठे रहे। मंगलवार को जहां 2395 मरीज देखे गए थे, वहीं बुधवार को 2220 मरीज ओपीडी में आए। दोपहर दो बजे ही ओपीडी में सन्नाटा हो गया।

नाक में नली लगाकर सीटी स्कैन करवाने बैठा रहा मरीज...रॉबर्ट्सगंज निवासी मरीज सुरेश को परिजन सुबह 10 बजे लेकर आए। उसको गले के ऊपरी हिस्से में दर्द था। परिजनों ने बताया कि सुरेश को कुछ भी खाने पीने में ज्यादा तकलीफ हो रही थी। डॉक्टर ने पहले नाक में पाइप लगाकर इसी के रास्ते पानी आदि लिक्विड चीज खिलाने को बताया। सीटी स्कैन करवाने की सलाह भी दी। सुरेश ने बताया कि हड़ताल की वजह से करीब घंटे भर से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा।

एमआरआई करवाने के लिए भी घंटे भर का इंतजार...अस्पताल में बुधवार की दोपहर में एमआरआई के गेट पर अपनी मां को लेकर उसका बेटा स्ट्रेचर पर खड़ा रहा। पूछने पर बताया कि एमआरआई करवाना है। रेजिडेंट के न होने की वजह से अंदर मौजूद लोगों ने जांच में समय लगने की बात कही है।

आगे की डेट भी मिलने की बात बताई गई, इसके बाद निवेदन कर बुधवार को ही एमआरआई करने को कहा, उसमें भी घंटे भर से अधिक इंतजार करना पड़ा।

मायावती ने एसटी आरक्षण में सब कैटेगरी बनाने के फैसले के विरोध में भारत बंद के सफल होने पर दी बधाई

बसपा प्रमुख मायावती जल्द ही हार की करेंगी समीक्षा

लखनऊ। बसपा की मुखिया मायावती ने सुप्रीम कोर्ट के एससी/एसटी आरक्षण के वर्गीकरण व क्रीमीलेयर के निर्णय से उत्पन्न रोष को लेकर कल हुए भारत बंद में बसपा की प्रभावी भागीदारी एवं एकजुटता की अपील से इसके सफल होने की सभी को बधाई दी है, किन्तु कांग्रेस-सपा आदि के इसके प्रति उदासीन रवैये से इनकी जातिवादी सोच को प्रमाणित किया है।

मायावती ने कहा कि कल बंद के दौरान पटना/बिहार में निर्दोष लोगों पर पुलिस की हुई लाठीचार्ज/बर्बरता अति-दुखद व निन्दनीय है। सरकार दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करे और केन्द्र सरकार ह्यभारत बंदह्न के आयोजन के मद्देनजर आरक्षण के मुद्दे की संवेदनशीलता को गंभीरता से लेकर इसका शीघ्र उचित समाधान भी करे।

मायावती ने कहा कि देश में करोड़ों एससी/एसटी वर्गों को आरक्षण के उनके हक को निष्क्रिय/निष्प्रभावी बनाकर अन्ततः उसे खत्म करने की सपा, कांग्रेस व भाजपा आदि के षडयंत्रों से ये लोग कितने अधिक आक्रोशित हैं यह कल के भारत बंद से साबित है। आगे भी उन्हें यह लड़ाई खुद ही अपने बल पर लड़नी होगी तभी सही सफलता मिलेगी।

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा : खाकी पहनने को बेताब महिला शक्ति, 15 लाख आवेदन

लखनऊ। दुनिया के सबसे बड़े पुलिस बल में महिला शक्ति शामिल होने के लिए बेताब है। सिपाही बनकर खाकी पहनने के लिए 15 लाख महिलाओं ने रुचि दिखाई है, जिनमें से करीब 12 हजार का चयन होना है। इसके साथ ही यूपी पुलिस में महिलाओं की संख्या तकरीबन 50 हजार हो जाएगी। इस भर्ती के बाद प्रदेश पुलिस में महिलाओं की 20 फीसदी दावेदारी भी पूरी हो जाएगी। बता दें कि प्रदेश पुलिस में वर्तमान में करीब 37 हजार महिलाएं कार्यरत हैं, जिसमें से 35 हजार नागरिक पुलिस में हैं।

बता दें कि देश भर के पुलिस बल में यदि महिला और पुरुष कर्मियों के अनुपात पर गौर करें तो बिहार पहले स्थान पर है। यूपी में वर्तमान में करीब 12 फीसदी महिलाकर्मी हैं। सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती में महिलाओं के लिए 20 फीसदी आरक्षण का नियम है, जिसके बाद 12 हजार महिलाओं को खाकी पहनने का मौका मिलेगा। इससे प्रदेश पुलिस में महिलाओं की संख्या करीब 50 हजार तक पहुंच जाएगी। वहीं, भर्तियों के बाद यूपी पुलिस बल में महिलाओं का अनुपात भी बढ़ जाएगा। भर्ती प्रक्रिया के संपन्न होने के बाद प्रदेश पुलिस में महिलाओं का अनुपात करीब 12 फीसदी से बढ़कर 15 फीसदी हो जाएगा। वहीं पीएसी में तीन महिला वाहिनियों के लिए होने वाली भर्तियों के बाद यह अनुपात 20 फीसदी तक हो जाएगा।

एक पद के 83 उम्मीदवार...पुलिस भर्ती बोर्ड को सिपाही सीधी भर्ती के लिए करीब 48 लाख आवेदन मिले हैं। सिपाही के एक पद के लिए करीब 83 दावेदार हैं। आवेदन करने वालों में करीब 35 लाख पुरुष व 15 लाख महिलाएं हैं। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं ने पुलिस का हिस्सा बनने के लिए आवेदन किया है। महिला सिपाही के एक पद के लिए 125 दावेदार हैं।

पानी लेने के दौरान महिला से मारपीट के मामले में पीड़िता से मिला सपा का प्रतिनिधिमंडल

बांदा। बांदा जिले के सिकहुला गांव में एक महिला को पानी लेने से मना करते हुए उसके साथ मारपीट की गई थी। इस मामले की रिपोर्ट जसपुरा थाने में दर्ज है। सपा मुखिया ने मामले का संज्ञान लेते हुए एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को सिकहुला गांव भेजा और पीड़िता से मिलकर हकीकत जानी।

मालुम हो कि सिकहुला गांव निवासी सीता देवी पत्नी पुत्तू सोनकर अपने खेत में मजदूर लेकर धान की पौध रोपाई कर रही थी। दोपहर के समय प्त्रयास लगने की वजह से पास ही स्थित राजेंद्र सिंह उर्फ बड़ेलाला के निजी ट्यूबवेल में पानी पीने के लिए गई। ट्यूबवेल की चरही पर रखा लोटा जैसे ही पानी लेने के लिए उठाया, वैसे ही राजेंद्र सिंह और उसका पुत्र जितेंद्र उर्फ बउवा वहां पहुंचे और अभद्रता करने लगे और मारपीट की। पास में मौजूद कुछ लोगों ने मौके पर पहुंचकर बचाया। पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल ने पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल का गठन करते हुए पीड़िता के घर भेजा। प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को मामले की हकीकत जानी। प्रतिनिधिम मंडल में राष्ट्रीय महासचिव विशंभर प्रसाद निषाद, सांसद हमीरपुर अजेंद्र सिंह लोधी के पुत्र, डॉ. रागनी सोनकर विधायक मछली शहर, डा. मधुसूदन कुशवाहा, प्रमोद निषाद विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष तिंदवारी समेत जिले के बांदा, हमीरपुर, महोबा, कानपुर देहात के साथ-साथ प्रदेश के कई जनपदों के पदाधिकारी शामिल रहे। राष्ट्रीय महासचिव विशंभर प्रसाद निषाद ने बताया कि उन लोगो ने पीड़िता से जानकारी हासिल की है, वह राष्ट्रीय अध्यक्ष को बताएंगे।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी मोईद खान के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर चला बुलडोजर

अयोध्या। अयोध्या जिले में भदरसा कस्बे में नाबालिग बच्ची के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म को लेकर योगी सरकार पूरे एक्शन में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े फरमान के बाद जिला प्रशासन ने घटना के मुख्य आरोपी सपा नेता मोईद खान के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि व तालाब पर बनाए गए मल्टी कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात तक आरोपी का आधा साम्राज्य ढहा दिया जाएगा। इससे पहले तहसील प्रशासन की जांच मे आरोपी की बेकरी तालाब की भूमि पर पाए जाने के बाद तहसील प्रशासन ने बेकरी निर्माण इकाई पर बुलडोजर चलवाकर उसे ध्वस्त करा दिया था।

अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र सिंह ने बताया कि इस बिल्डिंग का निर्माण अवैध ढंग से तालाब की जमीन पर और चकरोड की जमीन पर कब्जा करके किया गया था। विकास प्राधिकरण के द्वारा पूर्व में कई बार नोटिस दी जा चुकी थी। उसके बाद उनके द्वारा मानचित्र नहीं दाखिल किया गया। न तो किसी प्रकार की रुचि ही दिखाई गई। इसके ध्वस्तीकरण का आदेश जून में ही पारित कर दिया गया था। इस आदेश का तामीला कराते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को एक्टिवेट कराया गया है। एसडीएम के द्वारा आगे जांच की जा रही है, आगे भी जो अवैध संपत्ति पाई जाएगी उस पर भी कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या सीओ आशुतोष मिश्रा ने बताया की सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया है। बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद है। आवश्यकता अनुसार ट्रैफिक को भी डायवर्ट किया गया है।

नर्स से दरिंदगी: लाइसेंस में आरोपी शहनवाज डॉक्टर नहीं सिर्फ अस्पताल का मालिक, आशा वर्कर पर गिरेगी गाज

मुरादाबाद। ठाकुरद्वारा में नर्स से दुष्कर्म के आरोपी डॉ. शहनवाज के अस्पताल के लाइसेंस और डिग्री की जांच स्वास्थ्य विभाग कर रहा है। अस्पताल के लाइसेंस में खुद को डॉक्टर नहीं, मालिक दशार्या है। इसी कारण उसकी डिग्री भी सवालों के घेरे में आ गई है।

डीएम अनुज सिंह ने बताया कि नर्स के साथ दुष्कर्म की घटना के बाद सीएमओ को उसकी डिग्री और अस्पताल के लाइसेंस की जांच करने के निर्देश दिए गए। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उसने लाइसेंस में खुद को अस्पताल का मालिक दशार्या है। लाइसेंस में लिखा है कि उसके अस्पताल में दो अन्य डॉक्टर तैनात हैं। उन डॉक्टरों के बारे में भी सीएमओ की टीम जानकारी इकट्ठा कर रही है। अभी तक प्रतीत हो रहा है कि डॉक्टर के पास डिग्री नहीं है। आरोपी डॉक्टर की बीयूएमएस डिग्री भी अभी तक किसी संस्था से प्रमाणित नहीं हुई है।

समझा जा रहा है कि डिग्री में भी गड़बड़ी है। मुकदमे में आरोपी आशा कार्यकर्ता मेहनाज को भी नोटिस जारी किया गया है। शीघ्र ही उसे नौकरी से हटाया जाएगा। इस मामले में किसी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रत्येक बिंदुओं पर जांच चल रही है।इधर ठाकुरद्वारा की एसडीएम मनी अरोरा ने बताया कि जांच करने पर पता चला कि शहनवाज किराए के कमरों में अस्पताल चलाता था। पुलिस की विवेचना में भी नए तथ्य आने की संभावना है।

निजी अस्पतालों के संपर्क में रहने वाली आशा वर्करों की होगी जांच...एबीएम अस्पताल में स्टाफ नर्स से दुष्कर्म के मामले में स्वास्थ्य विभाग की आशा मेहनाज भी आरोपी है। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है। विभागीय छवि खराब होने के कारण अब अधिकारी ऐसी आशाओं के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी में हैं, जो निजी अस्पतालों के संपर्क में रहती हैं। हाल में ऐसी 167 आशाओं को सीएमओ की ओर से नोटिस भी जारी किया गया है। इन आशाओं में पूरे साल में सरकारी अस्पतालों में सिर्फ एक या दो महिलाओं का प्रसव कराया है। कुछ का रिकॉर्ड शून्य पर ही अटका है। इन सब के खिलाफ विभाग सख्ती बरत रहा है।

नवाब सिंह के खिलाफ एक्शन में प्रशासन रिश्तेदार के कोल्ड स्टोर पर गरजा बुलडोजर

कन्नौज। कन्नौज जिले में दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह के प्रकरण में प्रशासन ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख की संपत्ति के साथ रिश्तेदारों को भी घेरे में ले लिया है। इसी क्रम में नवाब सिंह के छोटे भाई नीलू यादव के साले के कोल्ड स्टोर पर बुलडोजर चलाया गया है।

जानकारी के अनुसार, ठठिया थाना क्षेत्र के बलनापुर गांव में नवाब सिंह के छोटे भाई नीलू यादव के साले कानपुर जनपद के बिठूर गांव निवासी अरविंद कुमार का कोल्ड स्टोर है। मामले के बाद तहसील प्रशासन ने कोल्ड स्टोर के निर्माण को लेकर जमीन की जांच की, तो पता चला कि कोल्ड स्टोर की बाउंड्रीवाल का निर्माण ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाया गया है।

इस अवैध कब्जे को हटाने के लिए कई बार कहा गया था, लेकिन अभी तक उसे नहीं हटाया गया। एसडीएम ने अरविंद को सात दिन के अंदर अवैध कब्जा हटाने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम अशोक कुमार ने बताया कि नोटिस के बाद भी यदि कोल्ड स्टोर की बाउंड्री नहीं गिराई गई, तो उसे प्रशासन हटवा देगा और उसमें आने वाला खर्चा शीतगृह स्वामी से वसूल किया जाएगा।

प्रशासन तैयार कर रहा नवाब सिंह की संपत्तियों का खाका

किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में फंसे पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव और उनके परिवारीजनों की संपत्तियों का खाका प्रशासन तैयार कर रहा है। एसडीएम सदर और तिर्वा एसडीएम भी इस मामले में लेखपालों के माध्यम से जांच करवा रहे हैं। इसके अलावा जिले से बाहर कई शहरों में उसकी संपत्तियों का पता चला है, जिसके बारे में प्रशासन जानकारी एकत्र कर रहा है।

सदर और तिर्वा एसडीएम लेखपालों के माध्यम से करवा रहे जांच...आरोपी नवाब सिंह यादव के पास करोड़ों की संपत्ति है। इसकी जांच के लिए सदर एसडीएम रामकेश सिंह ने नायब तहसीलदार हिमांशु प्रभाकर के नेतृत्व में एक टीम बनाई है, जो सूची तैयार कर रही है। एसडीएम ने बताया कि मौसम खराब होने की वजह से कई लेखपाल भौतिक सत्यापन के लिए मौके पर नहीं पहुंच सके हैं।

जिले से बाहर संपत्तियों के बारे में की जा रही जानकारी...उन्होंने राजस्व निरीक्षक अरुण तिवारी को साक्ष्यों के साथ नवाब सिंह यादव की प्रापर्टी का विवरण पेश करने के निर्देश दिए हैं। तिर्वा एसडीएम ने ग्राम समाज की जमीन पर बने कोल्ड स्टोरेज पर नोटिस चस्पा कर दिया है। इसके अलावा उस क्षेत्र में अन्य संपत्तियों की भी जांच की जा रही है।

69000 शिक्षक भर्ती मामला: आमने-सामने आए आरक्षित-अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी

लखनऊ 69000 शिक्षक भर्ती मामले ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद जहां एक तरफ आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी नई सूची जारी करने की मांग को लेकर बेसिक शिक्षा निदेशालय में बैठ गए हैं तो वहीं दूसरी तरफ अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने धरना देना शुरू कर दिया। उनका कहना है कि उनको योग्यता पर नौकरी मिली है किसी की खैरात पर नहीं। बेसिक शिक्षा निदेशालय में यह दोनों गुट धरना दे रहे हैं। इस बीच निदेशालय के दोनों गेट बंद किए गए। दोनों वर्ग के अभ्यर्थी आमने सामने हैं। पुलिस बीच में बैठी है। किसी भी प्रकार के टकराव को रोकने के लिए भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद है। अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी सीएम की तस्वीर के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी... 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल करने की सूचना मिल रही है। वह कैंडीडेट जल्द सूची जारी करने की मांग के साथ कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

कैंपस में गूंजे नारे....अनारक्षित के साथ आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने भी धरना देना शुरू कर दिया। धरना स्थल से न्याय दो, न्याय दो, वी वांट जस्टिस, वी वांट जस्टिस के नारों से परिसर गूंजरा रहा। एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम जय श्री राम। न्याय दो न्याय दो

देर रात धरना स्थल से उठाए गए और सुबह फिर पहुंचे अभ्यर्थी...निशातगंज स्थित बेसिक शिक्षा निदेशालय के बाहर मंगलवार से 69 हजार शिक्षक अभ्यर्थियों का धरना जारी है। अभ्यर्थी अपनी मांगों के समर्थन में देर रात तक धरने पर बैठे रहे। बारिश व अन्य समस्याओं को देखते हुए पुलिस ने सख्ती की। बस से सभी को बादशाह नगर स्टेशन पहुंचाया, जहां अभ्यर्थी रात भर रहे। वहीं सुबह फिर से अभ्यर्थी धरना स्थल पर पहुंच गए। अभ्यर्थियों की मांग है कि उन्हें शांतिपूर्ण धरना करने दिया जाए।

हालांकि देर शाम अभ्यर्थियों ने शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा से मुलाकात की। उन्होंने शासन के निदेर्शानुसार समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने का आश्वासन दिया है। अभ्यर्थियों ने कहा कि कोर्ट ने 69 हजार शिक्षक भर्ती मूल चयन सूची रद्द करते हुए सरकार को तीन महीने के अंदर आरक्षण नियमों का पालन करते हुए नई सूची जारी करने का आदेश दिया है। लेकिन, सरकार ने अभी तक कोई काम शुरू नहीं किया है केवल एक मीटिंग की है। हमारी मांग है कि चयन संबंधित प्रक्रिया का कार्यक्रम शेड्यूल जारी करें।

मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर-हाजीपुर निमार्णाधीन बाईपास का किया निरीक्षण

तेजी से निर्माण कार्य कराने का दिया निर्देश, नये थाना भवन का किया उद्घाटन

पटना/मुजफ्फरपुर।

दीपक कुमार तिवारी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुजफ्फरपुर में मुजफ्फरपुर-हाजीपुर फोरलेन के निमार्णाधीन बाईपास एन.एच. 77 का निरीक्षण किया। एन. एच. 77 के हाजीपुर-मुजफ्फरपुर खंड के पकड़ी-पताही में निमार्णाधीन बाईपास का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के पश्चात मुख्यमंत्री ने परियोजना कार्य की समीक्षा की। इस दौरान पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से फोरलेन के निर्माण की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में ही मुजफ्फरपुर-हाजीपुर बाईपास के निर्माण का फैसला लिया गया था लेकिन जमीन अधिग्रहण सहित अन्य समस्याओं के कारण वर्ष 2012 से इस पर काम शुरू हुआ। इस फोरलेन के बचे हुए निर्माण कार्य को नवंबर तक पूर्ण करा लिया

जाएगा। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बचे हुए कार्यों को तेजी से पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर में लगभग 17 किलोमीटर बाईपास के निर्माण से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी तथा एक जगह से दूसरी जगह आने-जाने में काफी कम समय लगेगा। इस पथ से गोपालगंज होकर उत्तर प्रदेश जानेवाले लोगों को सुविधा होगी।

सीतामढ़ी से सोनवर्षा जाना भी आसान हो जाएगा। साथ ही पटना-मुजफ्फरपुर को ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के फोरलेन की भी कनेक्टिविटी मिलेगी। मुजफ्फरपुर के लोगों को जाम से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके निर्माण से पटना से नेपाल जाना भी आसान हो जाएगा। मझौली से नेपाल को जोड़नेवाली सड़क एन0एच0 527-सी से भी आनेवाले वाहनों के लिए पटना आना-जाना आसान हो जाएगा।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने सकरी-सरैया में निमार्णाधीन तुर्की थाना भवन का निरीक्षण किया। तुर्की थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 15.03 करोड़ रुपये की लागत से मुजफ्फरपुर जिला के मॉडल थाना भवन जजुआर, मॉडल थाना भवन हत्था एवं एस०सी० एस०टी० विशेष थाना भवन का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। साथ ही 32.76 करोड़ रुपये की लागत से 6 थाना भवन सहित 7 पुलिस भवनों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने 'जल-जीवन-हरियाली' अभियान के अन्तर्गत तुर्की थाना, कथैया थाना, रामपुर हरि थाना, पानापुर थाना, मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत महिला थाना, बेनीबाद थाना तथा बेला थाना में ग्रिड कनेक्टेड रूफ टॉप सोलर पॉवर प्लांट का भी शिलान्यास किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल प्रदान किया। साथ ही 1479 सतत जीविकोपार्जन योजना से जुड़े लाभार्थियों को 6 करोड़ 95 लाख रुपये का सांकेतिक चेक तथा विवाह प्रोत्साहन योजना के लाभार्थियों को भी सांकेतिक चेक प्रदान किया। इस दौरान पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता भी थे।

नीतीश कुमार भ्रष्टाचार और अपराध के पितामह, चढ़ावा लेकर होती है ट्रांसफर-पोस्टिंग: तेजस्वी यादव

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान बिहार के मुख?यमंत्री नीतीश कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन?होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर एक बड़ा खुलासा भी किया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के चमचे बेलचे एसपी और डीआईजी की ट्रांसफर पोस्टिंग कर रहे हैं। उन्होंने बिहार सरकार पर यह गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां पैसों का लेनदेन हो रहा है। इसी के बल पर ट्रांसफर पोस्टिंग हो रही है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि जब ट्रांसफर और पोस्टिंग पैसे के बल पर होगी तो ऐसे में बिहार में अपराध कैसे कम होगा? तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार में डीजीपी की कुछ भी नहीं चलती है। उनके हाथ में कुछ भी नहीं है और मुख?यमंत्री नीतीश कुमार के चमचे बेलचे ट्रांसफर पोस्टिंग करवाते हैं। तेजस्वी यादव ने बिहार के बढ़े हुए क्राइम को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि आज लोगों को

घर में घुसकर मारा जा रहा है। आज बिहार में कोई भी सुरक्षित नहीं है। व्यवसाइयों की हत्या की जा रही है, रेप हो रहा है अपहरण हो रही है। लेकिन इन लोगों ने आंखों में पट्टी बांध ली है। तेजस्वी यादव ने कहा कि 15 साल पहले या 50 साल पहले बिहार में क?या हो रहा है, उससे जनता को मतलब नहीं है। उन्होंने कहा आज बिहार की जनता ये जानना चाहती है कि आज के हालात क्या हैं। उन्होंने यह बात उस बयान को लेकर पूछे गए सवाल पर दिया, जिसमें बिहार के मुख?यमंत्री और बिहार सरकार के नेता यह आरोप लगाते रहे हैं कि बिहार में 15 साल पहले 2005 से पहले क्या था। तेजस्वी यादव ने कहा कि आज पुलिस अपराधियों को पकड़ नहीं पा रही है। जहां भी हत्याएं हो रही हैं, वहां पुलिस अपराधियों को पकड़ने में फेल साबित हो रही है। उन्होंने हाजीपुर की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आज घरों में घुसकर बम फेंके जा रहे हैं और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर पा रही है।

तेजस्वी यादव ने यह आरोप लगाया कि जब तक बिहार सरकार में चमचे बेलचे ट्रांसफर पोस्टिंग करेंगे तब तक कुछ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हैं जो मुख्यमंत्री के चमचे बेलचे हैं जो चढ़ावा लेकर ट्रांसफर पोस्टिंग करते हैं। ऐसे में हम पुलिस से क?या उम्मीद कर सकते हैं। यदि पैसे के बल पर ट्रांसफर पोस्टिंग होती रहे तो कैसे कार्रवाई होगी?

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हम लगातार बिहार के बड़े हुए अपराध को लेकर बुलेटिन जारी कर रहे हैं, लेकिन बिहार सरकार के एक भी मंत्री नेता ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार सरकार के किसी मंत्री ने में रेगुलेटिंग पर कोई ध्यान नहीं दिया और ना ही यह भरोसा जताया कि बिहार के लोग सुरक्षित हैं।

उन्होंने सत्ता पक्ष पर सवाल उठाते हुए यह भी कहा कि सरकार के कोई मंत्री नेता पीड़ित परिवारों से मिलने भी नहीं गए। बिहार की जनता को इन लोगों ने छोड़ दिया है और बिहार की जनता इन चीजों को देख रही हैउन्होंने कहा यह मामूली बात नहीं हैकि अपराधी घर में घुसकर लोगों को मार रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में राक्षस राज स्थापित हो गया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार भ्रष्टाचार और अपराध के पितामह बन गए हैं।

मोहिउद्दीननगर: प्रखंड मुख्यालय पर भाकपा-माले कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

बीडीओ ने मांग पत्र लेने से किया इंकार, सीओ को नेताओं ने सौंपा मांग पत्र

समस्तीपुर/मोहिउद्दीननगर।

दीपक तिवारी। हक दो-वादा निभाओं अभियान के तहत भाकपा-माले के सैकड़ों कार्यकताओं ने आज मोहिउद्दीननगर प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद सभी कार्यकर्ता धरना पर बैठ गए। इस दौरान आयोजित सभा की अध्यक्षता पार्टी प्रखंड सचिव रामपुकार महतो व संचालन जिला कमिटी सदस्य ब्रजविलास राय ने की। इसमें बतौर मुख्य वक्ता भाकपा-माले जिला सचिव प्रो. उमेश कुमार व भाकपा-माले के जिला स्थायी समिति सदस्य सह पूसा प्रखंड सचिव अमित कुमार उपस्थित थे।

■ मोहिउद्दीननगर बीडीओ की तानाशाही के खिलाफ होगा आंदोलन, कल बीडीओ का पुतला दहन करेगी भाकपा-माले : प्रो. उमेश

■ 95 लाख महागरीब परिवारों के लिए 2 लाख रुपये की सहायता राशि की घोषणा जुमला : अमित

इस दौरान कार्यकताओं ने 95 लाख महागरीब परिवारों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि अविलंब देने, भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल आवासीय जमीन देने, सबको पक्का मकान व 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने, मनरेगा में लूट-खसोट व फर्जी निकासी पर रोक लगाने, मजदूरों को 200 दिन काम व 600 रुपए दैनिक मजदूरी देने, क्षेत्र में बढ़ते अपराध पर रोक लगाने, सभी परिवारों को नल जल योजना का लाभ देने, किसानों को कृषि हेतु खाद्य, बीज, कीटनाशक आदि सस्ते दर पर उपलब्ध कराने, पहले से चिन्हित जगह पर करीमनगर पंचायत के अंदर बिहार सरकार का भवन बनाने, स्मार्ट मीटर योजना वापस लेने, आँगनबाड़ी व राशन- किरासन वितरण में गड़बड़ी पर रोक लगाने, जरूरतमंदों को पशु शेड का लाभ लेने, शौचालय निर्माण की लंबित राशि का भुगतान शीघ्र करने, एमएसपी की गारंटी, सिंचाई साधन, कृषि विकास, रोजगार, पलायन, शिक्षा-स्वास्थ्य, सड़क, ग्रामीण विकास, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने, 65 प्रतिशत आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालने की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा-माले जिला सचिव प्रो. उमेश कुमार ने कहा कि मोहिउद्दीननगर बीडीओ की तानाशाही चरम पर है। राजव्यापी कार्यक्रम के तहत समस्तीपुर डीएम को लिखित सूचना पूर्व में दे दी गई थी कि जिले के सभी प्रखंडों में तिथिवार धरना-प्रदर्शन किया जाएगा लेकिन इसके बावजूद भाकपा-माले नेताओं ने जब बीडीओ को मांग पत्र सौंपने गए तो बीडीओ ने कहा कि बिना परमिशन के मांग पत्र नहीं लेंगे।

भाकपा-माले जिला सचिव प्रो उमेश कुमार ने कहा है कि बीडीओ की मनमानी व तानाशाही की शिकायत डीएम से मिलकर करेंगें तथा बीडीओ के खिलाफ भाकपा-माले आंदोलन करेगी। कल बीडीओ का पुतला दहन किया जाएगा।

भाकपा-माले के जिला स्थायी समिति सदस्य सह पूसा प्रखंड सचिव अमित कुमार ने कहा कि बिहार में सामाजिक-आर्थिक सर्वे के मुताबिक 95 लाख परिवार गरीब नहीं बल्कि महागरीब हैं, जिनकी मासिक आमदनी 6000 रुपए से भी कम है। बिहार विधानसभा के भीतर मुख्यमंत्री के द्वारा तकरीबन 95 लाख गरीब परिवारों के लिए 2 लाख रु. सहायता राशि की घोषणा की गई। इसके आवेदन के लिए 72000 रु. से नीचे का आय प्रमाण पत्र चाहिए, लेकिन एक लाख रुपये से नीचे का आय प्रमाण पत्र प्रखंड प्रशासन के द्वारा नहीं दिया जा रहा है।

ऐस में महागरीब परिवार आवेदन ही नहीं कर सकते। मोदी सरकार के 15 लाख रुपये के जुमले की तरह इसे कोई दूसरा जुमला नहीं बनने देंगे। 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण पत्र प्रखंड प्रशासन को निर्गत करना ही होगा। मौके पर सुरेश दास, ऐपवा नेत्री नीलम देवी, भरत महतो, रामकुमार सिंह, अमरेश सिंह ललित कुमार आदि मौजूद थे।

आरजेडी को तगड़ा झटका

दलित नेता श्याम रजक का इस्तीफा, लालू यादव से परेशान होने का किया इशारा

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के बड़े नेता श्याम रजक ने पार्टी और अपनी प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। श्याम रजक ने अपने इस्तीफे में व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने कहा है कि वह राजद की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे रहे हैं। श्याम रजक ने अपने इस्तीफे में पार्टी छोड़ने के अपने कारणों के बारे में विस्तार से बताया है, हालाँकि उन्होंने अपने आगे के कदमों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। राजद में राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण पद पर रह चुके श्याम रजक का जाना पार्टी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता उनके इस फैसले से हैरान हैं। देखना होगा कि श्याम रजक के जाने से राजद पर क्या असर पड़ता है। 'वह

राजद की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे रहे हैं।' इसके अलावा, उन्होंने अपने इस्तीफे में अपनी भावनाओं को शायराना अंदाज में भी व्यक्त किया है। श्याम रजक ने लिखा- 'मैं शतरंज का खिलाड़ी नहीं था, इसीलिए धोखे खा गया।

आप मोहरे चलते रहे, मैं रिश्तेदारी निभाता रहा।' श्याम रजक कि इस शायरी ने राजनीतिक सवाल खड़े किए हैं। अब बताते चलें कि लंबे समय से श्याम रजक राजद के साथ बने हुए हैं। लेकिन पार्टी के भीतर एक गुमनाम नेता की तरह। पिछड़े और वंचित समाज की राजनीति करने वाले नेता श्याम रजक ने राजद के भीतर चलने वाली राजनीति की तरफ भी इशारा किया है।

उन्होंने शायराना अंदाज में यह बात जाता दी है कि वह लालू प्रसाद यादव की के राजनीतिक फैसलों की वजह से अलग हो रहे हैं। माना यह जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव ने श्याम रजक को केवल मोहरे की तरह प्रयोग किया। वही श्याम रजक का कहना यह है कि वह लालू प्रसाद यादव की पार्टी में रिश्तेदारी निभा रहे थे।

हैलो! 'मैं अध्योध्या को बम से उड़ा दूंगा', फोन पर धमकी देने वाला शख्स जमुई से गिरफ्तार

संवाददाता।

पटना/जमुई। आयोध्या को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले शख्स को पुलिस ने जमुई से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार शख्स से कड़ी पूछताछ की जा रही है। हालांकि गिरफ्तार शख्स मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है, जो खैरा थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। मामले को लेकर यूपी के आयोध्या जिला के कैंट थाना के एसआई राजेश कुमार और कांस्टेबल राजेश यादव गुरुवार को खैरा थाना पहुंचे और आरोपित विक्षिप्त से धमकी देने मामले की जानकारी लेने की कोशिश की जा रही है, लेकिन मानसिक संतुलन बिगड़े होने की वजह से वह कुछ बताने में असमर्थ है।

कैंट थाना के एसआई राजेश कुमार ने बताया कि 20 अगस्त को कैंट इलाके के रहने वाले प्रवीण कुमार पांडेय के मोबाइल पर एक नंबर से फोन किया गया था। फोन करने के दौरान अचानक गाली-गलौज किया जाने लगा और आयोध्या को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। मामले में 21 अगस्त को कैंट थाना में अप्राथमिकी दर्ज की गई थी। उंसके बाद वेलोग खैरा पहुंचे हैं। प्रशिक्षु डीएसपी सह खैरा थानाध्यक्ष दुर्गेश दीपक ने बताया कि 21 अगस्त को आयोध्या के कैंट थाना की पुलिस की ओर से एसपी डॉक्टर शौर्य सुमन को सूचना दी गई थी कि एक मोबाइल नंबर से कैंट इलाके के प्रवीण कुमार पांडेय नामक व्यक्ति को फोन कर आयोध्या उड़ाने की धमकी दी गई है। उसके बाद एसपी डाक्टर शौर्य सुमन के निर्देश पर उनके नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। उसके बाद तकनीकी अनुसंधान के तहत उक्त मोबाइल नंबर का लोकेशन पता किया गया जो खैरा थाना क्षेत्र का पाया गया।

इस दौरान छापेमारी कर उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया लेकिन उक्त व्यक्ति मानसिक तौर पर विक्षिप्त निकला, जो कुछ बताने में असमर्थ हैं, लेकिन उससे पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बेतिया: शराब माफियाओं ने बिहार पुलिस को लाठी-डंडों से दौड़ाकर पीटा, जब्त दारू भी छीनकर भागे

संवाददाता।

पटना/बेतिया। बिहार में शराब माफियाओं का आतंक एक बार फिर देखने को मिला है। नौतन में अवैध शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की टीम पर शराब तस्करों ने हमला कर दिया। इस हमले में छह पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं, जिनका इलाज बेतिया ऋ्टउ में चल रहा है। बताया जा रहा है कि शराब माफियाओं ने पुलिस टीम को घेरकर उन पर पथराव किया और लाठी-डंडों से पीटा।

घटना गुरुवार सुबह की है जब उत्पाद विभाग की टीम को नौतन में अवैध शराब की बड़ी खेप होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम तुरंत कार्रवाई करते हुए नौतन पहुंची और छापेमारी शुरू कर दी। लेकिन तभी वहां पहले से मौजूद शराब माफियाओं ने टीम को घेर लिया और उन पर हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि, 'पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया है।' इस हमले में करीब छह पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, 'जिनका इलाज जीएमसीएच में किया जा रहा है।'

इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। उत्पाद अधीक्षक ने तुरंत ही दूसरी टीम को मौके पर भेजा। हालांकि, दूसरी टीम के पहुंचने से पहले ही कई हमलावर गांव छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस ने बताया है कि इस मामले में शामिल सभी आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि शराब माफियाओं ने पुलिस द्वारा जब्त की गई शराब की खेप भी लूट ली है। यह घटना एक बार फिर बिहार में शराब माफियाओं के बढ़ते हौसले को दशार्ती है। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है।

बिहार में वाहन रजिस्ट्रेशन शुल्क में भारी कमी

आखिर नीतीश सरकार को क्यों लेना पड़ा फैसला, मंत्री ने बताया

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में वाहनों के रजिस्ट्रेशन शुल्क में भारी कमी की गई है। इसकी वजह से अब लोगों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क और कॉमर्शियल वाहनों के परमिट शुल्क में काफी कमी हुई है। इस भारी कटौती की वजह से बिहार में छोटे और मध्यम कमर्शियल वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। बिहार के परिवहन मंत्री शीला मंडल ने सरकार की ओर से लिए गए इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि अब लोगों को मोटर बाइक पर 1650 की बजाए 1150 रुपए देने पड़ेंगे। वहीं, ऑटो रिक्शा 5650 की जगह मात्र 1150 रुपए में परमिट शुल्क पा सकेंगे। कैब कार 5 से 7 सीटर वालों को

23650 की जगह 4150 रुपए देने पड़ेंगे। मिनी बस, जिसमें 13 से 23 लोगों के बैठने की क्षमता है, उसमें भी 23650 रुपए की बजाय मात्र 7150 देने पड़ेंगे। शीला मंडल ने कहा कि बिहार में लंबे समय से इस बात की मांग चल रही थी कि वाहनों पर लगने वाला रजिस्ट्रेशन और परमिट शुल्क कम किया जाए।

इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी सहमति जताते हुए ये फैसला लिया है। शीला मंडल ने कहा कि इससे बिहार में ऑटो रिक्शा के जरिए कमाई करने वाले लोगों को आसानी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि रोजगार के ये साधन थोड़े सस्ते हो पाएंगे। जिससे लोगों को सहूलियतें होंगी। ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर शीला मंडल ने कहा कि परमिट शुल्क में संशोधन किए जाने के बाद पर्सनल गाड़ियों का भी व्यावसायिक प्रयोग किया जा सकेगा। कमर्शियल में परिवर्तित करना आसान होगा। उन्होंने कहा कि ओला-उबर-रैपिडो समेत अन्य दूसरी कंपनियों को भी इसका फायदा मिलेगा।

बिहार के लोगों को सस्ती और अच्छी सुविधा मिल सकेगी। रजिस्ट्रेशन शुल्क कम होने से किसानों और कारोबारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। इससे अधिक से अधिक राजस्व की भी प्राप्ति होगी। निकट भविष्य में इसका लाभ सभी लोगों को देखने को मिलेगा। रजिस्ट्रेशन शुल्क घटने के बाद बाहरी रजिस्ट्रेशन भी अधिक होगा।

फंस गए सरकारी टीचर, पत्नी गई मायके तो प्रेमिका से इश्क लड़ाने पहुंचे, ग्रामीणों ने करवा दी शादी

संवाददाता।

पटना/पूर्णिया। रात को प्रेमिका से मिलने उसके घर जाना टीचर को भारी पड़ गया। सरकारी टीचर को लड़की के साथ लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। हंगामे के बीच दोनों की शादी पास के ही मंदिर में ले जाकर करा दी गई। ग्रामीण ये बात जानते थे कि टीचर पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। पूरा मामला के. नगर थाना क्षेत्र के परोरा पंचायत के वार्ड- 8 के बेलघट्टी गांव के आदिवासी टोला का है। शादीशुदा टीचर का अफेयर इसी गांव के आदिवासी टोला की रहने वाली सबिता कुमारी से चल रहा था। लड़की से मिलने गए टीचर को ग्रामीणों ने रंगे हाथों पकड़ लिया।

पूरे घटनाक्रम को ग्रामीणों ने कैमरे में कैद कर लिया, जो बाद में सोशल मीडियो पर वायरल हो गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि टीचर भगवान भोलेनाथ के मंदिर में लड़की की मांग में सिंदूर भरता दिखाई दे रहा है। सरकारी टीचर की पहचान के. नगर के

परोरा पंचायत के वार्ड- 12 के रहने वाले वैद्यनाथ पासवान के पुत्र शेखर पासवान उर्फ राजेश कुमार के रूप में हुई है। राजेश झून्नी इस्तंबरार पंचायत के मध्य विद्यालय बेगमपुर खाता में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उसके पिता वैद्यनाथ पासवान ढऊ डीलर हैं।

पूरे मामले का पता लगाने के लिए पत्रकार की टीम आदिवासी टोला गांव स्थित उसी शिव मंदिर में पहुंची। जहां स्थानीय कुछ लोगों ने बताया कि दोनों के बीच पिछले 6 से 7 साल से अफेयर चल रहा था। वो अक्सर लड़की से मिलने आया करता था। इससे लड़की के घरवाले और आस-पड़ोस के ग्रामीण काफी परेशान थे। लोगों ने यह भी बताया कि टीचर ने लड़की को जमीन खरीदने के लिए पैसा भी दिया था। कुछ दिनों पहले ही खरीदी गई जमीन की घेराबंदी की थी और दोनों रात में करीब 10 बजे इसी जगह मिलने पहुंचे थे।कुछ देर बाद ही उसके घरवाले वहां आ पहुंचे। हंगामा होने पर लोगों की भीड़ जुट गई। घंटे भर के हंगामे के बाद दोनों को गांव के शिव मंदिर में लाया गया और फिर टीचर से जबरन लड़की की मांग में सिंदूर भरवा दिया।

जब पूरी घटना की जानकारी लेने टीचर के घर के. नगर के परोरा पंचायत के वार्ड- 12 स्थित घर पहुंचे तो उसकी मां ने जो सच्चाई बताई उसे सुनकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। मां बिंदू देवी ने बताया कि लड़की के घरवाले काफी साल पहले उनके यहां से राशन लेने आते थे। लड़की और उसके परिवार वालों को पता था कि लड़का सरकारी टीचर और पिता पीडीएस डीलर हैं। लड़की से वो कैसे संपर्क में आया इस बात की कोई जानकारी नहीं थी।हंगामा के बाद परिवार वालों को पता चला कि दोनों के बीच अफेयर चल रहा था। मां ने बताया कि मेरा बेटा पहले से शादीशुदा है और दो बच्चे भी हैं। किसी भी कीमत पर लड़की को स्वीकार नहीं कर सकते हैं। लड़के की मां ने बताया कि बहु रक्षाबंधन पर तीन दिन पहले ही अपने मायके गई थी। इस बीच, इस तरह का हंगामा हुआ है।

इस घटना के बाद से उनके घर में कलह और अशांति फैल गई है। वहीं, पूरी घटना की जानकारी लेने के लिए लड़की वालों के घर पर पहुंचे तो घर में सबिता की दीदी और पिता राजू सोरेन मिले, लेकिन कुछ बताने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने इतना ही बताया कि दोनों के बीच 7 साल से अफेयर चल रहा था। लड़का उससे मिलने घर भी आया करता था।इसी को देखते हुए उनकी शादी कराई गई है। पूरी घटना के बाद से परिवार में हाहाकार मचा हुआ है।

एक दिवसीय श्रम अधीकार दिवस-सह प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। महिला आईटीआई के सेमिनार हॉल में सुबोध कुमार सहायक श्रमायुक्त के अध्यक्षता में एक दिवसीय श्रम अधीकार दिवस-सह ग्रामीण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में जिले के सभी 315 पंचायतो से उपस्थित सभी श्रामिक भाई एवं बहनों को प्रशिक्षित किया गया। प्रभिक्षण सत्र में सभी श्रमिक भाई एव बहनों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया जैसे- बिहार भताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार समाजिक सुरक्षा योजना, बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना, बिहार भवन एवं अन्य कर्मकार कल्याण बोर्ड, ई श्रम योजना, श्रम योगी मानधन पेंशन योजना, घरेलु कामगार योजना, आयुस्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही सभी श्रमिक भाई एवं बहनों को

विभिन्न अधिनियम जैसे-बाल श्रमप्रतिषेध एवं न्यूनतम मजदूरी के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण शिविर में श्रम अधीक्षक बेतिया विरेन्द्र कुमार महतो, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी किशुन देव शाह, विभेष कुमार, नीलम आकाश लोकेश झा, भीम कुमार, अभय कुमार, प्रदीप कुमार, रुपेश कुमार, कुमारी स्तुति, सीमा सिंह, रवि कुमार, अरविंद कुमार, आलोक कुमार एवं सुधांशु पाठक शामिल रहे।

चरण सिंह

विचार

जम्मू-कश्मीर फतह कर बड़ा संदेश देने की फिराक में राहुल गांधी !

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर चुनाव जीतकर दूसरे राज्यों को बड़ा संदेश देने के मूड में हैं। यह बात उन्होंने खुद जम्मू-कश्मीर के कार्यकताओं से बात करते हुए कही है। दरअसल राहुल गांधी अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ जम्मू-कश्मीर पहुंचे और कार्यकताओं को विश्वास में लेते हुए जम्मू-कश्मीर से एक बड़ा संदेश देने की कोशिश की। राहुल गांधी ने जिस तरह से कांग्रेस कार्यकताओं के साथ अपना खून का रिश्ता बताते हुए उनके काम की तारीफ की। गठबंधन करने के मामले में कार्यकताओं के सम्मान से कोई समझौता न करने की बात कही। प्रधानमंत्री मोदी का आत्मविश्वास कम करने की बात कही, उससे वह जम्मू-कश्मीर के कार्यकताओं में जोश भरते नजर आए।

राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सबसे पहले जम्मू-कश्मीर के कार्यकताओं से मिलना इसलिए उचित समझा, क्योंकि वह जम्मू-कश्मीर से दूसरे राज्यों को भी संदेश देना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर के लोगों के दुख और समस्याओं को दूर करने का अपना मकसद बताकर राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के लोगों का दिल जीतने का प्रयास किया। राहुल गांधी कार्यकताओं के साथ बैठक करने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता फारुक अब्दुल्ला से भी मिले। हालांकि कांग्रेस के गठबंधन की बात पीडीपी से होने की बात सामने आ रही है। हो सकता है कि जम्मू-कश्मीर में विपक्ष इंडिया गठबंधन की भूमिका में नजर आए। यदि कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी मिलकर चुनाव लड़ लिये तो भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़ी दिक्कत बन सकते हैं।

दरअसल जम्मू-कश्मीर से धारा ३७० हटाने के बाद भारतीय जनता पार्टी इस तरह के माहौल बनाने में लगी है कि अब जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद खत्म हो रहा है। विशेष राज्य का दर्जा मिला होने से केंद्र द्वारा दिया जाने वाला पैसा राजनीतिक परिवार डकार जाते थे, अब जो पैसा जम्मू-कश्मीर के लिए पहुंचेगा वह जम्मू-कश्मीर के विकास में लगेगा। उधर विपक्ष जम्मू-कश्मीर को केंद्र के अधीन करने के बाद विशेष राज्य छिनने का माहौल बना रहा है। हालांकि न तो जम्मू-कश्मीर में आम आदमी जमीन खरीद पा रहे हैं और न ही कश्मीरी पंडितों को वहां पर पुनर्स्थापित किया जा चुका है। आतंकवाद भी नहीं रुक पा रहा है। ऐसे में विपक्ष यह माहौल बना रहा है कि ३७० धारा हटने के बाद भी वहां पर कोई खास असर नहीं हुआ है। हां यह जरूर कहा जा सकता है कश्मीर से पत्थरबाजी जरूर खत्म हो गई है। ऐसे में भाजपा कितना फायदा उठा सकती है यह तो समय ही बताएगा पर वहां पर भाजपा खेल करने के मूड में जरूर है। ९० सीटों पर हो रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा धारा ३७० हटाने का फायदा लेना चाहेगी। हालांकि लोकसभा चुनाव न लड़ने का निर्णय भाजपा का सही नहीं माना गया है। जहां तक कांग्रेस की बात है तो राहुल गांधी ने जिस तरह से भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन जम्मू-कश्मीर में किया उससे उन्होंने कांग्रेस के पक्ष में एक माहौल बनाने का प्रयास जरूर किया था।

लेटरल भर्ती में आरक्षण मुद्दे पर विपक्ष में फूट

-सनत जैन-

केंद्र सरकार द्वारा यूपीएससी के पदों पर बिना आरक्षण लैटरल भर्ती 2018 के बाद से लगातार की जा रहीं हैं। लेकिन इस मामले ने 2024 में तूल पकड़ लिया है। 2018 से लेकर अभी तक केंद्र सरकार विभिन्न मंत्रालयों में विशेषज्ञों के नाम पर लैटरल भरती समूह में करती चली आ रही है। इस बार केंद्र सरकार द्वारा 45 पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित कराया गया है। पिछले 6 वर्षों में लगभग 200 पदों पर नियुक्तियां हो चुकी हैं। उसके बाद से आरक्षण मुद्दे पर पूरे देश में बवाल हो गया है। मोदी सरकार द्वारा 2018 के बाद से लैटरल नियुक्तियां समूह में की जा रही हैं। अभी तक यूपीएससी परीक्षा के माध्यम से इनका चयन होता था। 15-20 वर्ष की सेवा के पश्चात, चयनित अधिकारी उप सचिव, संयुक्त सचिव और सचिव पद पर पहुंचते थे। अब सीधे ही भर्ती विभिन्न मंत्रालयों में उपसचिव, संचालक और संयुक्त सचिव के रूप में की जा रही है। एक तरह से यह नियमों का दुरुपयोग है। संवैधानिक प्रावधानों का पालन भी सरकार नहीं कर रही है। जिसके कारण यह मामला अब तूल पकड़ रहा है। एनडीए के सहयोगी दलों ने भी इस तरह से की जा रही नियुक्तियों का विरोध शुरू कर दिया है। जनता दल यू ने इस तरह की भर्ती पर गंभीर चिंता जताई है। वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए कहा है कि इस तरह की नियुक्तियों में आरक्षण का पालन किया जाना चाहिए। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने भी इसे संविधान विरोधी बताते हुए आरक्षण खत्म करने की मांग की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है, सरकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा से जुड़े हुए लोगों को प्रमुख पदों पर सीधे नियुक्त कर रही है। इस तरह की नियुक्तियों से दलित, आदिवासी ओर पिछड़े वर्ग के हितों का नुकसान हो रहा है। संविधान में जिस तरह से कार्यपालिका में अधिकारियों का चयन किया जाना है, उसका पालन भी सरकार नहीं कर रही है। सरकार में पूंजीपतियों का सीधा हस्तक्षेप बढ़ रहा है। लैटरल नियुक्तियों में उन लोगों की भर्ती हो रही है, जो कारपोरेट जगत से सीधे सरकारी सेवा के महत्वपूर्ण पदों पर आ रहे हैं। इनकी नियुक्ति विशिष्ट तरीके से की जा रही है। कांटेक्ट पर नियुक्ति होने के कारण यह कभी भी छोड़ कर जा सकते हैं। इन पर जिम्मेदारी भी तय नहीं की जा सकती है। सेबी में माधवी बुच को पहले डायरेक्टर और फिर अध्यक्ष बनाने का मामला भी विवादों में आ गया है। जो खुलासे हुए हैं, वह बड़े आश्चर्यचकित करने वाले हैं। सरकार के ऊपर यह आरोप लग रहा है कि औद्योगिक समूहों के अधिकारियों को पिछले दरवाजे से सरकारी पदों पर नियुक्ति की जा रही है। यह अधिकारी औद्योगिक समूह के हित में नीतियां बनाते हैं। संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन हो रहा है। सरकार जब किसी निर्णय में फंसने लगती है तो इस स्थिति में सरकार कांग्रेस के ऊपर ठीकरा फोड़कर बचने का रास्ता बनाती है। सरकार की ओर से यही प्रयास किया गया है। इस तरह की नियुक्तियां 50 वर्षों से हो रही हैं। 1976 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को लैटरल एंट्री के माध्यम से वित्त सचिव बनाया गया था। राजीव गांधी की सरकार ने सेम पित्रोदा को नॉलेज कमीशन का अध्यक्ष बनाया था। विमल जालान को मुख्य आर्थिक सलाहकार रिजर्व बैंक बनाया गया था। 2009 में कौशिक बसु को केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के पद पर नियुक्त किया गया था। रघुराम राजन को भी वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया था। मोंटेक सिंह अहलुवालिया 2004 से 2014 तक योजना आयोग के उपाध्यक्ष पद पर रहे। 2009 में नंदन नीलकेणी को भी यूआइडीएआइ का मुखिया बनाया गया था। पिछले 50 वर्षों में केंद्र सरकार में विशेषज्ञ के रूप में जिन लोगों की नियुक्ति हुई थी, उनकी संख्या वर्तमान की तुलना में बहुत कम है। वित्त और तकनीकी के जानकार उस समय देश में बहुत कम विशेषज्ञ थे। जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानकारी और विशेषज्ञता रखते थे। पिछले 6 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा उप सचिव, सचिव और संचालक स्तर पर जो नियुक्तियां की जा रही हैं। उसमें हमेशा से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी या भारतीय सेवा के अधिकारी ही नियुक्त किए जाते थे। लैटरल भरती का मुद्दा अब गरमा गया है। इसे उच्च पदों पर आरक्षण खत्म करने से लेकर जोड़ा जा रहा है।

अरुण श्रीवास्तव

महिला उत्पीड़न के मामले में देश में चर्चित रहा उन्नाव के बीजेपी विधायक कुलदीप सिंह सेंगर का कारनामा। कठुआ में तो हद ही हो गई। एक बच्ची के साथ मंदिर परिसर में सामूहिक बलात्कार किया गया बल्कि ने समर्थन जुटाने के लिए हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा निकाली जिसमें मंत्री आदि भी मौजूद थे। कुछ सालों बाद हाथरस में एक दलित युवती दरिंदगों का शिकार हुई। पुलिस के आलाधिकारी ने घटना को गंभीरता से नहीं बल्कि घटना से ही इनकार कर दिया। इसमें प्रशासन का रवैया भी बहुत ही लचर रहा।

कब तक हवस की शिकार होंगी निर्भयाएं

हर एक घटना के बाद दूसरी घटना का इंतजार करने के आदी हो गए हैं हम। अभी कुछ ही दिनों की तो बात है कि कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार पर पूरा देश आंदोलित हो गया था। डाक्टरों के सबसे बड़े संगठन आईएमए ने भी कड़ा रुख अपनाया। ऐसे में कोई लेखक कैसे अछूता रह सकता है? इस घटनाओं पर संबंधित संगठन अपना विरोध दर्ज कराकर अपने कर्तव्य की इति श्री कर लेते हैं। यही तो दुखद है। मसलन पीड़िता डाक्टर है तो आईएमए ने भी विरोध जताया। पीड़िता वकील होती तो सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट क्या एसडीएम के कोर्ट तक में धरना प्रदर्शन होता, बार काउन्सिल भी समर्थन करती, यदि किसी महिला पत्रकार के साथ घटना घटती तो एडिटर्स गिल्ड व प्रेस परिषद पत्र लिखकर अपने कर्तव्य की इति श्री कर लेती। गुसाईं तुलसीदास जी ने यूं ही नहीं कहा है कि जाके पांव न फटे बेवाई उ का जानै पीर पराई '।

इस तरह की घटना पर राजीव गांधी का यह कहना अब समझ में आया कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो आसपास की जमीन हिलती है अब इसे यूं नारी अत्याचार के मामले से जोड़ें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। कुछ साल पहले इस तरह की घटना दिल देश की राजधानी दिल्ली में घटी उसे मीडिया ने निर्भया कांड के रूप में जनवाया उसके बाद न जाने कितनी घटनाएं घट चुकी है और देश का जन मानस समय-समय पर आंदोलित होता रहा है। अब तो ऐसा महसूस होता है कि इस तरह के आंदोलन उबलते हुए दूध पर पानी के छींटों के समान हैं। निर्भया की घटना के तुरंत बाद कानून बना तो लगा कि अब महिलाओं को यौन उत्पीड़न का शिकार नहीं होना पड़ेगा। पर कुछ ही माह तो हुए लखनऊ के मोहन लालगंज में एक महिला की निर्वस्त्र अवस्था में लाश मिली थी। आशंका जताई जा रही थी कि उसकी बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई होगी। पता नहीं क्यों इस पर चर्चा ही नहीं हुई।

महिला उत्पीड़न के मामले में देश में चर्चित रहा उन्नाव के बीजेपी विधायक कुलदीप सिंह सेंगर का कारनामा। कठुआ में तो हद ही हो गई। एक बच्ची के साथ मंदिर परिसर में सामूहिक बलात्कार किया गया बल्कि ने समर्थन जुटाने के लिए हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा निकाली जिसमें मंत्री आदि भी मौजूद थे। कुछ सालों बाद हाथरस में एक दलित युवती दरिंदगों का शिकार हुई। पुलिस के आलाधिकारी ने घटना को गंभीरता से नहीं बल्कि घटना से ही इनकार कर दिया। इसमें प्रशासन का रवैया भी बहुत ही लचर रहा।

सबसे ज्यादा संघ की भूमिका।

सन् 2000 में अयोध्या से आ रहे कारसेवकों की बोगी में उग्र भीड़ ने आग लगा दी और इसके बाद पूरे राज्य में जो तांडव हुआ वो अकल्पनीय है। इस घटना में मुस्लिम समुदाय की एक महिला के साथ न केवल बलात्कार हुआ बल्कि उसके सामने ही उसकी बच्ची की हत्या कर दी गई घटना के समय महिला गर्भवती थी। लंबी जद्दोजहद के बाद महिला के बलात्कारियों को सजा हुई और पिछले साल स्वाधीनता दिवस पर सरकार ने कानून की खामियों का दुरुपयोग करते हुए 11 बलात्कारियों को रिहा कर दिया। उनकी रिहाई के बाद सत्तारूढ़ दल दिल्ली के कार्यकताओं में इन बलात्कारी का माला पहनकर स्वागत किया और मिठाइयां भी बांटीं।

हाथरस घटना में जहां परिजन अपनी बेटी का अंतिम संस्कार तक नहीं कर पाए वहीं सत्ता प्रतिष्ठान ने उसके शव को रातों-रात जला दिया। न उसे मुखाग्नि नसीब हुई न परिजन अंतिम दर्शन कर पाए।

बताते चलें कि केंद्र में और इस प्रदेश में जहां इस तरह की घटनाएं हुई वहां पर 'डबल इंजन' की सरकार थी। चुनाव के समय सरकार का प्रमुख नारा रहा, बहुत हुआ महिलाओं पर अत्याचार, अबकी बार मोदी सरकार'।

ऑकड़ों के जाल में मैं आपको नहीं ले जाता। आजकल गूगल बाबा आंकड़ों की गहराई में निर्विकार भाव से सबको ले जाने के उपलब्ध हैं। इस तरह की घटनाओं पर घड़ियाली आंसू बहाते हुए, एक दूसरे को कोसते हुए सार्वजनिक मंचों पर देखा जा सकता है। बंगाल के बाहर कोई घटना होती तो ममता बनर्जी से लेकर महुआ मोइत्रा, सागरिका घोष लाल-पीली होतीं। गैर भाजपा शासित राज्यों में होती तो साबित पात्रा से लेकर सुधांशु त्रिवेदी और रविशंकर प्रसाद तलवारें भांजते। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्यपाल से रिपोर्ट मांगते। भाजपा राज्यों में होती तो सुप्रिया श्रीनेत आनन फानन में प्रेस कॉन्फ्रेंस करतीं। सभी दलों के लोग मुलायम सिंह यादव के लड़कों से गलती हो जाती है को लेकर सपा को कटघरे में खड़ा करते। अगर यह घटना देश की राजधानी दिल्ली में होती तो भाजपा और आप वाले एक दूसरे का कुर्ता फाड़ते दिखाई देते।

प्रसंगवश, जिस तरह से कोलकाता हाई कोर्ट ने स्थानीय पुलिस से जांच लेकर सीबीआई को सौंप दिया क्या अन्य किसी प्रदेश की हाईकोर्टें इस तरह का निर्णय ले सकतीं हैं। बदलापुर की घटना को कब स्वतः संज्ञान लेंगी अदालतें?

याद करिए संदेशखाली की घटना और राजनीतिक दलों की भूमिका को। किस तरह से आसमान सिर पर उठा लिया था केंद्र में शासित सत्तारूढ़ पार्टी ने। आम आदमी पार्टी की नेता स्वाती मालीवाल का ही मामला ले लीजिए। इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाते हुए भाजपा महिला मोर्चा की वीरांगनाएं सड़कों पर उतर आई और नारे लगने लगे, केजरीवाल शर्म करो'। जबकि काफी कुछ केंद्र सरकार के हाथ में है।

देवभूमि कहे जाने वाले उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आईएसबीटी में बस में एक युवती के साथ सामूहिक बलात्कार होता है न नैनीताल हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया न सीएम धामी बयान देने से आगे बढ़ पाए। मामला पिंजरे में बंद तोता सीबीआई को भी नहीं सौंपा गया। इसी देवभूमि में अंकिता भंडारी की हत्या हो गई। शंका बलात्कार किये जाने की है। जन संगठनों के काफी हंगामे के बाद मामला आगे बढ़ा नतीजा ' ढाक के तीन पात' । पुलिस मुजरिमों को पकड़ने के बजाए मौका ए वारदात पर बुलडोजर चलवा दिया। आरोपी के पिता भाजपाई हैं तो पुलिस भी क्या करती। ये तो पिता के भाजपाई होने का आलम है। जब आरोपी ही भाजपा का तो ? तो सब कुछ बीएचयू हो जाता है। आईआईटी बीएचयू की छात्रा के साथ तो कैंपस में तो खुलेआम वो सब कुछ हुआ जो कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हाल में महिला डॉक्टर के साथ हुआ था। घटना के बाद बलात्कारी मध्यप्रदेश में पार्टी का चुनाव प्रचार करने चले गए। यही नहीं इन आरोपियों की तस्वीरें भाजपा के बड़े बड़े नेताओं के साथ हैं। जब सइंया भये कोतवाल तब डर काहे का।

अब बृजभूषण शरण सिंह के रसूख को कैसे भूल जाएं। कई खिलाड़ियों ने उन पर यौन उत्पीडन के आरोप लगाए। दर्जनों खिलाड़ियों ने सड़कों पर हफ्तों धरना प्रदर्शन किया, लाठियां खाईं, सड़कों पर घसीटी गईं देश के लिए मेडल लाने वाली महिला खिलाड़ियां। हुआ क्या? उनका दबदबा था दबदबा है और दबदबा रहेगा और रहा।

पर कब तक ? तो क्या महिलाओं पर अत्याचार भी रहेगा? आखिर कब तक?

दीपक कुमार तिवारी

उजड़े आशियाने... बर्बाद फसलें

भागलपुर में तटबंध टूटने के बाद का हाल जान कांप जाएंगे

बिहार के भागलपुर जिले के इस्माइलपुर बिंदटोली तटबंध के क्षतिग्रस्त होने से आई बाढ़ ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। जिला प्रशासन भले ही राहत शिविर लगाकर ग्रामीणों की परेशानियों को कम करने की कोशिश में जुटा है, लेकिन ग्रामीणों को उजड़े आशियाने और फसलों की बबार्दी की चिंता सता रही है। मंगलवार को तटबंध के ध्वस्त होने कर बाद करीब एक दर्जन गांव प्रभावित हुए। खेतों में लबालब पानी भर गया। तटबंध टूटने के बाद गांवों में घुसे पानी ने दर्जनों घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया, तिनके की तरह सामानों को बहाकर अपने साथ ले गया।

ग्रामीण कहते हैं कि उनके घरों और फसलों का क्या होगा? आखिर तटबंध ही आसरा होगा। नवगछिया के अनुमंडल पदाधिकारी उत्तम कुमार ने आईएएनएस को बताया कि गोपालपुर के महिपाल राजकीय उच्च बुनियादी विद्यालय तीनटंगा और जगदंबा कन्या विद्यालय में सामुदायिक किचन शुरू कराया गया है। यहां पर लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा पशुपालकों के बीच जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा पशु चारा का वितरण कराया जा रहा है। प्रभावित इलाके में मवेशियों की सेहत की जांच के लिए पशु चिकित्सक लगाए गए हैं। पर्याप्त चारा की व्यवस्था की गई है। अभी तक 450 से अधिक पशुओं को चारा उपलब्ध कराया गया है।

उन्होंने बताया कि तटबंध के किनारे रहने वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए हैं। अब पानी कम हो रहा है। फिर भी एहतियातन एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 12 टीमें यहां रखी गई हैं, जो किसी भी सूचना पर घटनास्थल पर तुरंत पहुंच सकेगी। प्रभावित क्षेत्र में नाव के इंतजाम भी किए गए हैं ताकि लोगों को अपने सामान निकालने में मदद मिल सके। बाढ़ प्रभावित लोगों के आवास के लिए दो शिविर बनाए गए हैं। इन शिविरों में भोजन, पेयजल की भी व्यवस्था है।

उत्तम कुमार ने बताया कि तटबंध की मरम्मत का कार्य भी चल रहा है। तटबंध को सुरक्षित कर लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही बर्बाद हो गई फसलों और घरों का सर्वे कराया जाएगा और नियमानुकूल क्षतिपूर्ति की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को भागलपुर जिले के गोपालपुर प्रखंड के इस्माइलपुर बिंद टोली तटबंध के क्षतिग्रस्त होने से गंगा नदी ने कहर मचा दिया था। तटबंध के टूटने के बाद कई गांवों में पानी घुस गया। भागलपुर जिले में गोपालपुर प्रखंड में इस्माइलपुर बिंद टोली तटबंध, जो लगभग 8.15 किलोमीटर लंबा है, की सुरक्षा के लिए 14 स्पर हैं जो तटबंध को सुरक्षित बनाने के लिए बनाए जाते हैं। स्पर संख्या सात और आठ के बीच तटबंध क्षतिग्रस्त हो गया था।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

मीडिया और जनता का ध्यान अन्य खेलों में न के बराबर है। क्रिकेट पर मीडिया का अत्यधिक ध्यान अन्य खेलों को दरकिनार कर देता है, जिससे उनकी दृश्यता और प्रशंसक आधार कम हो जाता है। बैडमिंटन में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियों के बावजूद , इस खेल को शायद ही कभी मीडिया का उतना ध्यान मिलता है जितना क्रिकेट को मिलता है, जिससे जनता के बीच इसका आकर्षण सीमित हो जाता है।

जनाब ! सिर्फ क्रिकेट को खेल मत समझिए

समावेशी खेल संस्कृति सभी एथलीटों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करती है, चाहे वे किसी भी खेल में भाग लें। भारत में, क्रिकेट का वर्चस्व अन्य खेलों पर हावी है, जिससे विभिन्न खेलों में सीमित विकास होता है। युवा मामले और खेल मंत्रालय के अनुसार, जहाँ क्रिकेट के बहुत से प्रशंसक हैं, वहीं एथलेटिक्स, हॉकी और बैडमिंटन जैसे खेल अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे और धन की कमी से जूझ रहे हैं। क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के सीमित विकास के पीछे अपर्याप्त धन और बुनियादी ढांचा है। क्रिकेट की लोकप्रियता कॉरपोरेट घरानों की देन है। क्रिकेट कॉरपोरेट और सत्ता का खेल है और इन्हें ही लाभ पहुंचाने के लिए खेला जाता है। इसलिए इस खेल से परहेज किया जाये और इसकी लोकप्रियता को नशा न बनने दिया जाये, अन्यथा कॉरपोरेट और सत्ताधारियों की चांदी कटती रहेगी।क्रिकेट के अलावा ज्यादातर खेल अपर्याप्त वित्तीय सहायता और निम्नस्तरीय बुनियादी ढांचे से जूझ रहे हैं। हॉकी, भारत का राष्ट्रीय खेल होने और एक गौरवशाली इतिहास होने के बावजूद, हॉकी खिलाड़ियों को अक्सर पुराने प्रशिक्षण मैदान, अपर्याप्त उपकरण और सीमित वित्तीय सहायता का सामना करना पड़ता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका प्रदर्शन प्रभावित होता है। मीडिया और जनता का ध्यान अन्य खेलों में न के बराबर है। क्रिकेट पर मीडिया का अत्यधिक ध्यान अन्य खेलों को दरकिनार कर देता है, जिससे उनकी दृश्यता और प्रशंसक आधार कम हो जाता है। बैडमिंटन में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियों के बावजूद , इस खेल को शायद ही कभी मीडिया का उतना ध्यान मिलता है जितना क्रिकेट को मिलता है, जिससे जनता के बीच इसका आकर्षण सीमित हो जाता है।

अन्य खेलों के लिए जमीनी स्तर पर विकास कार्यक्रमों का अभाव है। क्रिकेट के विपरीत, जिसमें जमीनी स्तर पर विकास की मजबूत व्यवस्था है, कई अन्य खेलों में युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए संरचित कार्यक्रमों का अभाव है। भारत के एथलेटिक्स परिदृश्य में समर्पित कार्यक्रमों की अनुपस्थिति के कारण कम उम्र में प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें निखारने में संघर्ष करना पड़ता है। सीमित कॉर्पोरेट प्रायोजन मुख्य रूप से क्रिकेट में प्रवाहित होता है, जिससे अन्य खेलों को न्यूनतम वित्तीय सहायता मिलती है । इससे कम टूर्नामेंट, अपर्याप्त प्रशिक्षण सुविधाएँ और एथलीटों के लिए कम वेतन मिलता है। उदाहरण के लिए: ग्रामीण क्षेत्रों में खेल की लोकप्रियता के बावजूद, कबड्डी खिलाड़ी कम प्रायोजन सौदों के कारण कम आय से जूझते हैं। सांस्कृतिक और सामाजिक पूर्वाग्रह के चलते क्रिकेट के प्रति एक सांस्कृतिक झुकाव है, जिसे अक्सर खेलों में एकमात्र व्यवहार्य कैरियर माना जाता है। यह पूर्वाग्रह युवाओं को अन्य खेलों को पेशेवर रूप से अपनाने से हतोत्साहित करता है। पंजाब जैसे राज्यों में भी, जहाँ हॉकी का समृद्ध इतिहास रहा है, क्रिकेट ने धीरे-धीरे इसे पीछे छोड़ दिया है, जिससे खेल का विकास प्रभावित हुआ है।

अधिक समावेशी खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आज हमको सभी खेलों के लिए वित्तपोषण में वृद्धि की जरूरत है। सरकार और निजी क्षेत्र को सभी खेलों के लिए वित्तपोषण में वृद्धि करनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि सुविधाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रिकेट के लिए उपलब्ध सुविधाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बराबर हों। एथलेटिक्स और तैराकी के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे में निवेश करने से संभावित ओलंपियनों की पहचान करने और उन्हें विकसित करने में मदद मिल सकती है। मीडिया घरानों को लोगों की रुचि बढ़ाने के लिए खेलों की व्यापक रेंज को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए और उन्हें आच्छादित करना चाहिए। उदाहरण के लिए: प्राइमझटाइम टेलीविजन पर फुटबॉल और कुश्ती जैसे खेलों की राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लीगों का प्रसारण करने जैसी पहल से उनकी लोकप्रियता और दर्शकों की सहभागिता बढ़ सकती है। जमीनी स्तर के कार्यक्रमों को मजबूत करने और अधिक खेलों को कवर करने के लिए खेलो इंडिया जैसे जमीनी स्तर के कार्यक्रमों का विस्तार करने से कम उम्र में प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें विकसित करने में मदद मिल सकती है। विभिन्न राज्यों में तीरंदाजी और जिमनास्टिक जैसे खेलों के लिए समर्पित अकादमियाँ स्थापित करने से प्रशिक्षित एथलीटों की एक स्थिर जुड़ाव सुनिश्चित हो सकती है।

कर प्रोत्साहन और सार्वजनिक मान्यता के माध्यम से विभिन्न खेलों के लिए कॉर्पोरेट प्रायोजन को प्रोत्साहित करने से कम वित्त पोषित खेलों में निवेश को बढ़ावा मिल सकता है। प्रो कबड्डी लीग जैसे सफल मॉडल, जिन्हें महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट समर्थन प्राप्त हुआ है, हॉकी और एथलेटिक्स जैसे अन्य खेलों के लिए भी अपनाए जा सकते हैं। सभी खेलों में एथलीटों के लिए समान प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान करने वाली नीतियों को लागू करने से अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिल सकता है। उदाहरण के लिए: गैरझक्रिकेट खेलों के एथलीटों के लिए नौकरी आरक्षण और छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना युवाओं को विविध खेल विषयों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। भारत की खेल संस्कृति को क्रिकेट से परे कई विषयों को अपनाने और बढ़ावा देने के लिए विकसित किया जाना चाहिए। क्रिकेट में कॉरपोरेट के दखल के चलते क्रिकेट को अछूता बनाने के बजाय जरूरत यह समझने की है कि यह बदलाव क्यों आया! आखिर क्यों कॉरपोरेट घराने खेलों में एंट्री पाने में सफल रहे और खेल उन पर निर्भर हो गये! ऐसा सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि सरकारें खेलों को प्रोत्साहन देने में नाकामयाब रहीं।रणनीतिक निवेश, मीडिया विविधीकरण और समावेशी नीतियों के साथ, भारत एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर सकता है जो विभिन्न खेलों में प्रतिभाओं का पोषण करता है। यह दृष्टिकोण न केवल भारत की वैश्विक खेल स्थिति को बढ़ाता है बल्कि एक स्वस्थ और अधिक समावेशी खेल वातावरण और समाज को भी बढ़ावा देता है जहाँ हर खेल को उसकी उचित मान्यता और समर्थन मिलता है। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार है।)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

जजपा को एक और झटका, अब नरवाना के विधायक ने पार्टी छोड़ी, MLA पद से भी दिया इस्तीफा

हरियाणा। जननायक जनता पार्टी के छठे विधायक ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। नरवाना के विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा ने पार्टी के साथ-साथ एमएमए पद से भी इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने स्पीकर को इस्तीफा भेज दिया है। आचार संहिता लगने चुकी है और चुनाव की तैयारियां जोरों पर है। अब देखना होगा कि रामनिवास सुरजाखेड़ा किस पार्टी में जाएंगे।

पार्टी में इससे पहले दसे में से पांच विधायक इस्तीफा दे चुके हैं। जिसमें बरवाला से विधायक जोगी राम सिहाग, गुहला विधायक ईश्वर सिंह, टोहाना विधायक देवेंद्र बबली, उकलाना से विधायक अनूप धानक और शाहबाद से रामकरण काला ने इस्तीफा दिया था। वहीं नारनौंद विधायक रामकुमार गौतम काफी समय से पार्टी से नाराज चल रहे हैं।

रामनिवास सुरजाखेड़ा ने बताया इस्तीफे का कारण...रामनिवास सुरजाखेड़ा ने जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला को इस्तीफा भेजा है। उन्होंने लिखा कि पिछले दो साल से पार्टी की गतिविधियां उनकी राजनीति की विचारधारा से विपरित रही हैं। इससे वह व्यथित होकर सभी पदों, दायित्वों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।

2019 में 10 विधायकों के साथ किंगमेकर बनी थी पार्टी...विधानसभा चुनाव से डेढ़ महीना पहले जननायक जनता पार्टी (जजपा) में विधायकों के इस्तीफे की झड़ी लग गई है। नरवाना से विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा, उकलाना से विधायक अनूप धानक, बरवाला से विधायक जोगी राम सिहाग, टोहाना से देवेंद्र बबली, गुहला चीका से ईश्वर सिंह व शाहबाद से रामकरण काला ने इस्तीफा दे दिया है। इनमें धानक व बबली तो भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। जजपा के दो विधायक राम निवास सुरजाखेड़ा व जोगी राम सिहाग पहले से भाजपा के संपर्क में रहे हैं। अब देखना होगा कि पार्टी ज्वाइन करते हैं या नहीं।

जोगीराम भाजपा के पक्ष में दिखे...बरवाला से विधायक जोगी राम सिहाग पर जजपा पहले ही भाजपा के पक्ष में रहने का आरोप लगा चुकी है। जजपा पहले ही जोगी राम सिहाग और राम निवास सुरजाखेड़ा को अयोग्य करार देने का पत्र विधानसभा अध्यक्ष को लिख चुकी है। भाजपा से सिहाग का टिकट काफी हद तक तय माना जा रहा है।

2019 में छोड़ी थी भाजपा...जोगी राम सिहाग 2019 में बीजेपी से टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर जजपा में शामिल हुए थे। 2019 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा उम्मीदवार सुरेंद्र पुनिया को हराया था। हिसार की बरवाला विधानसभा सीट से जोगी राम सिहाग ने 45 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की थी। हरियाणा के हिसार में जन्में जोगी राम सिहाग किसान परिवार से आते हैं, वह 12वीं पास हैं।

पाला राम सैनी भी छोड़ चुके पार्टी...कैथल से जननायक जनता पार्टी के नेता पालाराम सैनी ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने जजपा पार्टी से लोकसभा चुनाव लड़ा था। अब मैंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। मेरे साथी नेताओं ने मुझ पर दबाव बनाया। जजपा के जिला अध्यक्ष रणदीप कौल ने चुनाव के दौरान पार्टी और मेरा साथ नहीं दिया। अपने साथियों और कार्यकताओं से सलाह मशविरा करने के बाद अगला कदम उठाया जाएगा। बता दें कि पाला राम सैनी ने भाजपा को अलविदा कर जजपा ज्वाइन की थी। अब एक बार फिर से पाला राम सैनी भाजपा का दामन थाम सकते हैं। पाला राम ने पार्टी छोड़ने की घोषणा रविवार को एक निजी होटल में पत्रकार वार्ता करके दी है। पाला राम सैनी ने कहा कि उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ा था। आज उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

2021 में छोड़ी थी भाजपा, 2022 के अंत में जजपा में हुए थे शामिल...पाला राम सैनी ने करीब दो साल पहले ही 21 जुलाई 2022 में जजपा को ज्वाइन किया था जबकि इससे पहले वर्ष 2021 में भाजपा को छोड़ दिया था। वहीं, जून 2022 में हुए नगर निकाय के चुनावों के तहत कैथल नगर परिषद से उनकी धर्मपत्नी पुष्पा सैनी ने अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा था।

अभी नहीं खुलेगा शंभू बॉर्डर: ट्रैक्टर-ट्रालियों के बिना दिल्ली जाने से किसानों का इनकार

पटियाला। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले पंजाब व हरियाणा के आला पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की बुधवार को पटियाला के पुलिस लाइन में किसान जत्थेबंदियों के साथ शंभू बॉर्डर को लेकर बैठक हुई। करीब एक घंटा चली बैठक में दोनों पक्षों के बीच कोई सहमति नहीं बन सकी। किसानों ने बिना ट्रैक्टर-ट्रालियों के दिल्ली जाने से साफ इन्कार कर दिया।

बैठक में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को हो रही असुविधा का हवाला देते हुए किसान जत्थेबंदियों को शंभू बॉर्डर खोलने के लिए कहा। जवाब में किसान नेताओं ने कहा कि रास्ता किसानों ने नहीं, बल्कि हरियाणा सरकार ने बंद किया है। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने मोटर व्हीकल एक्ट का हवाला देते हुए कहा कि अगर किसान मांगों को लेकर केंद्र से बात करना चाहते हैं, तो फिर वह ट्रैक्टर-ट्रालियों के बिना जाएं। इस पर किसानों ने कहा कि ट्रैक्टर-ट्रालिया उनके लिए दूसरा घर हैं। हर मौसम में ट्रैक्टर-ट्रालियां किसानों का बचाव करती हैं। इसलिए ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ ही किसानों को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाए।

बैठक में पंजाब व हरियाणा के एडीजीपी (ला एंड आर्डर), एसएसपी पटियाला नानक सिंह, डीसी पटियाला शौकत अहमद परे, अंबाला के एसएसपी व डीसी ने भाग लिया। दोनों किसान जत्थेबंदियों की तरफ से भी करीब सात मेंबरों की टीम ने शिरकत की।

कमेटी के नामों पर नहीं हुई चर्चा...किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने बताया कि बैठक में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक बातचीत के जरिये मामले के हल को बनाई जाने वाली कमेटी के नामों को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। डल्लेवाल ने कहा कि बैठक में पुलिस अधिकारियों ने मोटर व्हीकल एक्ट का हवाला देकर बिना ट्रैक्टर-ट्रालियों के किसानों को जाने के लिए कहा। इसके जवाब में किसानों ने कहा कि अगर एक्ट की ही बात है, तो ऐसे में ट्रैक्टर-ट्रालियां सड़क पर चढ़ ही नहीं सकती हैं। लेकिन किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों में ही अपनी फसलें बेचने के लिए 50-50 किलोमीटर दूर जाते हैं। यही नहीं 13 फरवरी को जब पंजाब के कोने-कोने से किसान शंभू व खन्नौरी बॉर्डरों पर पहुंचे थे, उस समय भी ट्रैक्टर-ट्रालियों पर ही आए थे। तब भी कानून व्यवस्था का कोई मसला खड़ा नहीं हुआ था। इसलिए जत्थेबंदियों की मांग है कि किसानों को ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ ही दिल्ली जाने की अनुमति दी जाए। डल्लेवाल ने कहा कि बैठक में साफ तौर पर कहा गया कि किसानों का निशाना रास्ते रोकना नहीं है। किसान केवल अपनी बात रखने के लिए दिल्ली जाना चाहते हैं। डल्लेवाल ने कहा कि किसान मांगों को लेकर बात करने के लिए केंद्र सरकार से राजी हैं। लेकिन पहले चुनाव आचार संहिता का बहाना बनाकर सरकार ने बात करने से पल्ला झाड़ लिया। लेकिन जून में नई सरकार बनाने के बावजूद अब तक बात करने को कोई न्यौता नहीं दिया है। इससे सरकार की नीयत साफ होती है। डल्लेवाल ने कहा कि किसान बॉर्डरों पर डटे रहेंगे। रास्ते खुलते ही ट्रैक्टर-ट्रालियों पर दिल्ली के लिए कूच किया जाएगा।

प्रवासी मजदूरों के बहिष्कार मामले में पंजाब सरकार को HC की फटकार

चंडीगढ़। कुराली के एक गांव से प्रवासी मजदूरों का बहिष्कार किए जाने के मामले में गुरुवार को पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया। सरकार ने कोर्ट को बताया कि इस विवाद के निपटारे के लिए एक पांच सदस्यीय कमेटी बना दी गई है।

इस मामले में हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायत और पंजाब सरकार को फटकार लगाई और कहा कि ऐसे कामों से बचा जाए। आपस में मिल बैठकर विवाद का निपटारा किया जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि अगर इस तरह से प्रवासी मजदूरों को निकाला जाएगा तो गांव की फसलों को कौन काटेगा, किसान और मजदूर मिलकर काम करते हैं। सरकार द्वारा कमेटी बनाने पर हाईकोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया। कमेटी में डीएसपी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और दो अन्य सदस्यों को शामिल किया गया है।

याचिकाकर्ता वैभव वत्स ने हाईकोर्ट को बताया था कि कुराली के गांव मुंडो सगतियां की पंचायत ने ऐसा प्रस्ताव पास किया है, जिसके बारे में खबरें भी प्रकाशित हुई हैं कि इस गांव से प्रवासी मजदूरों, यूपी, बिहार और राजस्थान के, का बहिष्कार किया जा रहा है। इसी के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी।

नहर में कूदकर दी जान, एएसआई पर लगाए पीटने के आरोप, मोबाइल में मिला सुसाइड नोट

करनाल। हरियाणा के करनाल में पुलिस कर्मचारी से आहत होकर एक व्यक्ति द्वारा नहर में कूदकर जान देने का मामला सामने आया है। सुभाष गेट निवासी 30 वर्षीय मृतक अमित के परिजनों का आरोप है कि अमित ने अपने मोबाइल में एक सुसाइड नोट छोड़ा हुआ है।

जिसमें सेक्टर-4 चौकी में पुलिस कर्मचारी एएसआई पर आरोप लगाए हैं कि उसने एक व्यक्ति कालू से रुपये लेकर चौकी में उनको पीटा है। यह पिटाई पुलिस कर्मचारी ने उनके दोस्तों के सामने की है।

जिससे वह आहत था। इसके चलते उन्होंने नहर में छलांग लगा दी थी। जिसका शव जींद में नहर में मिला था। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

कर्ण लेक के समीप मिली थी स्कूटी...मृतक के भाई राहुल ने बताया कि 16 अगस्त को उसके भाई अमित के पास सेक्टर-4 चौकी में तैनात एएसआई सुरेश कुमार का फोन आया था और चौकी में बुलाया था। वह अपने दोस्तों के साथ चौकी गया तो उस पुलिस कर्मचारी ने उसे बुरी तरह पीटा और कहा कि जो बयान लिखे हुए हैं इनपर हस्ताक्षर कर। इसी से परेशान होकर अमित स्कूटी पर सवार होकर घर से चला गया था। इसके बाद उसकी स्कूटी कर्ण लेक के समीप नहर के किनारे मिली थी।

स्कूटी में ही उसका मोबाइल था और मोबाइल में ही सुसाइड नोट था। जिसमें उसने एएसआई व कालू नाम के व्यक्ति पर आरोप लगाए हैं। सिटी थाना पुलिस ने अमित के गुमशुदा होने की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। इसके बाद अमित का शव जींद में नहर में मिला था।

सुभाष गेट के रहने वाले अमित का शव जींद में नहर में मिला था। जिसका पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों ने जो आरोप लगाए है, उसकी जांच की जा रही है। - सुल्तान सिंह, शहर थाना प्रभारी

पंजाब में हिमाचल का युवक गिरफ्तार: हाईटेक नाके पर जांच करने पर बोलेरो में मिली हेरोइन

कपूरथला। कपूरथला के ढिलवां पुलिस ने हाईटेक नाके दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। नाके पर वाहनों की चेकिंग के दौरान बोलेरो में सवार दो युवको को शक के आधार पर रोका गया। जांच के दौरान आरोपियों से 100 ग्राम हेरोइन मिली। पुलिस ने तुरंत दोनों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरोपियों में एक हिमाचल प्रदेश के मंडी का युवक शामिल है। आरोपियों की पहचान भागीरथ सिंह उर्फ रवि निवासी गांव बरमु, मंडी, हिमाचल प्रदेश और रोबनदीप सिंह निवासी गांव कोलेवाल अमृतसर के रूप में हुई है। थाना ढिलवां के एसएचओ रमनदीप कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। एएसआई कुलदीप सिंह पुलिस टीम सहित आपराधिक तत्वों की तलाश में हाईटेक नाके पर मौजूद थे। हाइवे पुलिस के साथ नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान अमृतसर की तरफ से आ रही एक बोलेरो गाड़ी (एचपी-33डी-9533) को शक के आधार पर रोका गया। इसमें दो युवक सवार थे। गाड़ी में बैठे एक युवक नीचे उतरा और जेब से एक लिफाफा निकाल कर सड़क किनारे फेंक दिया। पुलिस टीम ने दोनों को काबू कर फेंके गए लिफाफे की जांच की तो उसमें से 100 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

दुष्यंत चौटाला का नायब सैनी पर शायराना तंज: वाकिफ हो जाओगे हरियाणा के हाल से..

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद से राजनीतिक बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। सत्ता में साझेदार रहे भाजपा और जजपा में भी जुबानी जंग शुरू हो गई है।

सीएम नायब सैनी ने कहा था कि राज्यसभा चुनाव के लिए हुड्डा और दुष्यंत आपस में लड़ रहे हैं। दोनों ही अपने पेट के लिए लड़ रहे हैं। विधानसभा चुनाव के बाद दोनों पल्ली पर बैठे दिखाई देंगे।

इस पर दुष्यंत चौटाला ने एक्स पर तंज कसा। चौटाला ने लिखा- वाकिफ हो जाओगे हरियाणा के हाल से.. आप चुनाव लड़कर देखिए करनाल से

वाकि फ हो जाओगे हरियाणा के हाल से, दुष्यंत ने लिखा- मैं सीखता जा रहा हूं, लोगों ने किया ट्रोल

जजपा नेता दुष्यंत चौटाला ने कुछ दिन पहले एक्स पर पोस्ट में लिखा कि मैं सीखता जा रहा हूं, बुजुर्गों से, गलतियों से और मुश्किलों से। इस पोस्ट के साथ दुष्यंत ने दो फोटो भी शेयर किए।

इस पोस्ट पर तमाम लोगों ने तीखी प्रक्रिया दी है। कृष्ण कुमार नाम के यूजर से लिखा कि तेरी ट्रेनिंग के चक्कर में हरियाणा का भट्ठा ना बठवाना, जब सीख ले तब बताना। अमन वशिष्ठ नाम के यूजर ने लिखा कि भाई पांच साल लोकसभा सांसद, साढ़े चार साल हरियाणा प्रदेश में उप मुख्यमंत्री के पद पर रहने के बाद भी अगर नहीं सीख पाए तो भाई इब मेरे विचार से तो मुश्किल है। राहुल पंवर नाम के यूजर ने लिखा कि भाई जब पूरी तरह सीख जाओ तब बता देना, एक बार हरियाणा को बर्बाद कर चुके, इब तेरी बारी कोणी।

इनेलो-बसपा को प्रत्याशियों की तलाश

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव में गठबंधन कर उतरने वाली इनेलो और बसपा को मजबूत प्रत्याशियों की तलाश है। दोनों पार्टियां सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान कर चुकी हैं, लेकिन सभी सीटों पर प्रत्याशी उतराना चुनौती बना हुआ है।

ऐसे में दोनों ही दलों को भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों की सूची जारी होने का इंतजार है। इसके बाद जिन नेताओं की टिकटें कटेंगी, इनेलो-बसपा उन पर दांव खेलने की तैयारी में हैं। फिलहाल इनेलो नेता अभय चौटाला और बसपा नेता आकाश आनंद प्रदेश के अलग-अलग हलकों में जाकर संगठन को मजबूती दे रहे हैं और प्रत्याशियों का फीडबैक ले रहे हैं। प्रदेश की 90 में से 53 सीटों पर इनेलो और 37 सीटों पर बसपा चुनाव लड़ेगी। बेशक चुनाव की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी तक दोनों दल अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र तय नहीं कर पाए हैं, कि कहां से किस दल के प्रत्याशी उतारे जाएंगे। इनेलो के लिए यह चुनाव और भी बड़ी चुनौती है, क्योंकि उस पर चुनाव चिह्न चश्मे का निशान तक छीनने की नौबत आई हुई है। इनेलो नेता अभय चौटाला खुले तौर पर कह चुके हैं कि अगर कोई और दल उनके साथ समझौता करता है तो इनेलो कुछ सीटें उसके लिए छोड़ सकता है। इससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनेलो के पास अभी सभी सीटों पर मजबूत प्रत्याशी नहीं हैं।

आरक्षित सीटें बसपा के खाते में जा सकती हैं...संभावना है कि प्रदेश की आरक्षित 17 सीटों पर बसपा अपने उम्मीदवार उतार सकती है। क्योंकि यहां पर दलित वोट बैंक अधिक है और यहां पर अलग-अलग दलों से कई-कई नेता टिकट की दौड़ में हैं। ऐसे में बसपा को उम्मीदवार मिलने में आसानी रहेगी। इसके अलावा जहां-जहां पहले बसपा मजबूत स्थिति में रही है, वहां पर भी पार्टी प्रत्याशी उतारेगी। इनमें यमुनानगर जिले के छछरौली, जगाधरी, करनाल के असंध समेत अन्य विधानसभा क्षेत्रों से बसपा अपने प्रत्याशी उतार सकती है।

पुराने गढ़ से इनेलो को उम्मीद...इनेलो को अपने पुराने गढ़ से पूरी आस है। इसलिए इनेलो उन विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगा, जहां पर पहले इनेलो का बड़ा प्रभाव रहा है। इनमें सिरसा जिले की सभी सीटें, जींद, उचाना, जुलाना, सफीदों के साथ-साथ कैथल, कुरुक्षेत्र जिले की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारे जाएंगे। साथ ही मेवात, भिवानी और हिसार में भी इनेलो प्रत्याशी उतारेगा। इन सभी इलाकों में 10 साल पहले इनेलो का पूरा प्रभाव था।

जजपा ने तोड़ा इनेलो का वोट बैंक...अब तक प्रदेश में बसपा को हर चुनाव में 5 से 6 प्रतिशत तक वोट मिले हैं। 2018 से पहले इनेलो प्रदेश में 15 से 28 फीसदी तक वोट लेता रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में इनेलो के दो सांसद थे और उन्हें 24.4 प्रतिशत मत मिले थे। 2019 में पार्टी के दो फाड़ होने के बाद इनेलो का सबसे खराब प्रदर्शन रहा और उसे मात्र 1.9 प्रतिशत वोट मिले।

2019 के लोकसभा चुनाव में इनेलो से टूटकर बनी जजपा 4.9 प्रतिशत वोट ले गई। यह इनेलो का ही वोट बैंक था।

दिनदहाड़े लूट: बंदूक के दम पर बदमाशों ने दुकानदार से लूटे एक लाख

सफीदों । हरियाणा के जींद की तहसील पिल्लूखेड़ा में नकाबपोश बदमाशों ने बंदूक के दम पर दुकानदार से एक लाख रुपये लूट लिए। पिल्लूखेड़ा तहसील के सामने दिनदहाड़े बाइक पर सवार तीन नकाबपोश युवकों ने एक सीएचसी संचालक से लूट की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पिल्लूखेड़ा इलाके में हड़कंप मच गया। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है। मामले की सूचना पिल्लूखेड़ा पुलिस को दी गई। सूचना पाकर एसआई राजेश कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वीरवार दोपहर करीब डेढ़ बजे पिल्लूखेड़ा मंडी की तहसील के सामने अमित फोटोस्टेट एवं सीएचसी दुकान पर तीन नकाबपोश युवक बाइक पर सवार होकर आए। उनमें से दो युवकों ने दुकान में प्रवेश किया और एक बाहर बाइक पर बैठा रहा। दुकान के अंदर जाकर दोनों युवकों ने दुकान मालिक अमित से रुपये निकालने को कहा। दोनों आरोपी खुद गल्ले में हाथ मारने लगे। इसपर दुकान मालिक ने विरोध किया तो दोनों युवकों ने उस पर बंदूक तान दी। पिस्तौल को तानने के बाद दोनों युवक उसके गल्ले से करीब एक लाख रुपये कैश निकाल लिए। बदमाशों ने दुकानदार से और रुपये निकालने को कहा। दुकानदार ने काउंटर के अन्य दराज में जो पैसे थे वो भी निकालकर उन्हें दे दिए। इसके बाद आरोपी बाहर खड़े तीसरे युवक के साथ बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। मामले की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने दुकान व आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तार करेंगे।

हिसार में महापंचायत का अल्टीमेटम: दोपहर 12 बजे तक नहीं पकड़े गए आरोपी तो सड़क या रेल रोको आंदोलन करेंगे

हिसार हरियाणा के हिसार में आनंद हत्याकांड में बुधवार दोपहर मय्यड़ में महापंचायत के दौरान गठित कमेटी ने शाम 4 बजे फैसला सुनाते हुए प्रशासन को चेतावनी दी। इसमें कहा कि प्रशासन ने वीरवार दोपहर 12 बजे तक आरोपियों को नहीं पकड़ा तो प्रदेशभर में सड़क या रेल रोको आंदोलन शुरू करेंगे। वहीं, परिजनों ने वारदात के छठे दिन भी नागरिक अस्पताल से शव नहीं उठाया है।

खरड़-अलीपुर में 15 अगस्त की रात आनंद की गोलियां मारकर हत्या करने के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर महापंचायत हुई। महापंचायत में 7 खाप, 22 से अधिक गांवों के लोगों के साथ किसान संगठनों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए...मय्यड़ गांव की पैक्स सोसायटी में वीरवार सुबह से ही खाप, किसान संगठनों के पदाधिकारियों के अलावा मय्यड़, भगाना, लाडवा, खरड़-अलीपुर, सरसौंद, घिराय, सुलखनी समेत करीब 22 गांवों के ग्रामीण जुटना शुरू हो गए। दोपहर 12:15 बजे महापंचायत एडवोकेट अजीत सिंह मलिक अध्यक्षता में शुरू हुई। इस दौरान वक्ताओं ने 1:30 बजे प्रशासन को एक घंटे का समय दिया। वक्ताओं ने प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि हांसी में जजपा नेता रविंद्र सैनी हत्याकांड और हिसार में महिंद्रा शोरूम पर हुई फायरिंग करने के आरोपियों को पुलिस विदेश से पकड़ कर ले आई। आनंद हत्याकांड में पुलिस अभी तक सरपंच और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी तक नहीं कर पाई है। आरोप है कि पुलिस संघर्ष कर रहे ग्रामीणों और मृतक के परिजनों को गुमराह कर रही है। सरकार जाति के आधार पर लड़वाना चाहती है।

प्रशासन के साथ दूसरे दौर की वार्ता भी विफल...एक घंटे के समय के बाद धरनास्थल के पास पहुंचे एसडीएम जगदीप सिंह, डीएसपी विजयपाल, सदर थाना प्रभारी सुरेंद्र के साथ कमेटी की बैठक हुई। प्रशासन की तरफ से कहा गया कि उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक से बातचीत कर लें। इस पर कमेटी के सदस्यों ने जाने से इन्कार कर दिया। इस दौरान प्रशासन के साथ दूसरे दौर की वार्ता भी विफल रही। इसके बाद कमेटी के सदस्यों ने धरनास्थल पर पहुंच कर ग्रामीणों को बताया। बाद में करीब चार बजे कमेटी ने धरनास्थल पर अपना फैसला सुनाया।

खाप प्रतिनिधि बोले- अब बातचीत नहीं एक्शन होगा...धरनास्थल पर बारह खाप के प्रधान सुरेश कोथ, नैन खाप के प्रवक्ता रंगी नैन ने कहा कि अब वे प्रशासन के साथ कोई बातचीत नहीं करेंगे। सरकार और प्रशासन को वीरवार दोपहर 12 बजे तक का समय दिया जाता। इस तय समय के दौरान आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो 12 बजे के बाद कमेटी के सदस्य बैठक करेंगे। इसके बाद प्रदेशभर में सड़क मार्ग या रेलमार्ग को बाधित करने का फैसला लिया जाएगा। जिस पर सभी ने सहमति जताई।

महापंचायत में ये लोग पहुंचे...महापंचायत में सातबास खाप के प्रधान बलवान मलिक, बारह खाप के प्रधान सुरेश कोथ, नैन खाप के प्रवक्ता रंगी नैन, पूनिया खाप के प्रधान शमशेर नंबरदार, सतरोल खाप के प्रवक्ता धर्मपाल बडाला, सहरावत खाप के राजबीर सहरावत, भ्याण खाप के प्रवक्ता नरेश भ्याण, किसान नेता विकास सीसर, रणबीर मलिक, धोला जेवरा, कुलदीप खरड़, सिसाय से सरपंच प्रदीप कुमार, जैमल पूनिया, ओमप्रकाश सहावत, बलवान लोहान, पूर्व मेजर सतपाल, दलजीत पंघाल, जोगेंद्र मय्यड़ आदि पहुंचे।

जो आरोपी हैं, उन पर हो कार्रवाई...आनंद हत्याकांड के जो आरोपी हैं उनको पुलिस तुरंत गिरफ्तार करें। प्रशासन की तरफ से समझौते का दबाव बनाया जा रहा है, लेकिन किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं, आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

छह दिन से शव की बेकद्री की जा रही है। परिवार का बुरा हाल है। जब तक परिवार को न्याय नहीं मिल जाता संघर्ष जारी रहेगा। - दलजीत पंघाल, किसान नेता

न्याय के लिए लड़ाई जारी रहेगी....हत्या के मामले में गवाहों के बयान पर पुलिस ने सरपंच समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया। इसके बाद भी पुलिस प्रशासन किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। मुख्यमंत्री जातीय दंगा भड़काने की साजिश कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन गुमराह कर रहा है। जब तक न्याय नहीं मिल जाता, लड़ाई जारी रहेगी। - शमशेर नंबरदार, पूनिया खाप प्रधान

समाज को न्याय नहीं मिला तो नौकरी करना सीखा देंगे...पंचायत की प्रक्रिया होती है सबको मौका देना। डीसी और एसपी को पता है वह कार्रवाई नहीं कर रहे मोलभाव कर रहे हैं। सरकार, एसपी और डीसी समाज को न्याय दिला दें नहीं तो नौकरी करना सीखा देंगे।

जिस भाषा में वे बात कर रहे हैं, पता है न्याय की मांग कर रहे हैं, धैर्य की ज्यादा परीक्षा न लें। - सुरेश कोथ, बारह खाप प्रधान

बांग्लादेश में ISI रच रही थी भारत के खिलाफ 'ऑपरेशन पिन कोड 2.0'! अलर्ट पर खुफिया एजेंसियां

बांग्लादेश। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ साजिश रच कर सत्ता से बेदखल करने के बाद पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के मंसूबे इन दिनों चरम पर हैं। आईएसआई अब बांग्लादेश को बेस बना कर भारत के खिलाफ बड़ा गेम प्लान तैयार कर रही है। इसके लिए आईएसआई ने बांग्लादेश में अपने एजेंट्स को भी एक्टिव कर दिया। खुफिया एजेंसियों से मिले ताजा इनपुट के मुताबिक आईएसआई ने भारत के खिलाफ 'ऑपरेशन पिन कोड 2.0' शुरू किया है। हालांकि आईएसआई की गतिविधियों पर देश की खुफिया एजेंसियों की पूरी नजर है। आईएसआई ने जानबूझ कर 'ऑपरेशन पिन कोड 2.0' की शुरूआत 15 अगस्त 2024 को की है और उस दिन बांग्लादेश के अंदर बैठ कर आईएसआई ने भारत के खिलाफ अपना फ्यूचर प्लान तैयार कर दिया है।

जानबूझ कर चुना 15 अगस्त का दिन...अमर उजाला को इंटेलिजेंस एजेंसियों से मिले खुफिया इनपुट के मुताबिक पाकिस्तान ने जानबूझ कर 15 अगस्त का दिन चुना है। क्योंकि यह दिन भारत और बांग्लादेश दोनों के लिए महत्व रखता है। एक तरफ भारत जहां अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है, तो वहीं बांग्लादेश में 15 अगस्त को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन पाकिस्तान के इशारे पर शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान की हत्या कर दी गई थी। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि 15 अगस्त को पाकिस्तान की इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) का रिटायर्ड ब्रिगेडियर डीके बक्श, जो

बांग्लादेश में बैठ कर इनके ऑपरेशन संभाल रहा है, उसने एक खुफिया बैठक की। बांग्लादेश के सिलहट शहर के अंबरखाना इलाके में हुई इस बैठक में बक्श के अलावा जमात-ए-इस्लाम का संस्थापक अब्दुल हसन मुआदिश, मुस्लिम लिबरेशन फ्रंट ऑफ म्यांमार का लीडर मौलाना अब्दुल कादिर मुल्ला और चटगांव, बांग्लादेश में स्थित हरकत-उल-जिहाद-ए-इस्लामिक (लुवखक) का लीडर शेख फरीद शामिल हुए। इस बैठक के लिए जमात पाकिस्तान के कई लोग हवाई मार्ग से बांग्लादेश पहुंचे।

बॉर्डर पर लगाए जाएंगे 19 ट्रेनिंग कैंप...सूत्रों ने बताया कि आईएसआई के इशारे पर ऑपरेशन पिन कोड 2.0 के तहत बांग्लादेश को एक बेस बनाकर भारत के नॉर्थ ईस्ट को डिस्टेबलाइज करने की योजना बनाई है। इसके अलावा भारत से सटी बांग्लादेश की सीमा पर 19 ट्रेनिंग एस्टेब्लिश करने की भी तैयारी है। साथ ही, असम-मेघालय सीमा पर घुसपैठ बढ़ाने की भी आईएसआई साजिश रच रही है। सूत्रों के मुताबिक इन कैंप्स में आतंकियों को रेडिकल ट्रेनिंग के अलावा आर्म्स ट्रेनिंग भी दी जाएगी। जिसके बाद रेडिकलाइज लोगों को तैयार करके असलहा-बारूद के साथ बॉर्डर से घुसपैठ कराई जाएगी। ऑपरेशन पिन कोड के तहत सबसे पहले नॉर्थ-ईस्ट में आने वाले चार से छह महीनों में छोटे-मोटे दंगे करवा कर वहां का माहौल खराब करने की भी साजिश रची गई है।

बांग्लादेश में जबरन लिए जा रहे हैं इस्तीफे...वहीं, बांग्लादेश में सत्ता पलट के बाद वहां बांग्लादेश सिविल सर्विसेज से जुड़े लोगों के जबरन इस्तीफे भी कराए जा रहे हैं। ये वे लोग हैं, जो या तो अल्पसंख्यक हिंदू हैं या फिर अवामी लीग को समर्थन करते हैं। साथ ही हिंदू टीचरों से भी जबरन मारपीट करके इस्तीफे लिए जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि नई अंतरिम सरकार पूरी तरह से बीएनपी के इशारे पर काम कर रही है। अभी 323 म्यूनिसिपल मेयर, 60 जिला परिषद और 493 उप परिषदों को भंग किया जा चुका है। इसके लिए बकायदा गजट भी जारी किया है। खास बात यह है कि यह सभी लोग निर्वाचित हैं, जिन्हें एक ही झटके में बर्खास्त कर दिया गया।

भारत को तोड़ कर बंगिस्तान बनाने की तैयारी

सूत्रों ने बताया कि आईएसआई ने बंगिस्तान या बृहद बांग्लादेश बनाने की भी योजना तैयार की है। इस ग्रेटर बांग्लादेश में भारत के नॉर्थ ईस्ट की टेरिटरीज को तोड़ा जाएगा। इसके लिए जरूरी फंड जुटाने को लेकर भी आईएसआई ने प्लानिंग बनाई है। इसके तहत पैसा हवाला के जरिए इस्लामिक बैंक ऑफ सऊदी अरेबिया से आएगा। इस्लामाबाद स्थित इस्लामिक डेवलपमेंट बैंक की कई ब्रांच बांग्लादेश में खोली जा चुकी हैं। इन बैंकों में रेमिटेंस आएगा इस पैसे को इस तरह दिखाया जाएगा कि यह बांग्लादेश में मुसलमानों के विकास के लिए यह पैसा आया है। और इस पैसे को 19 ट्रेनिंग कैंप्स में ट्रांसफर किया जाएगा। इसके अलावा असम औ? नॉर्थ ईस्ट के इलाकों में नार्को टेरेरिज्म के जरिए भी पैसा जुटाने की भी तैयारी है। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश के ब्राम्हणबरिया जिले से सटे बॉर्डर इलाकों और संवेदनशील असम-मेघालय सीमा पर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है।

पाकिस्तान के कसूर में भी हुई थी लश्कर की बैठक

बता दें, कि अमर उजाला ने ही खुलासा किया था कि 14 अगस्त को पाकिस्तान पंजाब के कसूर में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के टॉप आतंकियों की एक बैठक हुई थी। आतंकियों की इस बैठक में लश्कर का चीफ और को-फाउंडर अब्दुल रहमान मक्की, लश्कर का कमांडर इब्तिसाम इलाही जहीर, लश्कर का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी, लश्कर का को फाउंडर अमीर हमजा और मुंबई हमले का मास्टरमाइंड लश्कर सरगना आतंकी हाफिज सईद का बेहद करीबी और लश्कर का फाइनेंस सेक्रेटरी हैरिस डार भी शामिल हुआ था। बैठक में बांग्लादेश में पैदा हुए ताजा हालात का फायदा भारत के खिलाफ उठाने की बात कही गई थी। इस बैठक में संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का को-फाउंडर अमीर हमजा ने बेहद भड़काऊ भाषण दिया है। अमीर हमजा ने कहा कि 52 साल बाद, पाकिस्तान बांग्लादेश में अपने उद्देश्य में सफल रहा है। अब भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सैंडविच बन गया है। वहीं, लश्कर के फाइनेंस सेक्रेटरी हैरिस डार ने इस बैठक में भारत पर निशाना साधते हुए कहा कि जब पाकिस्तान को आजादी मिली थी तो नेहरू ने भविष्यवाणी की थी कि पाकिस्तान छह महीने से एक साल भी नहीं टिक पाएगा, फिर भी 77 साल बाद भी पाकिस्तान दुनिया के नक्शे पर बरकरार है। उसने पाकिस्तान को दुनिया का एकमात्र एटमी ताकत वाला इस्लामिक मुल्क बताते हुए कहा कि बांग्लादेश में भारत और उसके हिंदुत्व एजेंडे को कुचल दिया गया है। हैरिस डार वही शख्स है, जिसे हाल ही में ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर लौटे पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम के साथ देखा बैठे गया था। सूत्रों ने बताया कि हैरिस डार भारत में घुसपैठ करने वाले लश्कर के आतंकवादियों को मेडिकल और फर्स्ट एड के स्किल्स सिखाता था। उसे लश्कर के ट्रेनिंग कैंपों में भी देखा गया है।

बांका : खेत में फसल चर गई बकरी,विवाद के बाद दामाद ने ससुराल में युवक के सीने में मारी गोली

संवाददाता।

बांका। जिले के शंभूगंज थाना क्षेत्र के नरौन गांव में बुधवार देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप गांव के ही एक व्यक्ति पर लगा है, जिसने अपनी बेटी की शादी मृतक के साथ की थी। बताया जा रहा है कि बकरियों द्वारा फसल चरने को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था, जिसके बाद आरोपी ने गुस्से में आकर युवक पर गोली चला दी।

मृतक की पहचान सुधांशु कुमार (25) के रूप में हुई है। सुधांशु की शादी 2018 में मनोज कुमार सिंह नाम के युवक से हुई थी। मनोज मूल रूप से बल्ली कित्ता गांव का रहने वाला है, लेकिन शादी के बाद से वह अपने ससुराल नरौन गांव में ही रह रहा था। घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल है।

पुलिस ने बताया कि बुधवार देर रात बकरियों द्वारा फसल चरने को लेकर सुधांशु और मनोज में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मनोज ने अपनी कमर से पिस्तौल निकाली और सुधांशु के सीने पर गोली मार दी। गोली लगते ही सुधांशु वहीं ढेर हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांका भेज दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी मनोज फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक की मां सविता देवी और सेवानिवृत्त होमगार्ड पिता विष्णुदेव सिंह का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने दो भाइयों में सबसे बड़ा था।

शंभूगंज थाना के अपर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार ने बताया, 'मामले की जांच की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।' उन्होंने कहा, 'मामले की जांच-पड़ताल कर दोषी लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा।'

बिहार के स्कूलों में ही बनेगा बर्थ सर्टिफिकेट गार्जियन से मांगे जा रहे जरूरी कागजात

संवाददाता।

पटना/बगहा। बिहार सरकार अब स्कूलों में ही बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनवाएगी। इसके लिए बच्चों को आधार कार्ड के साथ-साथ जन्म प्रमाण पत्र भी स्कूल में देना होगा। बिहार सरकार ने यह फैसला इसलिए लिया है ताकि बच्चों को आसानी से जन्म प्रमाण पत्र मिल सके। इसके लिए सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता से उनके जरूरी कागजात और फॉर्म लिए जा रहे हैं। ये फॉर्म और कागजात प्रखंड संसाधन केंद्र में जमा किए जाएंगे, जहां से बच्चों को उनके जन्म प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

पश्चिमी चंपारण के बगहा में शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को निर्देश जारी कर दिया है कि जिन बच्चों के पास आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, उनकी पहचान करके उनके माता-पिता से जरूरी कागजात माँगे जाएँ।

बगहा के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी पूनम कुमारी ने बताया, 'सभी प्राथमिक और मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधान शिक्षकों को निर्देशित किया गया है कि उन छात्रों को चिन्हित किया जाए जिनका अबतक आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाया है। ऐसे छात्रों को चिन्हित करते हुए अभिभावकों से छात्रों का जन्म प्रमाण-पत्र से संबंधित कागजात लेकर फॉर्म भरकर प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं, ताकि जन्म प्रमाण पत्र से संबंधित आवश्यक फॉर्म को प्रखंड संसाधन केंद्र में जमा कराया जा सके।' राजकीय कन्या मध्य विद्यालय बगहा के प्रधानाध्यापक संजय कुमार राय ने बताया, 'विभागीय निर्देश के आलोक में छात्र-छात्राओं को प्रार्थना सत्र के साथ वर्ग कक्षा में शिक्षकों द्वारा छात्रों को जानकारी देते हुए जन्म प्रमाण पत्र से संबंधित आवश्यक कागजात के साथ फॉर्म भरने के लिए छात्रों को निर्देशित किया गया है। ताकि, समय से छात्रों का कागज प्रखंड संसाधन केंद्र में भेजा जा सके। इस पहल से अभिभावकों को राहत मिली है।'

दलाई लामा से मिली अमेरिकी अधिकारी तिब्बतियों के लिए दोहराई प्रतिबद्धता

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की जगह एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा से मुलाकात की है। बता दें कि 89 वर्षीय तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा 28 जून 2024 को घुटने की सफल रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद से न्यूयॉर्क में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

अमेरिका के बिल का चीन ने किया विरोध...तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा और अमेरिकी विदेश विभाग के शीर्ष अधिकारी की ये मुलाकात राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से एक विधेयक पर हस्ताक्षर करने के महीनों बाद हुई है, जो तिब्बत के लिए अमेरिकी समर्थन को बढ़ाता है और सुदूर हिमालयी क्षेत्र की स्थिति और शासन पर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चीन और दलाई लामा के बीच संवाद को भी बढ़ावा देता है। अमेरिका सीनेट से फरवरी में पास किए गए तिब्बत रिजाल्व बिल का चीन कड़ा विरोध किया है। चीन ने इसे अस्थिर करने वाला बताया था।

न्यूयॉर्क में दलाई लामा से मिलीं उजरा जेया...दलाई लामा को राष्ट्रपति जो बाइडन का संदेश अमेरिका की अवर सचिव, नागरिक सुरक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकार व तिब्बती मुद्दों के लिए विशेष समन्वयक, उजरा जेया द्वारा दिया गया। विदेश विभाग की ओर से जारी एक बयान के अनुसार उजरा जेया बुधवार को दलाई लामा से मिलने के लिए न्यूयॉर्क गई थीं।

बाइडन ने दलाई लामा को भेजी शुभकामनाएं...अमेरिकी विदेश विभाग के बयान में कहा गया है कि इस मुलाकात के दौरान, उजरा जेया ने राष्ट्रपति बाइडन की ओर से दलाई लामा के अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दीं और तिब्बतियों के मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने और उनकी विशिष्ट ऐतिहासिक, भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दलाई लामा के अहिंसा और करुणा को बढ़ावा देने के लिए आजीवन समर्पण का स्वागत करते हुए, जेया ने उनके साथ तिब्बती सांस्कृतिक संरक्षण, तिब्बत के अंदर मानवाधिकारों के हनन को संबोधित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के चल रहे प्रयासों और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) और परम पावन और उनके प्रतिनिधियों के बीच बातचीत को फिर से शुरू करने के लिए समर्थन के बारे में चर्चा करने का अवसर भी लिया।

धर्मशाला में भी उजरा जेया ने की थी दलाई लामा से मुलाकात...जानकारी के मुताबिक अंडर सेक्रेटरी उजरा जेया के साथ राष्ट्रपति के विशेष सहायक और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के लोकतंत्र और मानवाधिकार के वरिष्ठ निदेशक केली रज्जौक भी शामिल हुए। इससे पहले मई 2022 में, उजरा जेया ने भारत और नेपाल की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान, धर्मशाला में दलाई लामा के आवास पर उनसे मुलाकात की थी।

भतीजी से शादी करने वाले डिप्टी कमिश्नर का आया वीडियो

संवाददाता।

पटना/बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय नगर निगम के उपनगर आयुक्त (डिप्टी कमिश्नर) शिव शक्ति कुमार ने अपने भतीजी से लव मैरिज कर ही लिया। हालांकि, लड़की के परिजनों ने वैशाली जिले में 13 अगस्त को अपहरण का आरोप लगाकर प्राथमिक दर्ज कराई थी। अब वो मामला अपहरण का नहीं बल्कि प्रेम प्रसंग का निकला। अपहरण के आरोपी शिव शक्ति कुमार ने अपने रिश्ते की भतीजी सजल सिंधु के साथ खगड़िया के कात्यायनी मंदिर में शादी कर ली। शादी के बाद दोनों का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने इस मामले और अपनी लव स्टोरी को लेकर खुलकर बात की है। नवविवाहित जोड़े ने जहां एक ओर समाज को किताबों में पढ़े गए प्रेम को सिर्फ पढ़ने तक नहीं बल्कि अपनाने की अपील की, तो वहीं वैशाली पुलिस प्रशासन से भी अनुरोध किया गया है कि जो कथित अपहरण का कराया गया है, वो पूरी तरह से झूठ है। हम लोगों ने शादी की है।

सजल सिंधु ने इसको लेकर मानवाधिकार आयोग, बार काउंसिल और चीफ जस्टिस को मेल किया है। वहीं, डिप्टी कमिश्नर शिव शक्ति कुमार ने अपनी जान पर खतरा बताते हुए सुरक्षा मुहैया करने की मांग की है। हालांकि, दोनों अभी सामने नहीं आए हैं ना तो शिव शक्ति अपने बेगूसराय नगर निगम कार्यालय पहुंचे और ना ही दोनों घर पहुंचे हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों अभी खगड़िया में एक ठिकाने पर रह रहे हैं।

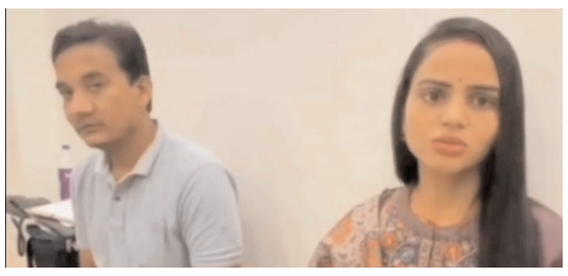

वीडियो में शिव शक्ति ने कहा है कि अगर आप प्रेम करते हैं तो प्रेम के प्रति समर्पण होना चाहिए। आर्थिक मोह और सामाजिक प्रतिष्ठा के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए ना ही इन चक्करों में पड़कर शादी करनी चाहिए। हमने प्रेम के प्रति समर्पण दिखाया और वो बगैर दहेज शादी की मिसाल कायम किए हैं। दहेज प्रथा तभी समाप्त होगी, जब हम अपनाएंगे। समाज के लोग फंडामेंटल राइट को नहीं जानते हैं। लोग सामाजिक परंपरा को ही नैतिकता मानते हैं। इसी के कारण प्रेम विवाह का विरोध होता है। ये गलत है। प्रेम करना और प्रेम में समर्पित होकर शादी करना फंडामेंटल राइट है।

वीडियो में लड़की ने कहा कि मेरा नाम सजल है। मेरा घर मनुआ हुआ। मेरे पिता जी का नाम प्रोफेसर विजय कुमार गर्ग हुआ। हम दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते हैं, तकरीबन 10 साल से। अब हम लोग शादी करने जा रहे हैं। शादी करना हमारा मूल अधिकार है। वर चयन का अधिकार संविधान के अनुसार मेरा ही होना चाहिए, इसलिए मैं कर रही हूं। हम दोनों एक-दूसरे से शादी कर रहे हैं। डिप्टी कमिश्नर शिव शक्ति कुमार ने कहा कि हमारे खिलाफ वैशाली जिले के हाजीपुर सदर थाना में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया है। हमने अपहरण या अनैतिक कार्य नहीं बल्कि प्रेम विवाह किया है। जीवन रक्षा के लिए प्रशासन सुरक्षा मुहैया कराए।

वहीं, सजल सिंधु ने कहा है कि हमने प्रेम के बाद शादी की है। ये चुनौती है, लेकिन चुनौतियों से भाग कर हम अपना निर्णय नहीं बदल सकते हैं। प्रेम किया है तो शादी की। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात उनके लिए है, जो इन चीजों को नहीं समझते हैं। हम घर और समाज को संदेश दे रहे हैं कि जिसको अपने आप अपने व्यवहार में नहीं उतर पा रहे हैं। उसे उतारने की कोशिश करनी चाहिए। किताबों में बहुत सारे आदर्श का उल्लेख होता है। जिसे सबने पढ़ा है लेकिन महत्वपूर्ण ये है कि उसे हम व्यवहारिक जीवन में कितना उतार पाते हैं।

सजल ने कहा कि हम लोगों का पैतृक निवास एक ही जगह है, 2015 से हम दोनों एक-दूसरे के साथ हैं। 2015 में मैट्रिक पास करने के बाद मैं बनारस के सेंट्रल हिंदू गर्ल स्कूल में इंटर की पढ़ाई करने के लिए गई। शिव शक्ति पीजी करने गए थे, हम दोनों पहले एक-दूसरे को जानते थे। वहीं मिले। पहले से विचार को समझते थे, वहां वक्त मिला तो एक-दूसरे की विचारधारा को गहराई से जाना और समझा। धीरे-धीरे प्रेम बढ़ते गया। चरणबद्ध तरीके से बढ़ते-बढ़ते 14 अगस्त को हमने खगड़िया के चर्चित शक्ति पीठ मां कात्यायनी के समक्ष प्रेम विवाह कर लिया। समाज की विडंबना है कि आज हमें बताना पड़ रहा है कि हम ने प्रेम विवाह कर लिया है। हम औपनिवेशिक काल से बाहर आधुनिक दुनिया में प्रवेश कर चुके हैं। राधा-कृष्ण के प्रेम की पूजा करते हैं, लेकिन उनके प्रेम को समझते नहीं हैं। शिव शक्ति के विचार ने मुझे प्रभावित किया वो जो निर्णय लेते हैं वो संवैधानिक और विधि के अनुकूल लेते हैं। हमेशा सही निर्णय लेते हैं। प्रेम में लड़ाई होते रहता है और आज हम अपने प्रेम को साबित करने के लिए लड़ना पड़ रहा है।

हमने अपने व्यवहार से इन्हें शिव शक्ति को प्रेरित किया था। तभी तो इन्होंने पहली बार कहा था कि लगता है हम एक-दूसरे के लिए बने हैं। साथ आ जाए तो दुनिया को बेहतर काम कर सकते हैं। मूल अधिकार का प्रयोग जरूरी है। अधिकारी बनते ही लोग बदल जाते हैं। हमको भी एक पल ऐसा लगा था कि शिव शक्ति अधिकारी बन गए हैं, बदल जाएंगे। अगर, वो अलग हो जाते तो मेरा सपना कभी साकार नहीं होता। अब हमने प्रेम विवाह कर लिया है और मन में निश्चय किया है कि यूपीएससी की तैयारी करेंगे। सजल ने बताया कि 2 जनवरी 2023 को मेरे पिताजी का निधन हो गया। डेढ़ साल से मानसिक दबाव में रही। टूट रही थी। अब मां दुर्गा और भगवान कृष्ण के आशीर्वाद से शिव शक्ति सहभागी बने हैं। हमारे और शिव शक्ति के खिलाफ वैशाली में एफआईआर दर्ज हुई है। जिसमें उनके जीजा मां और पुणे में कार्यरत भाई के अलावा एक अन्य का भी नाम है। एफआईआर के माध्यम से हम दोनों के जीवन को डिस्टर्ब करने का प्रयास किया गया है।

हमारे परिवार से अपील है कि मैं शिव शक्ति को 10 साल से जानती हूं लेकिन परिवार को 24 सालों से जान रही हूं। आग्रह है कि हमारे परिवार के लोग किताब में पढ़ी चीज को जीवन में शामिल करें। हमारे रिश्ते को स्वीकार करें, हम उनके बच्चे हैं। उन्हें समझना चाहिए की प्रेम व्यक्तिगत निर्णय होता है, उसमें दखल नहीं दे।

वैशाली प्रशासन से अनुरोध है कि अपहरण के एफआईआर में कोई सच्चाई नहीं है। ऐसा होता तो हम सामने आकर बात नहीं करते। सामाजिक कुरीतियों परंपराओं को समाज ने संवैधानिक नियम मान लिया है। ये दुखद है।

अपने पति के परिवार ही नहीं बल्कि पूरे समाज की महिलाओं की सुरक्षा के लिए हमने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, बार काउंसिल ऑफ बिहार और वैशाली कोर्टस के जज को मेल किया है। हमने उन्हें प्रमाण दिया है कि हमने हिंदू रीति-रिवाज से शादी की है। सिर्फ शादी नहीं की है बल्कि प्रेम क्या होता है, उसे भी बताया है। मैं अपनी जिंदगी के बाद भी मिसाल कायम करूंगी, प्रेम सच्चा होता है।

जन जागरूकता के साथ परिवार नियोजन का लक्ष्य करें हासिल : सीएस

परिवार नियोजन कार्यक्रम के सुदृढीकरण हेतु जिले के चिकित्सा पदाधिकारीयों की हुई समीक्षात्मक बैठक

संवाददाता।

मोतिहारी । परिवार नियोजन कार्यक्रम के सुदृढीकरण हेतु जिले के चिकित्सा पदाधिकारीयों की समीक्षात्मक बैठक जिला स्वास्थ्य समिति सदर अस्पताल मोतिहारी में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिंह ने चिकित्सा पदाधिकारीयों को अधिक से अधिक परिवार नियोजन एवं सिजेरियन ऑपरेशन करने का निर्देश दिया। सीएस ने कहा की आशा कार्यकताओं नसबंदी, परिवार नियोजन कार्यक्रम में अपना बेहतर योगदान देना सुनिश्चित करें तभी जिले के आपेक्षित लक्ष्य की प्राप्ति हो सकती है। पीएसआई डीसी अमित कुमार ने पीपीटी के माध्यम से सिजेरियन समेत अन्य विषयों से सम्बन्धित डाटा शेयर किया। सीएस ने बताया की जन जागरूकता के साथ परिवार नियोजन का लक्ष्य हासिल करना आवश्यक है। अपर

मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ श्रवण कुमार पासवान ने कहा की सरकारी संस्थानों में अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध है। ऐसे में अब जिला एवं अनुमण्डलीय अस्पताल में लाभुकों को सिजेरियन का लाभ प्राप्त हो इसका ध्यान रखना आवश्यक है। स्वास्थ्य संस्थान में पदस्थापित आर एमएनसीएचए प्लस एन काउंसलर/ओपीडी इंचार्ज/लेबर रूम इंचार्ज की देखरेख में सम्पादित कराना सुनिश्चित करें। जनसंख्या पर नियंत्रण हेतु महिला बंधयाकरण एवं पुरुष नसबंदी सेवा के लिए मोबिलाइजेशन किया जाए। बेहतर कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया की सभी स्वास्थ्य केन्द्रों व उपकेन्द्रों पर परिवार नियोजन किट (कंडोम बॉक्स) उपलब्ध कराए जाएं। मौके पर डीसीएम नंदन झा ने बताया की सदर अस्पताल मोतिहारी में डॉ अरशद कमाल द्वारा 92, रश्मि श्री 30, डॉ सुरुचि 85, डॉ एस भाटिया 44, डॉ वंदना शर्मा 73, डॉ सुषमा 16 वहीं मेहसी में डॉ अमित कश्यप द्वारा 408, अनुमण्डलीय अस्पताल चकिया में डॉ चन्दन द्वारा 563, डॉ राजीव रंजन द्वारा 261, डॉ रश्मि प्रिया द्वारा 93 सिजेरियन किया गया है। डैम अभिजीत भूषण ने बताया की नवदंपत्ति को शगुन किट प्रदान की जाए और प्रत्येक उपकेन्द्र पर सास-बेटा-बहू सम्मेलन का आयोजन अधिक से अधिक किया जाए। परिवार कल्याण कार्यक्रम अन्तर्गत परिवार नियोजन के सभी समाग्रियों (कॉपर टी, माला एन, छाया, अन्तरा, कण्डोम, इत्यादि) की मांग एवं वितरण एप्प के माध्यम से करें। उक्त समाग्री के वितरण हेतु राज्य स्तर से प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थान के लिए यूजर आई डी एवं पासवर्ड तैयार कर उपलब्ध कराया गया है।

मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ श्रवण कुमार पासवान, डीसीएम नंदन झा, डैम अभिजीत भूषण, पीएसआई डीसी अमित कुमार, डॉ अरशद कमाल, डॉ वंदना शर्मा, डॉ चंदन व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

आरक्षण पर बिहार के दलितों में दो फाड़

चिराग और मांझी में 7 52 10 की लड़ाई शुरू

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। कभी मंडल कमीशन को लेकर सवर्ण और पिछड़ों के बीच जिस घमासान की कुरूप तस्वीर से पूरे भारत को गुजरना पड़ा था, आज आरक्षण को लेकर बहुत कुछ ऐसी ही कुरूप तस्वीर उभरने लगी है। इस उभार के साथ दलित राजनीति में भी फूट के बीज तो पड़ गए। अब आंदोलन का रुख पकड़ चुकी दलित राजनीति का भी विभाजन हो गया, जहां एक ओर संपन्न दलित तो दूसरी ओर गरीब दलित अपने अपने हक के लिए आमने-सामने हो गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2005 में महादलित आयोग बनाया। फिर इस आयोग के रिपोर्ट के बाद सीएम नीतीश कुमार ने 2007 में एक बड़ा फैसला करते हुए दलित और महादलित की बड़ी लकीर खींची थी। हो यह रहा था कि दुषाध, पासी, धोबी और रविदास सबसे ज्यादा लाभ आरक्षण या अन्य योजना मद में उठा रहे थे। तब नीतीश सरकार का एक बड़ा मकसद महादलित को बनाने को लेकर यह था कि वंचित दलित यानी महादलित को सरकार की योजनाओं का लाभ कैसे मिले। उसे कोटा के अंदर कैसे प्रमोट करें। योजनाओं का लाभ पहले कैसे मिले। मकसद यह था कि दलित की कुछ मजबूत जातियों को एक अलग कैटेगरी में रख कमजोर दलित को आरक्षण या फिर अन्य योजनाओं का लाभ मिल सके। लेकिन तत्कालीन दुषाद, पासी, धोबी और रविदास के नेताओं के दवाब में दलित महादलित का विभाजन समाप्त कर दिया।

हिन्दुस्तानी अवामी मोर्चा सेकुलर (हम) के नेता और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने वंचित दलित की आवाज बनकर उभरे हैं। इनका मानना है कि हमारी लड़ाई मुसहर, भुइयां, डोम, चमार, धोबी, नट मेहतर, तूरी, रजवार, भोक्ता और अन्य घुमंतू जातियों के लिए हैं। राजनीतिक गलियारों की माने तो

जीतन राम मांझी 10 प्रतिशत दलित की राजनीति कर रहे हैं और चिराग पासवान 7 प्रतिशत वोट की।

लोजपा सुप्रीमो चिराग पासवान वैसे तो कोर्ट के निर्णय के साथ खड़े हैं, जहां दलित में और कोई विभाजन रेखा नहीं चाहते। यह दीगर कि कभी ये भी कहते थे कि संपन्न दलित सुविधा छोड़ दें ताकि वंचित दलित आरक्षण की सुविधा ले सकें। वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश अश्क कहते हैं कि दलित राजनीति को लेकर जो चर्चा हो रही है वह कितना वाजिब है या गैर वाजिब यह समझना जरूरी है। ऐसा इसलिए कि यह निर्णय न्यायालय का है। इसमें कोई भी सरकार शामिल नहीं है। ऐसे मुद्दे पर राजनीति चलती रहेगी तो एक दिन दलित राजनीत ही खत्म हो जाएगी। ऐसा इसलिए भी अब दलितों को भी समझ में आने लगा है कि कौन हमारी हकमारी कर रहा है। वे कौन हैं जो आरक्षण का लाभ ऊपर ही ऊपर उठा लेते हैं। चिराग पासवान जो कहा करते थे कि संपन्न दलित को आरक्षण की सुविधा छोड़ देनी चाहिए। ताकि जो आरक्षण का लाभ नहीं उठा सके हैं उसे भी आरक्षण मिल सके। मगर वोट की राजनीत पर पकड़ बनाए रखने को 7 प्रतिशत राजनीति की रोटी सेंकने लगे हैं।

संक्षिप्त खबरें

'एमएसएमई के प्रति और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाएं', डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन ने ऋणदाताओं को दी नसीहत

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने वित्तीय संस्थानों से एमएसएमई (लघु व मध्यम उद्योगों) के प्रति अधिक संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने को कहा है। डिप्टी गवर्नर ने एमएसएमई के लिए ऋणों के पुनर्गठन विकल्पों जैसे सहायक उपायों को लागू करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि ऐसा करना चाहिए ताकि अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस क्षेत्र का समर्थन किया जा सके।

विदेशी मुद्रा डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ऋएऊअक)के वार्षिक दिवस पर बोलते हुए, डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एमएसएमई को किफायती ऋण तक पहुंच, भुगतान में देरी, बुनियादी ढांचे की अड़चनें और अनुपालन की आवश्यकताओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के मजबूत विकास के बिना भारत के आर्थिक परिवर्तन की यात्रा पूरी नहीं हो सकती।

बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "एमएसएमई न केवल हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, बल्कि वे विकास, नवाचार और रोजगार के इंजन हैं।" स्वामीनाथन ने कहा, "हालांकि, इन उद्यमों को वास्तव में फलने-फूलने और आगे बढ़ने के लिए, वित्तीय क्षेत्र को नए समाधान, संवेदनशीलता और दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा, "यह केवल ऋण प्रदान करने के बारे में नहीं है; यह इन उद्यमों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, निर्यात को बढ़ावा देने और 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के देश के लक्ष्य में योगदान करने में सक्षम बनाने से जुड़ा है। फ्हक 'एमएसएमई के प्रति और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाएं', डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन ने ऋणदाताओं को दी नसीहत

15 दिन में चार करोड़ आईटीआर की प्रक्रिया पूरी, 31 जुलाई तक भरे गए सात करोड़ से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए 15 दिन में चार करोड़ आयकर रिटर्न की प्रक्रिया पूरी की है। राजस्व सचिव संजय मलहोत्रा ने बताया कि 31 जुलाई तक कुल सात करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरे गए हैं। सचिव ने बुधवार को बताया, करीब 4.98 करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) की प्रक्रिया अब तक पूरी की गई है। इसमें से 3.98 करोड़ की प्रक्रिया 15 दिनों से भी कम समय में पूरी हुई है। एक दशक में प्रत्यक्ष कर राजस्व 5.59 लाख करोड़ से बढ़कर 20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। जीडीपी के अनुपात में कर 5.6 फीसदी से बढ़कर 6 फीसदी पहुंच गया है। करदाताओं को आसान भाषा में भेजें नोटिस शक्ति का विवेकपूर्ण इस्तेमालः सीतारमण वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कर अधिकारियों से कहा, वे करदाताओं को भेजे जाने वाले नोटिस या पत्रों में सरल शब्दों का इस्तेमाल करें।?साथ ही, शक्तियों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें। 165वें आयकर दिवस पर आयोजित समारोह में वित्त मंत्री ने कहा, फेसलेस आकलन व्यवस्था लागू होने के बाद अधिकारियों को अधिक निष्पक्ष व मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। छह माह में पूरी होगी समीक्षा

सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा, आयकर अधिनियम-1961 की समीक्षा छह महीने की निर्धारित समयसीमा में पूरी कर ली जाएगी।

चार साल में 1.20 लाख करोड़ की जीएसटी चोरी; 59000 फर्जी कंपनियों की चल रही जांच, अब तक 170 गिरफ्तार

नई दिल्ली बीते चार साल में देश में 1.20 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी पकड़ी गई है। इस दौरान 59,000 फर्जी कंपनियों का भी पता चला है। इनके खिलाफ जांच चल रही है। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि फर्जी तरीके से इनपुट क्रेडिट टैक्स का लाभ उठाने वाले 170 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा, टैक्स चोरी करने वालों की पहचान और उनके मास्टरमाइंड को पकड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर खास अभियान चला रखा है। इस बार यह अभियान 16 अगस्त से 15 अक्तूबर तक चलेगा। इसका मकसद संदिग्ध व फर्जी जीएसटीआईएन की पहचान करना, कंपनियों का सत्यापन और फर्जी बिल देने वालों को जीएसटी इकोसिस्टम से हटाने के उपाय करना शामिल है। अगर जीएसटीआईएन फर्जी है या मौजूद ही नहीं है, तो कर अधिकारी पंजीकरण को निलंबित करने और रद्द करने तथा इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को रोकने की कार्रवाई शुरू करेंगे।राजस्व सचिव संजय मलहोत्रा ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा, कार्रवाई और कारोबार को आसान बनाने के बीच संतुलन की जरूरत है। जीएसटी रिटर्न में लागू किए गए हालिया बदलाव जैसे जीएसटीआर-1ए से व्यवस्थित तरीके से चोरी से निपटने के प्रयासों में मदद मिलेगी।

एफएसएसएआई ने दुग्ध उत्पादों से अ1-अ2 जैसे दावे दावों को हटाने का निर्देश दिया, कहा- ऐसे दावे भ्रामक

नई दिल्ली खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई ने गुरुवार को ई-कॉमर्स कंपनियों सहित खाद्य व्यवसाय से जुड़ी कंपनियों से कहा है कि वे दूध और दूध से बने उत्पादों की पैकेजिंग पर से 'अ1'और 'अ2'जैसे दावे हटा दें। नियामक ने इस तरह की लेबलिंग को भ्रामक बताया है।

ाारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (ऋररअक) ने कहा कि ये दावे खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अनुरूप नहीं हैं।

अपने नवीनतम आदेश में, एफएसएआई ने कहा कि उसने इस मुद्दे की जांच की है और पाया है कि अ1 और अ2 का अंतर दूध में बीटा-केसीन प्रोटीन की संरचना से जुड़ा हुआ है। हालांकि, मौजूदा एफएसएसएआई नियम इस अंतर को मान्यता नहीं देते हैं।नियामक ने खाद्य व्यवसाय संचालकों का जिक्र करते हुए कहा, "एफबीओ (फूड बिजनेस ऑपरेटर) को अपने उत्पादों से ऐसे दावों को हटाने का निर्देश दिया गया है।" ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को भी इन दावों को उत्पादों और वेबसाइटों से तुरंत हटाने के लिए कहा गया है।

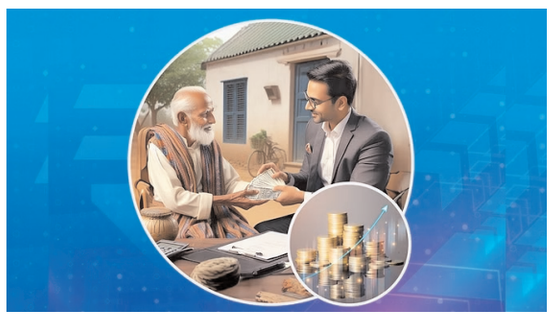

अब ओनएनडीसी पर बिना कागजी कार्रवाई के उपलब्ध होगा लोन, ग्राहकों को छह मिनट में ही उपलब्ध होगी ऋण की राशि

मुंबई ओपन नेटवर्क डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) ने ई कॉमर्स पर 12 मिलियन का मासिक लेन देन को पार कर लिया है। अब इस प्लेटफॉर्म पर ऋण मुहैया कराने से जुड़े उत्पाद भी उपलब्ध होंगे। यह पूरी तरह से डिजिटल और पेपरलेस लोन होगा जो ग्राहकों को केवल छह मिनट में उपलब्ध होगा। इस नए उत्पाद को प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने के लिए 9 खरीदार एप्लिकेशन (जिन्हें लेंडिंग सर्विस प्रोवाइडर कहा जाता है) और 3 लेंडर्स को एकीकृत किया गया है, जो क्रेडिट सेवाओं की एक्सेसिबिलिटी और दक्षता को बेहतर बनाने में ओएनडीसी नेटवर्क के मिशन को आगे बढ़ाएंगे।

इस डिजिटल लेंडिंग पहल का पहला उत्पाद वेतनभोगी और स्वनियोजित व्यक्तियों के लिए होगा। प्लेटफॉर्म पर खरीदारी एप्लिकेशन के रूप में ईजीपे, पैसाबाजार, टाटा डिजिटल, इवॉइसपे, क्लीनिक360, इंडिपे, टायरप्लेक्स और पेनियरबाय को शामिल किया गया है। जबकि ऋणदाता के रूप में आदित्य बिड़ला फाइनेंस, डीएमआई फाइनेंस और कर्नाटक बैंक को शामिल किया गया है।

ओएनडीसी के उत्पाद से डिजिटल लैंडिंग की दिशा में आएंगे व्यापक बदलाव...ओएनडीसी के अनुसार ऋण की सुविधा डिजिटली और कागजरहित तरीके से मात्र छह मिनट में उपलब्ध होगी। लोन देने के लिए, पूरी क्रेडिट प्रक्रिया में चार डिजिटल पब्लिक गुड्स को एकीकृत किया गया है- जैसे डेटा के लिए अकाउंट एग्रीगेटर, केवाईसी के लिए डिजिलॉकर/ आधार, पुनर्भुगतान के लिए ईएनएसीएच/ईमैंडेट, और एग्रीमेंट साइन करने के लिए आधार ईसाइन की जरूरत होगी। यह सुविधा देश के दूरदराज और कम सुविधाओं वाले इलाकों तक क्रेडिट की पहुंचाने में मददगार साबित होगा। ओएनडीसी पर उपलब्ध इस सुविधा से भारत में डिजिटल लैंडिंग की दिशा में व्यापक बदलाव आएंगे।

उधार लेने के अनुभव को सरल बनाना है लक्ष्य...ओएनडीसी के एमडी और सीईओ, टी कोशी ने बताया डिजिटल माध्यम से ऋणों की उपलब्धता और व्यापक प्रसार करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। एक ही प्रक्रिया में कई डिजिटल सिस्टम्स को एकीकृत करके, हम उधार लेने के अनुभव को सरल बना रहे हैं।

इस सुविधा के जरिए दूरदराज व कम सुविधाओं वाले इलाकों में भी ऋण की उपलब्धता का विस्तार होगा। इस सुविधा के शुरू होने से ना केवल ऋणदाता और खरीदार एप्लिकेशंस कीकी परिचालन लागत में कमी आती है, बल्कि वित्तीय समावेशन को भी बढ़ावा मिलता है। इससे पूरे देश में आर्थिक विकास होता है और अवसरों में विस्तार होता है।

बी2बी क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधा भी शुरू होने की संभावना...उन्होंने बताया कि इस डिजिटल क्रेडिट मॉडल के विस्तार में रुचि रखने वाले खरीदार एप्लिकेशंस की मजबूत पाइपलाइन है, जैसे कि मोबिक्विक, रुपीबॉस और समृद्ध.एआई, और लेंडर्स भी उपलब्ध हैं जैसे कि एचडीएफसी बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, फेयरसेंट, पहल फाइनेंस, फाइब, टाटा कैपिटल, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस फाइनेंस, एफटीकैश और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया।

छह मिनट में लोन लॉन्चिंग की सुविधा के बाद ओएनडीसी नेटवर्क ने सितंबर 2024 के अंत तक जीएसटी इनवॉइस फाइनेंसिंग लोन शुरू करने की योजना बनाई है। असुरक्षित क्रेडिट लाइन पर बोलते हुए ओएनडीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (वित्तीय सेवाएं) हृषिकेश मेहता ने कहा, हम कार्यशील पूंजी से शुरूआत कर रहे हैं, फिर हम बी2बी क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधा शुरू कर सकते हैं।

अमूल दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य-डेयरी ब्रांड, हासिल किया बीएसआई स्कोर

नई दिल्ली। भारतीय कंपनी अमूल दुनिया की सबसे मजबूत खाद्य एवं डेयरी ब्रांड बन गई है। स्विट्जरलैंड की नेस्ले ने 20.8 अरब डॉलर के साथ सबसे मूल्यवान ब्रांड का खिताब बरकरार रखा है। ब्रांड फाइनेंस फूड एंड ड्रिंक-2024 रिपोर्ट के मुताबिक, अमूल का प्रभावशाली ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स (बीएसआई) स्कोर 100 में से 91 है। इस कारण इसे एएए+ रेटिंग मिली है। खास बात है कि कंपनी का ब्रांड मूल्य 2023 की तुलना में 11 फीसदी बढ़कर 3.3 अरब डॉलर पहुंच गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमूल के व्यापक उत्पादों ने न सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में जाना-पहचाना नाम बना दिया है। भारतीय मक्खन बाजार में 85 फीसदी और पनीर में 66 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ अमूल की ब्रांड इक्विटी हर साल मजबूत होती जा रही है।

शीर्ष-100 में सिर्फ चार भारतीय कंपनियां...ब्रांड मूल्यांकन के लिहाज से दुनिया की शीर्ष-100 कंपनियों में सिर्फ चार भारतीय शामिल हैं। अमूल 3.3 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ सूची में 22वें स्थान पर है। 2023 की तुलना में कंपनी ने चार स्थान की छलांग लगाई है।

ब्रिटानिया पांच पायदान खिसककर 68वें स्थान पर आ गई है। मदर डेयरी सात पायदान की छलांग लगाकर 87वें स्थान पर है, जबकि नंदिनी 95वें स्थान पर है।

समग्र ब्रांड मूल्य में 4 फीसदी की गिरावट...वैश्विक स्तर पर खाद्य एवं पेय क्षेत्र का समग्र ब्रांड मूल्य 4 फीसदी घटकर करीब 268 अरब डॉलर रह गया है। इस गिरावट का कारण यह है कि उपभोक्ता पारंपरिक बड़े ब्रांड की तुलना में छोटे और निजी-लेबल वाली कंपनियों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

देश की आर्थिक गति बरकरार, 6.5 से 7 प्रतिशत वृद्धि हासिल करने की उम्मीद

नई दिल्ली । अनियमित मानसून के बावजूद भारत की आर्थिक गति बरकरार है और आर्थिक समीक्षा में 6.5 से 7.0 प्रतिशत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर का अनुमान सही जान पड़ता है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। जुलाई की मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार महीनों में अपनी गति बनाए रखी है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार (अप्रैल-जुलाई) महीनों में वस्तु एवं सेवा कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह कर आधार के विस्तार तथा आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के दम पर मुमकिन हुआ।

रिपोर्ट में कहा गया, ह्यह्यविनिर्माण और सेवा क्षेत्र के क्रय प्रबंधकों के सूचकांक के मजबूत प्रदर्शन से भी घरेलू गतिविधियों में मजबूती का पता चलता है। विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि का कारण मांग का बढ़ना, नए निर्यात ऑर्डर में तेजी तथा उत्पादन कीमतों का बढ़ना है। राजकोषीय मोर्चे पर इसमें कहा गया कि बजट वित्त वर्ष 2024-25 ने राजकोषीय मजबूती का मार्ग प्रशस्त किया है। मजबूत राजस्व संग्रह, राजस्व व्यय में अनुशासन तथा मजबूत आर्थिक प्रदर्शन के समर्थन से राजकोषीय घाटे में कमी आने का अनुमान है। साथ ही, इसमें कहा गया कि पूंजीगत व्यय को उच्च स्तर पर बनाए रखा गया है, जिससे नए निजी निवेश चक्र को समर्थन मिल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया, खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई 2024 में घटकर 3.5 प्रतिशत हो गई, जो सितंबर 2019 के बाद सबसे कम है। यह खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी का नतीजा है। दक्षिण-पश्चिम मानसून में स्थिर प्रगति ने खरीफ की बुवाई का समर्थन किया है। इसमें कहा गया है कि जलाशयों में जल स्तर का फिर से बढ़ना मौजूदा खरीफ तथा आगामी रबी फसल के उत्पादन के लिए अच्छा संकेत है। इससे आने वाले महीनों में खाद्य मुद्रास्फीति को कम करने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट में कहा गया, ह्यह्यकुल मिलाकर भारत की आर्थिक गति बरकरार है। कुछ हद तक अनियमित मानसून के बावजूद जलाशयों में जलस्तर की भरपाई हो गई है। क्रय प्रबंधकों के सूचकांक के अनुसार विनिर्माण और सेवा क्षेत्र बढ़ रहा है। इसमें कहा गया कि कर संग्रह, खासकर अप्रत्यक्ष कर (जो लेन-देन को दशार्ते हैं) अच्छी तरह बढ़ रहे हैं, तथा बैंक ऋण भी बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ह्यह्य मुद्रास्फीति कम हो रही है और वस्तुओं तथा सेवाओं दोनों का निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर रहा है। शेयर बाजार अपने स्तर पर बने हुए हैं। सकल प्रवाह बढ़ने के कारण प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ रहा है। इसमें कहा गया, फिलहाल 2023-24 की आर्थिक समीक्षा में चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 6.5-7.0 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान उचित जान पड़ता है।

इस साल 2.43 लाख नौकरियां घटीं, रिपोर्ट में दावा- अच्छे मुनाफे के बाद भी कम रही भर्ती की रफ्तार

नई दिल्ली। अच्छे मुनाफे के बाद भी शेयर बाजार में सूचीबद्ध बड़ी और मध्यम कंपनियों ने भर्तियों में कंजूसी दिखाई है। 6,000 सूचीबद्ध कंपनियों में से 1,196 के आंकड़ों से पता चलता है कि 2023-24 में सिर्फ 90,800 लोगों को ही काम मिला। 2022-23 में 3.34 लाख लोगों को काम मिला था। इस तरह, एक साल में कुल 2.43 लाख नौकरियां घट गई हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में भर्तियों में 1.5 फीसदी की तेजी देखी गई।?2022-23 में यह वृद्धि 5.7 फीसदी थी। ये आंकड़े कंपनियों के पेरोल पर काम करने वालों के हैं। इसमें दिहाड़ी और ठेके वालों की संख्या शामिल नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1,196 कंपनियों में से 700 ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई, जबकि 375 ने छंटनी की। 121 कंपनियों ने कोई बदलाव नहीं किया है। दरअसल, 2022-23 कोरोना के बाद का पहला वित्त वर्ष था। इस अवधि में कारोबारी गतिविधियों में तेजी रही, जिससे कंपनियों ने बड़ी संख्या में भर्तियां की थी।?हालांकि, 2023-24 में कारोबारी गतिविधियों में उतनी तेजी नहीं रही, जिसका असर भर्तियों पर देखा गया।

सबसे ज्यादा कर्मचारी आईटी में...आंकड़ों के मुताबिक, कुल रोजगार में लगभग 25 फीसदी हिस्सा के साथ आईटी क्षेत्र शीर्ष पर है। 22 फीसदी के साथ बैंकिंग दूसरे स्थान पर है। कुल कर्मचारियों का 47 फीसदी हिस्सा इन्हीं दोनों के पास है। इसके बाद वित्त, हेल्थकेयर और वाहन क्षेत्र हैं।

इन क्षेत्रों में स्थिरता...मीडिया एवं मनोरंजन, वाहन, कंज्यूमर ड्यूरेबल, बीमा, हेल्थकेयर, क्रूड व केमिकल क्षेत्र में स्थिरता रही।वहीं, कृषि, आईटी, ऊर्जा, कपड़ा, लॉजिस्टिक और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में छंटनी हुई ?है।?

ऑनलाइन विक्रेताओं ने दिए1.58 करोड़ रोजगार...ऑनलाइन विक्रेताओं ने देश में 1.58 करोड़ रोजगार दिएहैं। इनमें से 35 लाख रोजगार महिलाओं को मिले हैं। करीब 17.6 लाख खुदरा उद्यम ई-कॉमर्स गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं। दिल्ली स्थित नीति अनुसंधान संस्थान पहले इंडिया फाउंडेशन (पीआईएफ) की ओर तैयार ह्यभारत में रोजगार व उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स के शुद्ध प्रभाव का आकलन रिपोर्ट में कहा गया, ई-कॉमर्स भारत में रोजगार देने वाला प्रमुख क्षेत्र है। ऑफलाइन की तुलना में ऑनलाइन विक्रेता 54 फीसदी अधिक लोगों को रोजगार देते हैं और महिला कर्मचारियों की करीब दोगुनी है। यह रिपोर्ट वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जारी की। हर ई-कॉमर्स विक्रेता औसतन करीब 9 लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से दो महिलाएं हैं। वहीं, हर ऑफलाइन विक्रेता छह लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से सिर्फ एक महिला है।

छोटे शहरों के लोग करते हैं अधिक खर्च...बड़े शहरों के उपभोक्ताओं की तुलना में छोटे शहरों के ज्यादा लोग ऑनलाइन खरीदारी करते हैं।?वे हर महीने औसतन 5,000 रुपये से अधिक खर्च करते हैं।

ICRA का अनुमान: जीडीपी वृद्धि दर पहली तिमाही में 6% पर आ जाएगी

नई दिल्ली आईसीआरए ने गुरुवार को अनुमान जताया है कि सरकारी पूंजीगत व्यय में कमी और शहरी उपभोक्ता मांग कम होने के कारण अप्रैल-जून में भारत की आर्थिक वृद्धि दर छह तिमाहियों के निचले स्तर 6 प्रतिशत पर आ जाएगी।

आ ई सी आ र ए (Investment Informatin and Credit Rating Agency) को उम्मीद है कि पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, जीडीपी 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जो 2023-24 की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत से कम है। घरेलू रेटिंग एजेंसी ने एक बयान में कहा, "आईसीआरए ने सरकारी पूंजीगत व्यय में कमी और शहरी उपभोक्ता विश्वास में कमी के बीच, वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में जीडीपी के साल-दर-साल विस्तार को वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के 7.8 प्रतिशत से छह तिमाहियों के निचले स्तर 6 प्रतिशत पर लाने का अनुमान लगाया है।"

जून तिमाही की वृद्धि के आधिकारिक आंकड़े 30 अगस्त को टङ्गरढक (सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय) की ओर से जारी किए जाएंगे। 2023-24 की जून तिमाही (द1)में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत थी। कउफ्अ की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में संसदीय चुनावों और केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर सुस्त सरकारी पूंजीगत व्यय के कारण कुछ क्षेत्रों में अस्थायी रूप से सुस्ती देखी गई। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी उपभोक्ता विश्वास में आश्चर्यजनक गिरावट दर्ज की गई। इस बीच, पिछले साल के प्रतिकूल मानसून के लंबे समय तक चलने वाले प्रभाव और 2024 के मानसून की असमान शुरूआत ने ग्रामीण भावना में व्यापक सुधार को रोक दिया।

नायर के अनुसार, "कम मात्रा में वृद्धि और कमोडिटी की कीमतों में कमी ने कुछ औद्योगिक क्षेत्रों की लाभप्रदता को प्रभावित किया। गर्मी की लहर ने विभिन्न सेवा क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही को भी प्रभावित किया, हालांकि इस दौरान बिजली की मांग में महत्वपूर्ण इजाफा हुआ। नायर ने कहा, "संतुलन के आधार पर, हम वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में भारत के जीवीए (सकल मूल्य वर्धित) और जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की वृद्धि में क्रमशः 5.7 प्रतिशत और 6 प्रतिशत की क्षणिक नरमी की उम्मीद करते हैं।"

पूरे वित्त वर्ष 2025 के लिए, आईसीआरए को उम्मीद है कि जीडीपी और जीवीए वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक गतिविधि में इजाफा होगा और यह क्रमशः 6.8 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत रहेगी। विशेष रूप से, भारत सरकार के पूंजीगत व्यय के लिए काफी गुंजाइश है, जिसे पूरे वर्ष के बजट अनुमान को पूरा करने के लिए जुलाई-मार्च वित्त वर्ष 2025 में साल-दर-साल आधार पर 39 प्रतिशत तक बढ़ाने की जरूरत है। नायर ने कहा कि इससे वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि 7 प्रतिशत से ऊपर पहुंचने की उम्मीद है।

शेयर बाजार में बढ़त जारी, सेंसेक्स 148 अंक चढ़ा, निफ्टी 24811 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। वायदा कारोबार की एक्सपायरी के दिन भी घरेलू शेयर बाजार में बढ़त जारी रही। गुरुवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। 30 शेयरों का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 147.89 (0.18%) अंकों की बढ़त के साथ 81,053.19 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 50 शेयरों के बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी में 41.30 (0.17%) अंकों की मजबूती के साथ 24,811.50 के स्तर पर क्लोजिंग हुई।

कमोडिटी, टेलीकॉम और कंज्यूमर शेयरों में दिखी खरीदारी...वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच कमोडिटी, टेलीकॉम और कंज्यूमर शेयरों में खरीदारी के बाद इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स गुरुवार को बढ़कर 81,000 के ऊपर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 24,800 से ऊपर पहुंच गया। लगातार तीसरे दिन बढ़ते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 147.89 अंक या 0.18 प्रतिशत बढ़कर 81,053.19 पर बंद हुआ, जो लगातार तीसरे दिन बढ़त दर्ज करता है। दिन के दौरान, यह 331.15 अंक चढ़कर 81,236.45 के इंट्रा-डे हाई पर पहुंचा। लगातार छठे सत्र में बढ़त को बढ़ाते हुए, एनएसई निफ्टी 41.30 अंक या 0.17 प्रतिशत मजबूत होकर 24,811.50 पर बंद हुआ।

भारती एयरटेल के शेयर 1.63% मजबूत हुए...सेंसेक्स के शेयरों में भारती एयरटेल सबसे ज्यादा 1.63 फीसदी चढ़ा, उसके अलावे टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट्स के शेयर भी मजबूत हुए। दूसरी ओर, एमएंडएम, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, टीसीएस और पावरग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "सकारात्मक वैश्विक रुझान के कारण घरेलू बाजार में मामूली बढ़त देखी गई। विशेष रूप से, अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल डेटा में कमजोरी के हालिया संकेतों ने सितंबर में संभावित ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को मजबूत किया है।

एशियाई बाजारों में, टोक्यो, सियोल और हांगकांग में दिखी बढ़त...एशियाई बाजारों में, टोक्यो, सियोल और हांगकांग बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि शंघाई गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुआ। मध्य सत्र के दौरान यूरोपीय बाजार महत्वपूर्ण लाभ के साथ कारोबार करता दिखा। बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी रही।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को फिर से बिकवाली की और 799.74 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.21 प्रतिशत बढ़कर 76.21 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बुधवार को 30 शेयरों वाला सूचकांक 102.44 अंक बढ़कर 80,905.30 पर बंद हुआ था। एनएसई निफ्टी 71.35 अंक बढ़कर 24,770.20 पर बंद हुआ था।

शाइनिंग एमपी कॉन्क्लेव 2024 का आयोजन 23-24 अगस्त को, 100 से अधिक स्टार्टअप्स होंगे शामिल

नई दिल्ली। शाइनिंग एमपी कॉन्क्लेव के दूसरे संस्करण का आयोजन 23 और 24 अगस्त 2024 को ऐतिहासिक जय विलास पैलेस ग्वालियर में होगा। ईजी नॉलेज, फ्लुइड वेंचर्स और जय विलास पैलेस की ओर से यह एलान किया गया। इसके पहले संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन 23 और 24 अगस्त 2023 को ग्वालियर के जय विलास पैलेस स्थित सर जीवाजी राव सिंधिया म्यूजियम में किया गया था। यह आयोजन स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए लैंडमार्क साबित हुआ था।

शाइनिंग एमपी कॉन्क्लेव के दूसरे संस्करण के भी पहले संस्करण की तरह ही सफल होने की उम्मीद जताई गई है। यह आयोजन स्टार्टअप्स, निवेशकों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों को नेटवर्क बनाने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्लेटफॉर्म मुहैया कराएगा। इस आयोजन में शामिल होने के लिए 50 से अधिक वीसी फंड्स ने हामी भरी है। अलग-अलग शहरों से 100 से अधिक स्टार्टअप्स के इस आयोजन में शिरकत करने की उम्मीद है।

ईजी नॉलेज की संस्थापक और सीईओ राखी सिंघल ने कहा है कि हम उद्यमियों, निवेशकों, और उद्योग जगत के दिग्गजों को शाइनिंग एमपी कॉन्क्लेव 2024 के तहत इनोवेशन और विकास के उद्देश्य से एक साथ लाने के लिए उत्साहित हैं। फ्लुइड वेंचर्स फंड के फाउंडिंग पार्टनर अमित सिंघल ने कहा कि हम पूरे भारत में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। शाइनिंग एमपी कॉन्क्लेव का हिस्सा बनकर हमारा लक्ष्य नई पीढ़ी के स्टार्टअप्स को टियर दो और तीन शहरों में एक इकोसिस्टम मुहैया करना है।

खरपतवारों की विशेषताएं
स्वभाव और हानियां

खरपतवार धरती पर बिन बुलाए देशी और विदेशी मेहमान हैं। दुखद पहलू यह है कि इसमें विदेशी खरपतवार ज्यादा सिर उठाये हुए हैं। पचास के दशक में अमेरिका से पी.एल. 480 योजना के तहत आयातित गेहूं के साथ पारथेनियम भारत आया। असल में इस दौरान विदेशी वनस्पति के देश में प्रवेश के संगरोधन नियम ज्यादा प्रभावी नहीं थे। यही नहीं उस समय भूखी जनता के पेट की आग को बुझाने का मुख्य मुद्दा हमारे सामने था। इसके अलावा गेहूँसा/मंडूसी (फैलेरिस माइनर) नामक घास के बीच मिश्रित रूप से हरित क्रांति से पूर्व मैक्सिको से आयातित गेहूं के साथ आये। यही घास जिसको हमारे किसान गेहूं का मामा या गुल्ली डंडा कहते हैं, आज गेहूं की फसल की खुराक खा जाने वाला मुख्य खरपतवार है (डॉ. राजवीर शर्मा 2005)

यह निर्विवाद सत्य है कि खरपतवारों की उपस्थिति फसल की उपज को कम करने में सहायक है। किसान जो अपनी पूर्ण शक्ति व साधन फसल की अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिये लगाता है, ये अनैच्छिक पौधे इस उद्देश्य को पूरा नहीं होने देते। खरपतवार फसल के पोषक तत्व, नमी, प्रकाश, स्थान आदि के लिए प्रतिस्पर्धा करके फसल की वृद्धि, उपज और गुणों में कमी कर देते हैं, (डॉ. अनिल दीक्षित, डॉ.एन.टी. यदुराजू और डॉ.जे.एस. मिश्रा, 2004)।

खरपतवारों की विशेषताएं तथा स्वभाव

खरपतवार विशेष प्रकार की वृद्धि करने के स्वभाव तथा बीजोत्पादन के ढंग रखते हैं। मुख्य विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण निम्न लिखित है:–

अनेक खरपतवार विषम परिस्थितियों में अच्छी प्रकार वृद्धि करते हैं।

अनेक खपतवार वानस्पतिक ढंग से उत्पन्न होते रहते हैं और अपनी संतान वृद्धि/प्रसार करते हैं। यदि उनको बीजोत्पादन से रोक दिया जाये तब भी वे नये पौधों को जन्म देते रहेंगे और उनका प्रसार होता रहेगा। जैसे मोथा की भौमिक गांठें, हिरनखुरी की भूमिगत जड़ें तथा तने।

बहुत से खरपतवार चिपकने वाले गोंद जैसे पदार्थों से ढके रहते हैं। इनमें कड़े रोयें, तथा इनमें कांटे पाये जाते हैं। इन उपायों से वे पशुओं तथा मनुष्यों द्वारा नष्ट होने से अपनी रक्षा करते हैं।

अनेक खरपतवार फसलों से सफलतापूर्वक प्रतियोगिता करते हैं, क्योंकि वे विषम परिस्थितियों में अपने रूपान्तरित विधि से जीवन यापन की क्षमता रखते हैं

असंख्य बीज प्रतिवर्ष खरपतवार द्वारा उत्पन्न होते हैं।

खरपतवार के बीज बहुत वर्षों तक जमीन के अंदर दबे रहते हैं और उनकी अंकुरण शक्ति नष्ट नहीं होती है। यह शक्ति दस, बीस और तीस वर्षों तक भी बनी रहती है बथुआ में देखा गया है कि इसके बीज बीस से चालीस वर्षों तक भूमि में दबे रहने पर जमने की शक्ति रखते हैं।

कुछ खरपतवार के बीज उसी समय पकते हैं जबकि फसल पक कर तैयार होती हैं। अथवा फसल पक कर तैयार होने के पहले ही खरपतवार के बीज भूमि पर गिर जाते हैं या फसल के साथ ही काट लिए जाते हैं।

कुछ बीज फसलों के बीज से इतनी समानता रखते हैं कि उनको करना बहुत ही कठिन कार्य है।

खरपतवार की जड़ें बहुत ही विकसित होती हैं और मिट्टी में गहराई तक पहुंचकर अपना खाद्य पदार्थ प्राप्त करने की क्षमता रखती है। जड़ों की वृद्धि खरपतवारों में फसलों की अपेक्षा अधिक होती है। यह देखा गया है कि हिरनखुरी की जड़ें 6 मीटर की गहराई तक भूमि में जाती है। जवासा की जड़ें 3 से 4 मीटर और वायसुरी तथा कांस की जड़ें 6 मीटर की गहराई तक भूमि के नीचे पहुंचती हैं।

खरपतवारों में रोगों और कीटों के आक्रमण को रोकने की क्षमता होती है।

द्य खरपतवार हर प्रकार की कमजोर भूमियों में उग सकते हैं, जैसे ऊसर, बंजर, कंकरीली तथा दलदली भूमियों में भी खरपतवार अच्छी प्रकार अपना प्रसार करते हैं।

घास पात के पौधे भूमि से पोषक पदार्थों का उपयोग करते हैं जिसकी मात्रा उपयोगी फसलों के पौधों द्वारा प्रयोग होने वाले पोषक पदार्थों की तुलना में अधिक होती है। जंगली सरसों (ब्रेसिका साइनेन्सिस) की जई के पौधे की अपेक्षा दुगने पोटाश की आवश्यकता होती है।

घासपात कृषि कार्य में अवरोध उत्पन्न करते हैं, श्रम एवं उपकरणों के खर्च में वृद्धि करते हैं तथा फसलों के गुण एवं उत्पादन में कमी करते हैं।

घासपातों से आक्रांत फसलों की कटाई चाहे श्रमिकों से कराई जाए या मशीनों से, किंतु श्रम खर्च में निश्चित वृद्धि होती है। घासपातों के कारण कटाई के यंत्रों में अधिक टूट–फूट, गत्यवरोध तथा अधिक मूल्य द्वारा ह्रास होता है।

अनाज में मिले घासपातों के बीजों के कारण उपज की गुणवत्ता कम होती है तथा इसका बाजार मूल्य कम मिलता है। गेहूं में लेथिरस एफाफा (खेसरी, मटरी) आदि सामान्य घासपातों के बीज मिले होने पर बाजार में उसकी कीमत ही कम नहीं मिलती अपितु खाद्यमान भी कम हो जाता है। इसी प्रकार दुधारू पशु के चारे में बन लहसुन (वाइल्ड गार्लिक) मिल जाने पर दूध में अप्रिय गंध आने लगती है। पशुओं के बालों में कोलकबर चिपका होने से उनकी कीमत कम हो जाती हैं।

घासपात के कारण चारागाहों की घास उत्पादकता कम हो जाती है तथा भूमि मूल्य में ह्रास होता है। इस प्रकार की क्षति विशेषकर बहुवार्षिक घासपातों के कारण होती है।

घासपात कीटों और पीड़क रोगों को आश्रय प्रदान करते है तथा इनके वैकल्पिक परपोषियों का कार्य करते हैं जो उपयोगी फसलों की क्षति पहुंचाते हैं। उदाहरणार्थ जंगलीगाजर पर रस्ट फ्लाई तथा गाजर का घुन होते हैं जो गाजर की फसल पर आक्रमण करते हैं। इसी प्रकार घासपातों पर फफूंदी और अन्य रोगाणु बहुगुणित होते रहते हैं तथा फसलों को हानि पहुंचाते हैं।

घासपात सिंचाई और जल निकास व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करते हैं। नालियां रुक जाती हैं तथा घासपात के बीज जल के साथ ऐसे खेतों में चले जाते हैं जहां सिंचाई जल जाता है। इसके अतिरिक्त जलीय घासपात झीलों व तालाबों इत्यादि को क्षति पहुंचाते हैं।

कृषि और उद्यानों को हानि पहुंचाने के अलावा घासपात वनों को भी हानि पहुंचाते हैं। वनों की पुनर्जनन अवधि कभी–कभी 15–30 वर्ष तक होती है तथा अनुपयोगी पौधों की काष्ठीय भूमिगत वृद्धि को यदि ठीक से नियंत्रित न किया जाय तो यह उपयोगी पौधों के साथ तीव्र स्पर्धा करती है। लेन्टाना दक्षिण भारत तथा हिमाचल प्रदेश के चंदर (सेन्टेलम) वनों के लिए पहले ही घातक सिद्ध हो रहा है। देवदिकर एवं सहयोगियों के अनुसार यूफोर्बिया जेनिकुलाटा आदि कुछ घासपाती से रस लेने के कारण मधुमक्खियों को बहुधा विषाक्तता हो जाती है। घासपात के खिले पुष्प मधुमक्खियों को आकर्षित करने में उपयोगी फसलों से स्पर्धा करते हैं जिससे इनमें परागण कम हो जाता है और अन्ततः उपज कम हो जाती है। (देवदिनकर 1961)।

खरपतवार प्रबंधन

प्रतिबंधात्मक/ निवारण विधियां

इस विधि में वे क्रियाएं शामिल हैं जिनके द्वारा फसलों के खेतों में खरपतवारों के प्रवाह को रोका जा सकता है जैसे–

खरपतवार रहित शुद्ध प्रमाणित बीज बोना।

कृषि में प्रयोग आने वाली मशीन व यंत्र साफ हो।

सिंचाई की नालियां व नहरों के किनारे उगे हुए खरपतवारों को समय से नष्ट कर दिया जाए।

अच्छी तरह से सड़ी पकी गोबर और कम्पोस्ट खाद का खेतों में इस्तेमाल करें।

ज्यादातर बहुवर्षीय खरपतवार जैसे कांस, पैराग्रास, दूब घास, मोथा, भोण्ड घास, कांदी इत्यादि खेतों की मेड़ के माध्यम से चुपके–चुपके खेत में प्रवाह करते हैं और बाद में बड़े पैमाने पर पूरे खेत में फैल जाते हैं इसलिए खेत के चारों तरफ की मेड़ की साफ–सफाई रखना बहुत आवश्यक है।

नियंत्रण विधि

इस विधि के तहत ऐसी क्रियायें आती हैं जिनके द्वारा बोआई के पहले और उनके बाद अथवा जब खरपतवार खेत में खड़ी फसल के साथ–साथ उग आते हैं तब निम्नलिखित विधियों द्वारा खरपतवारों को नष्ट किया जा सकता है।

यांत्रिक विधि

खरपतवार नियंत्रण की यह एक सरल और प्रभावी विधि है। विभिन्न फसलों की प्रारंभिक अवस्था में बोआई के 25 से 45 दिन के बीच का समय खरपतवारों से प्रतियोगिता की दृष्टि क्रांतिक समय है। अत: प्रारंभिक अवस्था में ही फसलों को निराई–गुड़ाई, खुरपी, फावड़ा, व्हील हो, हैण्ड हो की सहायता से करने से खरपतवारों का नियंत्रण प्रभावी ढंग से होता है और फसल की पैदावार में वृद्धि होती है।

शस्य विधि – ग्रीष्मकालीन जुताई और मेड़ों की सफाई– मई–जून में जब तापमान 45 सेंटीग्रेड के आस–पास रहता है तब यदि खेतों की जुताई की जाये तो कीड़े बीमारियों के साथ–साथ खरपतवारों के बीज भी भूमि के अंदर से सतह पर आ जाते हैं।

समय पर बोनी

कहा जाता है कि स्वस्थ फसल की सबसे प्रबल खरपतवारनाशी है। बचाव से सुरक्षा बेहतर के सिद्धांत के अनुसार फसलों की अनुशंसित समय पर बोनी करें जिससे अनुकूल जलवायु और भूमिगत परिस्थिति पाकर अंकुरण शीघ्र हो तथा फसल के पौधे पुष्ट होकर खरपतवारों से सफल प्रतिस्पर्धा कर सके।

कतार बोनी

छिटक कर खाद, उर्वरक तथा उसके ऊपर बीज छिटक कर बोने से खाद, उर्वरक का काफी हिस्सा खरपतवार चट कर जाते हैं। परिणामस्वरुप फसल, खरपतवार प्रतिस्पर्धा में फसल कमजोर हो जाते हैं। कतारों में बोनी करने से नीचे उर्वरक और उसके ऊपर बीज गिरने से पोषक तत्व सिर्फ फसलों के पौधों को ही मिल पाते हैं, कतार बोनी के साथ रसायनिक नींदानाशक प्रयोग यंत्र से अथवा हाथ से बचे खरपतवार की निदांई करने से एक चौथाई खर्च आता है।

सही फसल चक्र अपनाकर

एक ही तरह की फसलों को अलग–अलग मौसम में लगातार कई वर्षों तक खेतों में उगाने से खरपतवारों की समस्या जटिल हो जाती है। इसलिए जरुरी है कि खेत में पूरे साल रबी, खरीफ में एक ही तरह की फसलें न लेकर अलग–अलग मौसम में अलग–अलग तरह की फसलें जैसे खरीफ में उड़द, मूंग के बाद रबी में गेहूं, चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी इत्यादि फसलें बदल–बदलकर बोना चाहिए। जिससे खरपतवारों को काफी हद तक रोका जा सकता है।

जीरो टिलेज

इस पद्धति से खरीफ की फसल की कटाई के तुरंत बाद आवश्यक नमी की अवस्था में बिना किसी प्रकार का भूपरिकरण किये ही सीधे जीरो टिल फर्टी सीड ड्रिल नामक यंत्र से रबी फसलों की बोनी कर दी जाती है। इस विधि में चूंकि जुताई नहीं की जाती है तथा बोनी कतार में ही की जाती है जिससे खरपतवारों को पोषक तत्व नहीं मिल पाते तथा खेत में उपस्थित खरपतवार पूर्व में ही अंकुरित हो चुके होते है और फसल के पुट एवं स्वस्थ्य पौधे होने के कारण खरपतवार ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं।

हाथ से निंदाई

विभिन्न फसलों में अनुशंसित क्रांतिक अवधि में ही प्रारंभिक 20 से 40–45 दिन की अवस्था में ही हाथ से निदांई करना चाहिए जिससे निंदाई के साथ–साथ गुड़ाई भी हो जाती है जो पौधों के जड़ों के श्वसन आदि क्रियाओं में भी लाभकारी होती है।

जैविक नियंत्रण

ऐसी पद्धति जिसमें खरपतवार नियंत्रण के लिए इनके प्राकृतिक शत्रुओं (कीट, रोगजनक, कवक, जीवाणु, निमाटोड आदि) का उपयोग इस प्रकार किया जाता है ताकि खरपतवार की उपस्थिति से फसलोत्पादन में न्यूनतम आर्थिक हानि हो जैविक नियंत्रण कहलाती है। वे नींदानाशक जो सूक्ष्म जीवाणुओं जैसे कवक, जीवाणु, वायरस, निमाटोड आदि में तैयार किया जाता है। जैव नींदानाशक कहलाते हैं। भारत में जैविक नियंत्रण गाजर, घास, जलकुंभी जैसे खरपतवारों पर ही व्यावसायिक स्तर पर ही कुछ क्षेत्रों में अपनाया जा रहा है। निओचेटिन बीटल गाजर घास का प्रभावी नियंत्रण करता है।

समन्वित विधि

खरपतवार प्रबंधन अर्थात इससे होने वाली क्षति से फसल को सुरक्षित रखकर अधिकाधिक उत्पादन एवं आय प्राप्त करने के लिए खरपतवार प्रबंधन की सस्य यांत्रिकी एवं रसायनिक विधियों का समन्वित प्रयोग सर्वोत्तम विधि है। इन तीनों विधियों को एक साथ किसी भी फसल में उपयोग करने पर फसल, खरपतवारों के साथ प्रतियोगिता से बचती है। अन्यथा केवल एक विधि के प्रयोग से किसी न किसी अवस्था में खरपतवार प्रतियोगिता करते ही है। उक्त तीनों विधियों के समन्वय से समय पर सभी आवश्यक कार्य संपादित होने के साथ ही श्रमिकों की कम आवश्यकता तथा व्यय में भी कमी होती है। अत: कृषकों को खरपतवार प्रबंधन में विशेष सलाह है कि सस्य विधियों को अपनायें साथ ही यांत्रिकी विधि से नियंत्रण के उपाय करें तथा रसायनिक विधि द्वारा भी नींदा नियंत्रण के उपाय को अपनी खेती की तरक्की के साथ जोड़े तभी इस विषम समस्या से अपनी फसल की सुरक्षा कर सकेंगे एवं अन्न उत्पादन में आये ठहराव को गति प्रदान कर देश ही अर्थव्यवस्था में पूर्व की भांति अपने योगदान को सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित/ नींदारहित बीज का प्रयोग

अक्सर नींदा के बीज फसल की कटाई मिसाई के समय फसल के बीजों के साथ मिल जाते हैं। फसल की बोनी के साथ–साथ उनकी भी बोनी हो जाती है और ये फसल से पहले उगकर कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। अत: सर्वदा उन्नत किस्म एवं गुणवत्ता का प्रमाणित बीज ही उपयोग में लायें।

मृदा सौर उष्मीकरण (सोलेराइजेशन)

यह मिट्टी से पनपने वाले एवं मिट्टी जनित कवक, जीवाणु, कीट एवं खरपतवारों के नियंत्रण की आधुनिक एवं अत्यंत प्रभावी तकनीक है। यह एक जल उष्मीय (हाइड्रोथर्मल) तकनीक है। जिसमें नम मिट्टी को ज्यादा गर्मी के समय पारदर्शक पॉलीथिन शीट से 4–8 सप्ताह तक ढंक दिया जाता है जिससे मिट्टी या तापमान 8 से 12 अंश सेंटीग्रेड तक बढ़ जाता है और ज्यादातर खरपतवारों के बीज एवं उनकी अंकुरण क्षमता समाप्त हो जाती है। इस विधि में मिट्टी में पर्याप्त नमी का होना आवश्यक है। पॉलीथिन शीट पतली (25–30 माइक्रोमीटर) क्योंकि यह सस्ती होती है तथा ताप वृद्धि में ज्यादा प्रभावी होती है। इस विधि से 90 प्रतिशत से ज्यादा नींदा नियंत्रण हो जाता है।

रोनाल्डो ने बनाया एक और विश्व रिकॉर्ड, यूट्यूब चैनल लॉन्च करते ही 90 मिनट में हुए 10 लाख सब्सक्राइबर्स

लोकप्रियता: 24 घंटे में मिल गया गोल्डन प्ले बटन

नई दिल्ली, एजेंसी।

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बुधवार को अपना यूट्यूब चैनल लॉन्च किया। रियल मैड्रिड के पूर्व स्टार के फैंस उनके चैनल की सदस्यता लेने और वह किस तरह से अपना जीवन जीते हैं, यह जानने के लिए यूट्यूब पर उमड़ पड़े। फैंस की उत्सुकता इतनी ज्यादा थी कि रोनाल्डो ने सबसे तेज एक मिलियन यानी 10 लाख ग्राहकों के लिए यूट्यूब का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि महज 90 मिनट में हासिल की। खबर लिखे जाने तक रोनाल्डो के चैनल पर 1.3 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर्स हो चुके हैं। फुटबॉल स्टार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से अपने यूट्यूब चैनल की शुरुआत की घोषणा की थी, जहां उनके बड़े पैमाने पर फॉलोअर्स हैं। रोनाल्डो के एक्स प्लेटफॉर्म पर 112.5 मिलियन, फेसबुक पर 170 मिलियन और इंस्टाग्राम पर 636 मिलियन फॉलोअर्स हैं। रोनाल्डो ने चैनल लॉन्च का ऐलान करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, इंतजार खत्म हो गया है। मेरा यूट्यूब चैनल आखिरकार जारी हो चुका है! इस नई यात्रा पर मेरे साथ जुड़ें। अपना पहला वीडियो पोस्ट करने के कुछ घंटों बाद, 1.69 मिलियन फैंस चैनल को सब्सक्राइब कर चुके थे। रोनाल्डो के इस वीडियो को 90 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। 24 घंटे में रोनाल्डो को गोल्डन प्ले बटन भी मिल गया। उन्होंने अपने बच्चों को गोल्डन प्ले बटन दिखाया तो सभी झूम उठे। इसका वीडियो उन्होंने एक्स पर शेयर किया है।

मेसी से ज्यादा रोनाल्डो के सब्सक्राइबर्स

रोनाल्डो के प्रतिद्वंद्वी और इंटर मियामी से खेलने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी का भी एक यूट्यूब चैनल है और उनके 2.27 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं। मेसी ने इसे 2006 में लॉन्च किया गया था। रोनाल्डो का कहना है कि उनका चैनल न केवल उनके फुटबॉल करियर की कहानियों को लोगों तक पहुंचाएगा, बल्कि उनके फॉलोअर्स को उनके परिवार, स्वास्थ्य, पोषण, तैयारी, रिकवरी, शिक्षा और बिजनेस के बारे में भी जानकारी देगा। सर्वकालिक महान फुटबॉलरों में से एक रोनाल्डो वर्तमान में सऊदी प्रो लीग में अल नस्र के लिए खेलते हैं।

रावलपिंडी टेस्ट में शकील और रिजवान ने जड़े शतक

रावलपिंडी। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच रावलपिंडी में टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। मुकाबले के दूसरे दिन पाकिस्तान ने 448/6 के स्कोर पर अपनी पहली पारी डिक्लेयर की। टीम से सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान ने सेंचुरी लगाई। बांग्लादेश ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पारी शुरू कर दी। टीम ने 12 ओवर में बगैर नुकसान के 27 रन बना लिए। पाकिस्तान ने पहले दिन 158/4 के स्कोर पर अपनी पारी खत्म की थी। सेकेंड सेशन में रिजवान और शकील दोनों ने सेंचुरी जड़ दीं। शकील 141 रन बनाकर आउट हुए और उनकी रिजवान के साथ 240 रन की पार्टनरशिप टूट गई। शकील को मेहदी हसन मिराज ने पवेलियन भेजा। तीसरे सेशन में 14 ओवर का खेल बाकी था, तभी पाकिस्तान ने पारी डिक्लेयर कर दी। रिजवान 171 रन बनाकर नॉटआउट रहे, उनके साथ अफरीदी 29 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

शेड्यूल जारी: हेडिंग्ले में खेला जाएगा पहला टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया के बाद इंग्लैंड से भी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय टीम अगले साल (2025) जून-अगस्त के दौरान इंग्लैंड दौरे पर रहेगी, जहां उसे मेजबान टीम के खिलाफ 5 टेस्ट मैच खेलने हैं। भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। गुरुवार (22 अगस्त) को भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड एवं इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने शेड्यूल का ऐलान किया। जारी शेड्यूल के मुताबिक दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 20 जून से हेडिंग्ले में होगा, फिर बर्मिंघम में 2 जुलाई से दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

मैच	दिनांक	स्थान
पहला टेस्ट	20-24 जून 2025	हेडिंग्ले, लीड्स
दूसरा टेस्ट	02-06 जुलाई 2025	एजबस्टन, बर्मिंघम
तीसरा टेस्ट	10-14 जुलाई 2025	लॉर्ड्स, लंदन
चौथा टेस्ट	23-27 जुलाई 2025	ओल्ड ट्रैफोर्ड, मैनचेस्टर
पांचवां टेस्ट	31-04 अगस्त 2025	द ओवल, लंदन

इसके बाद दोनों टीमें लॉर्ड्स मैदान पर 10 जुलाई से सीरीज के तीसरे मुकाबले में आमने-सामने होंगी, फिर मैनचेस्टर (23 जुलाई) और ओवल (31 जुलाई) में बाकी के दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। यह टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के चौथे सत्र का हिस्सा होगा। बता दें कि वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के तीसरे एवं मौजूदा सत्र का फाइनल जून 2025 में क्रिकेट के मक्का लॉर्ड्स में खेला जाना है। उस फाइनल मुकाबले के कुछ दिन बाद ही ये पांच मैचों की टेस्ट सीरीज होनी है। भारतीय टीम आखिरी बार टेस्ट सीरीज के लिए साल 2021 में इंग्लैंड दौरे पर गई थी, जो 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था।

रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ पर हुई पुरस्कारों की बौछार

सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स: विराट कोहली यशस्वी जायसवाल और आर अश्विन भी छाए

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में हुए सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स 2023-24 समारोह में भारत के कई दिग्गज क्रिकेटर शामिल हुए। कई दिग्गजों को सम्मानित भी किया गया। इस समारोह में एक बार फिर रोहित और द्रविड़ की जुगलबंदी देखने को मिली। दोनों को फिर साथ देख फैंस रोमांचित हो गए। भारतीय क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा को 'मेन्स इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना गया, वहीं पूर्व हैड कोच राहुल द्रविड़ को 'लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान' से नवाजा गया। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को इस समारोह में 'मेन्स वनडे बैटर ऑफ द ईयर' चुना गया, जबकि 2023 के क्रिकेट विश्वकप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले मोहम्मद शमी को वनडे बॉलर ऑफ द ईयर घोषित किया गया। इस समारोह में यशस्वी जायसवाल को 'मेन्स टेस्ट बैटर ऑफ द ईयर' और आर अश्विन को 'मेन्स टेस्ट बॉलर ऑफ द ईयर' घोषित किया गया। खेल प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किए गए बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि भारतीय टीम भविष्य में और ट्रॉफी प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने आपको राजकोट में बताया था कि हम बारबाडोस में अपना तिरंगा फहराने जा रहे हैं और हमारे कप्तान ने ऐसा कर के दिखाया।

मीराबाई और नीलकांत को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू और हॉकी खिलाड़ी नीलकांत शर्मा को मणिपुर पुलिस ने सम्मानित किया। पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने यहां एक समारोह में मीराबाई और नीलकांत को सम्मानित किया। नीलकांत पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतने वाली हॉकी टीम के सदस्य थे। बयान के अनुसार, मणिपुर पुलिस को उनकी उपलब्धियों और राष्ट्र के प्रति योगदान पर गर्व है और उनके भविष्य के प्रयासों में हर संभव प्रोत्साहन और समर्थन का आश्वासन दिया जाता है। मीराबाई राज्य पुलिस में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हैं, जबकि नीलकांत भारतीय रेलवे में काम करते हैं।

पुजारा के वापसी के दरवाजे बंद

अब ससेक्स से भी हुई भारतीय क्रिकेटर की छुट्टी

लंदन, एजेंसी। भारत के स्टार क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा को बड़ा झटका लगा है। काउंटी टीम ससेक्स ने उनके साथ नाता तोड़ लिया है। पुजारा कई मैचों में ससेक्स की कप्तानी भी कर चुके हैं, लेकिन अब यह टेस्ट स्पेशलिस्ट अगले सीजन से काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स टीम में वापसी करते नहीं दिखेंगे। इंग्लैंड के काउंटी क्लब ने ऑस्ट्रेलिया के डेनियल ह्यूज की सेवाएं बरकरार रखने के लिए उन्हें कार्यमुक्त करने का विकल्प चुना है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ह्यूज अगले सत्र में सभी चैंपियनशिप और टी20 वाइटैलिटी ब्लास्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। क्लब ने यह भी घोषणा की कि वेस्टइंडीज के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडन सील्स उनकी काउंटी टीम की तरफ से चैंपियनशिप के शुरुआती मैचों में खेलेंगे। पुजारा 2024 में लगातार तीसरी बार ससेक्स की तरफ से खेले थे।

कोच बोले- चेतेश्वर से करार खत्म करना आसान काम नहीं था...

ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, चेतेश्वर से करार खत्म करना आसान काम नहीं था, लेकिन डेनियल हमारी जरूरत के अनुरूप टीम में फिट बैठे हैं और हमें खुशी है कि वह अगले पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। ससेक्स के लिए अपने 24 काउंटी चैंपियनशिप मैचों में, पुजारा ने 60 से ऊपर की औसत से 2364 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। ससेक्स के लिए उनका सर्वोच्च स्कोर 2022 में डर्बीशायर के खिलाफ आया जब उन्होंने 231 रन बनाए थे। तब उन्होंने टॉम हैन्स के साथ 351 रनों की साझेदारी की थी।

लॉर्ड्स पहली बार करेगा महिला टेस्ट मैच की मेजबानी

लंदन, आरएनएन। भारत और इंग्लैंड के बीच 2026 में लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम पर टेस्ट मैच खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब प्रसिद्ध लॉर्ड्स स्टेडियम महिला टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों ने पिछले साल दिसंबर में एकमात्र टेस्ट मैच खेला था। भारत और इंग्लैंड के बीच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेले गए उस टेस्ट मैच में भारत ने मेहमान टीम को 347 रनों के अंतर से हराया था। लॉर्ड्स ने इससे पहले महिला मैचों की मेजबानी की है, लेकिन यह सभी सीमित ओवर प्रारूप के मुकाबले रहे हैं।

भारत-इंग्लैंड के बीच होगा मुकाबला

ईसीबी ने कहा, इस बात की पुष्टि की जाती है कि भारतीय महिला टीम 2026 में लॉर्ड्स में एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। यह इस मैदान पर खेला जाना वाला महिलाओं का पहला टेस्ट मैच होगा। पिछले तीन वर्षों से इंग्लैंड की महिला टीम ने लॉर्ड्स पर सीमित ओवरों के मुकाबले खेले हैं, लेकिन अब पहली बार यह मैदान महिला टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। इंग्लैंड के खिलाफ 2026 में टेस्ट मैच खेलने से पहले भारतीय महिला टीम 2025 में सीमित ओवरों की सीरीज खेलने के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 28 जून से नॉटिंघम में पांच टी20 मैच की सीरीज खेलेगी, जिसका अंतिम मुकाबला 12 जुलाई को खेला जाएगा। इसके बाद भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच 16 से 22 जुलाई के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी।

राष्ट्रीय जूनियर ताइक्वांडो में हर्मन ने स्वर्ण और सौभाग्य ने जीता रजत

भोपाल, एजेंसी। औरंगाबाद में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मप्र राज्य अकादमी के खिलाड़ियों ने 1 स्वर्ण और 1 रजत सहित कुल 2 पदक अर्जित किए। इस प्रतियोगिता के दोनों पदक विजेता खिलाड़ियों को जूनियर वर्ल्ड ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के लिए भारतीय प्रशिक्षण शिविर में चयनित किया गया है। जूनियर वर्ल्ड ताइक्वांडो चैम्पियनशिप का आयोजन 1 से 6 अक्टूबर 2024 तक चुन्चेन, कोरिया में होगा। औरंगाबाद में आयोजित इस प्रतियोगिता में खेल अकादमी के ताइक्वांडो खिलाड़ी हर्मन सिंह गिल ने स्वर्ण और सौभाग्य शर्मा ने रजत पदक अर्जित किया है। खेलमंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दोनों पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। दोनों ही पदक विजेता खिलाड़ी खेल अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक जगजीत सिंह माण्ड, प्रशिक्षक अर्जुन सिंह रावत के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत् है।

दोनों खिलाड़ी जूनियर वर्ल्ड ताइक्वांडो के लिए प्रशिक्षण शिविर में चयनित, खेलमंत्री सारंग ने दी बधाई

मप्र क्याकिंग-केनोइंग अकादमी का 10 सदस्यीय दल पहुंचा उज्बेकिस्तान

भोपाल, एजेंसी। उज्बेकिस्तान में 23 से 25 अगस्त 2024 तक आयोजित सीनियर वर्ल्ड कैनो चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए खेल अकादमी के 7 खिलाड़ी और 3 प्रशिक्षक सहित कुल 10 सदस्यीय दल उज्बेकिस्तान पहुंच गया है। खेलमंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों को बेहतर खेल प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी है। प्रतियोगिता में अरविंद वर्मा, निंगत हौगम नेपालियन, हिमांशु टंडन, अक्षित बरोई, मासुमा यादव, परविंदर कौर और दीप राजपूत भाग लेंगे।

अदिति, नेहा, पुलकित और मानसी फाइनल में

अंडर-17 वर्ल्ड कुश्ती में 4 मेडल और पक्के

अम्मान, एजेंसी।

जॉर्डन के अम्मान में चल रही अंडर-17 वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप 2024 में चार महिला पहलवानों ने फाइनल में पहुंच कर अपना मेडल पक्का कर लिया है। वहीं भारत को अब तक 2 ब्रॉन्ज मेडल मिले है। बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल में अदिति कुमारी, नेहा, पुलकित और मानसी लाठर ने मुकाबला जीतकर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

अदिति ने 43 किलो वेट में सेफा में एलेक्सांद्रा बेरेजोवस्काइया को 8-2 से हरा कर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। वहीं 57 किलो वेट में नेहा ने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की अन्ना स्ट्रेटेन को हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। 65 किलो वेट में पुलकित मिस्र की मराम इब्राहिम ऐली को 3-0 से हराकर फाइनल में पहुंची। 73 किलो वेट में मानसी लाठर ने सेमीफाइनल में क्रिस्टीना डेमचुक को 12-2 से हरा कर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। वहां पर उनका मुकाबाला हन्ना पिरस्काया से होगा।

भारत को ग्रीको रोमन में मिले हैं 2 मेडल

ग्रीको रोमन के 110 किलो वेट में रौनक दहिया ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में रौनक ने तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को 6-1 से हराया। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल मुकाबले में हंगरी के जोल्टन जाको से 0-2 से हार गए थे। साईनाथ पारधी ने ग्रीको रोमन में भारत के लिए एक और ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। उन्होंने 51 किग्रा वर्ग के ब्रॉन्ज मेडल के हुए मुकाबले में कजाकिस्तान के मुसन येरासिल को 3-1 से हराया।

असहज चेन्नई में मीडिया से बातचीत को बीच में छोड़कर निकलीं मां-बेटी

नीरज को लेकर सवाल पर नाराज हुईं मनु की मां

नई दिल्ली, एजेंसी।

मनु भाकर के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 बेहद सफल रहा। इस पिस्टल शूटर ने दो कांस्य पदक जीते और एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली एथलीट बन गईं। एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन के लिए पहले से ही एक जाना माना नाम मनु भाकर से अब अगले वैश्विक आयोजनों में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। उनके इस प्रदर्शन से उनके घर वाले भी काफी खुश हैं। कई जगह मनु को सम्मानित भी किया गया है। इस दौरान मां सुमेधा भाकर भी उनके साथ रहीं। हालांकि, अब कुछ ऐसी घटना घटी है, जिसने सुमेधा को नाराज कर दिया।

दरअसल, ओलंपिक के बाद से मनु भाकर की वाहवाही लूटी जा रही है। हालांकि, उन्हें कुछ मुश्किल सवालों का भी सामना करना पड़ा है। मनु का नाम कुछ समय पहले पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा से जोड़ा जा रहा था। हालांकि, उनके परिवार से इसका खंडन आ चुका है। मंगलवार को मनु भाकर चेन्नई में एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां भीड़ ने उनका हौसला बढ़ाया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पत्रकारों के कुछ सवाल थे, जिसने उन्हें और उनकी मां सुमेधा को असहज कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यक्रम के अंत के दौरान, एक रिपोर्टर ने पूछा, विनेश का निर्णय राजनीति से प्रेरित था। आपकी क्या राय है? इससे पहले कि मनु जवाब दे पातीं, उनकी मां से किसी ने सवाल पूछा, नीरज (चोपड़ा) के साथ आपकी क्या बातचीत हुई? रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस तरह के सवाल सुनकर मनु ने न सिर्फ कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि वह वहां से मां के साथ चली गईं।

चोपड़ा, भाकर और विनेश की कमाई में इजाफा, विज्ञापन के लिए कतार

पेरिस ओलंपिक के बाद रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा और कांस्य पदक विजेता मनु भाकर की कमाई में इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, नीरज चोपड़ा की कमाई में 30-40 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। उनकी कमाई 29.6 मिलियन डॉलर से बढ़कर 40 मिलियन डॉलर (तकरीबन 330 करोड़ रुपये) हो गई है। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा की ब्रैंड वेल्यू ओलंपिक से पहले हार्दिक पंड्या के बराबर थी। हालांकि, अब दिग्गज ने स्टार ऑलराउंडर को पीछे छोड़ दिया है। वहीं, मनु पर भी नोटों की बारिश हो रही है। 22 वर्षीय महिला निशानेबाज ने हाल ही में कोल्ड ड्रिंक कंपनी के साथ करार किया है। इसके लिए उन्हें 1.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले मनु भाकर की एंडॉर्समेंट फीस 25 लाख रुपये प्रति वर्ष थी। हालांकि, अब इसमें इजाफा हुआ है। नीरज और मनु के अलावा पेरिस भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट की एंडॉर्समेंट फीस में इजाफा हुआ है। ओलंपिक से पहले वह किसी ब्रांड के प्रमोशन के लिए 25 लाख रुपये एक साल के लिए लेती थीं। हालांकि, अब यह लगभग एक करोड़ हो गई है। बता दें कि विनेश ने हाल ही में समाप्त हुए ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीता है।

24 साल की स्टार ओलंपियन कामथ ने छोड़ा टेबल टेनिस

नई दिल्ली। भारत की स्टार महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी अर्चना कामथ ने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लिया था। अब वह इस खेल को छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। इसके लिए उन्होंने यूएस जाने का फैसला लिया है।

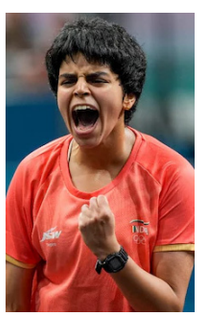

सामंथा

को फिर हुआ प्यार, डायरेक्टर राज को कर रही हैं डेट

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री में एक्टर्स और डायरेक्टर्स के बीच रिलेशनशिप की बातें और अफवाहें हमेशा चर्चा में रहती हैं। अब चर्चा है कि सामंथा रुथ प्रभु और डायरेक्टर राज का अफेयर शुरू हो गया है। इस पर खूब चर्चा हो रही है और अब हर कोई सच जानने को उत्सुक है। चर्चा है कि तेलुगु निर्देशक त्रिविक्रम सामंथा के साथ एक ही होटल में ठहरे थे और जब उनकी पत्नी ने दोनों को एक साथ देखा तो उन्हें होटल से बाहर निकाल दिया गया। इससे लोगों को उनके रिश्ते पर चर्चा करने का मौका मिला। चर्चा इस बात की भी हो रही है कि सामंथा 'द फैमिली मैन' डायरेक्टर राज के साथ रिलेशनशिप में हैं। हालांकि इसमें कोई सच्चाई है या नहीं, यह पता नहीं चल पाया है, लेकिन सोशल मीडिया पर चर्चा है कि इन दोनों के बीच कुछ तो जरूर चल रहा है। ये खबर तब आई जब नागा चैतन्य ने शोभिता धूलिपाला से सगाई कर ली। दरअसल, खबर है कि नागा चैतन्य और शोभिता ने 8 अगस्त को सगाई कर ली। नेटिजन्स ने नागा चैतन्य को खूब ट्रोल किया। अब जब सामंथा के अफेयर की चर्चा शुरू हुई तो फैंस खुश हैं। हालांकि इन सब बातों में कितनी सच्चाई है ये अभी भी कोई नहीं जानता। इसके अलावा न तो इस जोड़ी ने और न ही उनके किसी करीबी ने इन चर्चाओं पर कोई टिप्पणी की है। सामंथा और नागा की बात करें तो उन्होंने वर्ष 2017 में शादी की थी। शादी के चार साल बाद वर्ष 2021 में दोनों अलग हो गए। उनके अलग होने से हर कोई हैरान था। अलग होने के बाद वर्ष 2022 में सामन्था को मायोसिटिस हो गया। इसके बाद उन्होंने खुद को समय देने के लिए काम से ब्रेक ले लिया। अब वह सीरीज सिटाडेल में नजर आएंगी।

गुरुचरण सिंह को बिना बताए 'तारक मेहता..' के मेकर्स ने किया रिप्लेसमेंट

मुंबई। कॉमेडी सीरीज 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' 16 साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। एक्टर गुरुचरण सिंह पहले एपिसोड से ही इस सीरियल का हिस्सा थे। उन्होंने 2008 से 2013 और फिर 2014 से 2020 तक रोशन सिंह सोढ़ी की भूमिका निभाई। गुरुचरण ने दावा किया है कि 2012 में जब कॉन्ट्रैक्ट पर दोबारा बातचीत की कोशिश की गई तो बिना कोई विचार किए इसे बदल दिया गया। इस बात का पता तब चला जब सीरियल के एपिसोड में सोढ़ी के किरदार में एक नया एक्टर नजर आया। गुरुचरण ने दिए एक इंटरव्यू में कहा कि बिना बताए सीरीज से निकाले जाने से वह सदमे में हैं।

गुरुचरण ने कहा कि तारक मेहता की टीम मेरे परिवार की तरह है, क्योंकि अगर मैं टीम को परिवार नहीं मानता, तो मैं उनके बारे में बहुत सी बातें कहता, जो मैंने नहीं कही। उन्होंने 2012 में मेरी जगह ले ली, मैंने शो नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि उस समय अनुबंधों और समझौतों के बारे में कुछ चर्चा हुई थी। उन्होंने मुझे नहीं बताया कि वे मेरी जगह किसी और को लेने जा रहे हैं। मैं दिल्ली में था और मैं अपने परिवार के साथ बैठा था, हम तारक मेहता देख रहे थे। उस एपिसोड में धरम पाजी फिल्म का प्रमोशन करने आए थे, उनका कैमियो था।

मैंने कहा, 'वाह, धरम पाजी यहां हैं' और उस एपिसोड में उन्होंने नए सोढ़ी को पेश किया। मैं ये देखकर हैरान रह गया। मैं अपने माता-पिता के साथ धारावाहिक देख रहा था और वे भी चौंक गए। गुरुचरण ने कहा कि जब सीरियल में नया सोढ़ी आया तो दर्शकों ने उसे स्वीकार नहीं किया। गुरुचरण ने कहा कि जब मुझे रिप्लेस किया गया तो निर्माताओं पर बहुत दबाव था। मेरे भी कुछ अनुभव थे। जब मैं जिम जाता था तो लोग कहते थे कि तुमने सीरीज क्यों छोड़ दी? वह गुस्से में कहते थे कि यह कोई मजाक नहीं है, तुम्हें सीरियल में दोबारा काम करना चाहिए। लोग मुझे वैसे ही ताना मारते थे जैसे आप अपने परिवार वालों को ताना मारते हैं। गुरुचरण ने कहा कि शो में उनकी पत्नी का किरदार निभाने वाली जेनिफर मिस्त्री को भी इसी तरह से रिप्लेस किया गया था।

उन्हें 2012 में निर्माताओं द्वारा शो से हटा दिया गया था लेकिन एक साल बाद वापस लाया गया और 2020 तक श्रृंखला का हिस्सा थे। गुरुचरण ने बताया कि अब वह मुंबई में काम की तलाश कर रहे हैं।

कांतारा के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए सम्मान की बात : ऋषभ

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार ऋषभ का कहना है कि कांतारा के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना उनके लिये सम्मान की बात है। शुक्रवार को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा हुई। कन्नड़ फिल्म कांतारा के लिए ऋषभ शेट्टी को बेस्ट एक्टर चुना गया। ऋषभ ने कहा,कि वह कन्नड़ दर्शकों के आभारी हैं, जिन्होंने फिल्म को इस मुकाम तक पहुंचाया। उन्होंने कहा, कांतारा के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं उस हर शख्स का दिल से आभारी हूं, जो इस यात्रा में मेरे साथ रहा। कलाकारों, तकनीशियनों और खास तौर पर होमेबल फिल्म्स। यह फिल्म आज जहां है, वहां दर्शकों ने पहुंचाया है।उनका समर्थन देखकर मैं भारी जिम्मेदारी का एहसास करता हूं। मैं और ज्यादा मेहनत करूंगा और दर्शकों के लिए बेहतर फिल्में बनाऊंगा। अति सम्मान के साथ, मैं अपना पुरस्कार कन्नड़ दर्शकों, दैवा नर्तकों और अप्पू सर को समर्पित करता हूं। दैवाओं के आशीर्वाद से हम इस लम्हे तक पहुंचे हैं।

ब्रह्मास्त्र को तीन नेशनल अवार्ड मिलने पर अयान मुखर्जी ने जताई खुशी

मुंबई। बॉलीवुड निर्देशक अयान मुखर्जी ने फिल्म ब्रह्मास्त्र को तीन नेशनल अवार्ड मिलने पर खुशी जतायी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के विजेताओं की घोषणा कर दी है।ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन शिवा ने कुल तीन कैटेगरी में नेशनल अवॉर्ड जीता है। बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन के लिए जाने माने संगीतकार प्रीतम को ब्रह्मास्त्र के लिए नेशनल अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है।अरिजीत सिंह को इस फिल्म के लिये बेस्ट सिंगर के रूप में चुना गया है।

एआर रहमान के साथ काम नहीं करना चाहती थीं अलका याग्निक

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के महान संगीतकार एआर रहमान को शुक्रवार को 70वें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एआर रहमान के गाने हर किसी की जुबान पर रहते हैं। शायद ही कोई ऐसा हो जिसने एआर रहमान के गाने न सुने हों। आज एआर रहमान इंडस्ट्री में एक बड़ा नाम हैं लेकिन एआर रहमान की जिंदगी में एक वक्त ऐसा भी आया था जब मशहूर बॉलीवुड गायिका अलका याग्निक और गायक कुमार शानू ने एआर रहमान के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। इस बात का खुलासा खुद सिंगर अलका याग्निक ने किया है। एक इंटरव्यू में, अलका याग्निक ने उस समय की याद ताजा की जब एआर रहमान ने पहली बार उनसे काम के लिए संपर्क किया था। अलका याग्निक ने कहा, 'उस वक्त एआर रहमान नया नाम था। खासकर मुंबई में उन्हें कोई नहीं जानता था। साउथ में एआर रहमान को हर कोई जानता था। उस समय वह बहुत छोटे थे। जब मुझे चेन्नई से फोन आया, एआर रहमान नए संगीतकार हैं। वह आपका बहुत बड़ा प्रशंसक है। वह एक फिल्म के लिए गाने बना रहे हैं। वह चाहते हैं कि मैं और कुमार शानू उनके लिए गाना गए लेकिन समस्या यह थी कि वे मुझे तुरंत बुलाने के लिए फोन कर रहे थे लेकिन मेरी डेट्स पहले से ही बुक थीं।' मुंबई में भी मैंने इतने सारे संगीतकारों के साथ काम किया और अपना कैलेंडर तैयार किया कि मैं उन्हें छोड़ना नहीं चाहती थी। साथ ही उस वक्त मुझे नहीं पता था कि एआर रहमान कौन हैं। मैं उनकी क्षमता नहीं जानती थी।' इसके बाद अलका ने कहा कि उन्होंने कुमार सानू को फोन किया। उनसे बातचीत के दौरान उन्हें यह भी पता चला कि उन्हें चेन्नई से फोन आया था। कुमार सानू ने अलका याग्निक से कहा कि उन्होंने चेन्नई जाने से इनकार कर दिया है।

निकिता दत्ता

ने एक्शन फिल्मों में अपनी रुचि व्यक्त की

मुंबई। अभिनेत्री निकिता दत्ता ने एक्शन फिल्मों में अपनी रुचि व्यक्त करते हुये कहा कि वह हमेशा से ही एक्शन रोल करना चाहती थी। गोल्ड, कबीर सिंह और द बिग बुल जैसी फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाने वाली निकिता दत्ता दर्शकों को आकर्षित करना जारी रखती हैं। हाल ही में, उन्होंने घराट गणपति में अपनी पहली फिल्म के साथ मराठी सिनेमा में कदम रखा, जिसमें उनके दमदार अभिनय के लिए उन्हें सरहाना और प्रशंसा मिली।हाल ही में एक इंटरव्यू में, निकिता ने नई जॉनर, विशेष रूप से एक्शन के लिए अपने उत्साह को साझा किया। उन्होंने खुलासा किया, मैं हमेशा से ही एक्शन रोल करना चाहती थी और यह कुछ ऐसा है जो मेरे दिमाग में है। विभिन्न विधाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के बाद, निकिता को एक्शन से भरपूर भूमिकाएँ निभाते देखना दिलचस्प होगा। भारतीय सिनेमा के विकास के साथ, कई अभिनेत्रियाँ एक्शन भूमिकाओं में कदम रख रही हैं और निकिता की प्रतिभा और समर्पण उन्हें इस जॉनर के लिए एक परफेक्ट फिट बनाता है। निकिता दत्ता सिद्धार्थ आनंद की आगामी नेटफ्लिक्स प्रोडक्शन, ज्वेल थीफः द रेड सन चैप्टर में अभिनय करते हुये दिखाई देगी।

अमित सियाल की फिल्म 'टिकडम' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अमित सियाल की फिल्म 'टिकडम' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जियो स्टूडियो की अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म टिकडम का ट्रेलर जारी कर दिया है। टिकडम एक ऐसे व्यक्ति के जीवन की कहानी है, जिसका किरदार प्रतिभाशाली अमित सियाल ने निभाया है, जिसे सीमित अवसरों के कारण अपने छोटे से शहर को छोड़कर एक व्यस्त महानगर में जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अपने फैसले के बावजूद, उसके बच्चे उसे जाने से रोकने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं, जिससे कहानी में दर्द और दृढ़ता का एक और स्तर जुड़ जाता है। फिल्म में परिवार के भीतर होने वाले भावनात्मक उथल-पुथल को मार्मिक ढंग से दिखाया गया है। महारानी, जामताड़ा, काठमांडू कनेक्शन और काला में अपने दमदार अभिनय के लिए मशहूर अमित सियाल ने टिकडम में एक और अविस्मरणीय किरदार को जीवंत किया है। अमित सियाल ने अपनी भूमिका के बारे में कहा, टिकडम ने मुझे गहराई से प्रभावित किया। यह कहानी हमारे प्रियजनों के लिए किए जाने वाले त्याग और परिस्थितियों के बावजूद पारिवारिक संबंधों की मजबूती के बारे में है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह उतना ही मार्मिक लगेगा जितना मुझे लगा। फिल्म टिकडम में अमित सियाल के साथ, अरिष्ट जैन, आरोही सौद, दिव्यांश द्विवेदी और नयन भट्ट प्रमुख भूमिकाओं में हैं।विवेक आंचलिया द्वारा निर्देशित और ज्योति देशपांडे, पूनम श्रॉफ, पार्थ गज्जर, सवियो शेनॉय और श्वेता शर्मा आंचलिया द्वारा निर्मित, स्काईलार्क प्रोडक्शंस इंडिया और हार्दिक गज्जर फिल्म्स द्वारा निर्मित, टिकडम एक ऐसा सिनेमाई अनुभव होने का वादा करता है जो सभी उम्र के दर्शकों को पसंद आएगा।टिकडम को ह्यूस्टन के भारतीय फिल्म महोत्सव में विशेष मान्यता पुरस्कार और जागरण फिल्म महोत्सव में पारिवारिक बंधनों के अपने मार्मिक चित्रण के लिए विशेष उल्लेख पुरस्कार मिला। टिकडम 23 अगस्त से जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग शुरू कर रहा है।

22 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर हिंदी में स्ट्रीम होगी 'कल्कि 2898 एडी'

मुंबई। ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 एडी ,22 अगस्त से हिंदी भाषा में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित, कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी सहित कई शानदार कलाकार हैं। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 जून दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुयी थी। क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से कल्कि 2989 एडी को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म कल्कि 2898 एडी ने वर्ल्डवाइड ग्रास 1100 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई की है।सिनेमाघरों में राज करने के बाद अब यह फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है।